रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने बरता संयम

- 7

सोने की चमक बरकरार इस साल दिया 67 प्रतिशत रिटर्न

- 10

बेनिन में सैनिक विद्रोह तख्तापलट की भी कोशिश लेकिन विफल रहे

- 11

स्मृति मंधाना और पलाश मुछाल ने रिश्ता खत्म करने की घोषणा की

- 12

आज का मौसम

24.0° अधिकतम तापमान

12.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.44

सूर्यास्त 05.17

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष चतुर्थी 04:03 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 8 दिसंबर 2025, वर्ष 35, अंक 309, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

प्रधानमंत्री मोदी आज वंदे मातरम् पर करेंगे चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

- राष्ट्रीय गीत के बारे में कई महत्वपूर्ण और अज्ञात पहलुओं के सामने आने की संभावना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर सोमवार को लोकसभा में चर्चा की शुरुआत करेंगे। इसमें राष्ट्रीय गीत के बारे में कई महत्वपूर्ण और अज्ञात पहलुओं के सामने आने की संभावना है। लोकसभा में 'राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर चर्चा' सोमवार के लिए सूचीबद्ध है और इस पर बहस के लिए 10 घंटे का समय निर्धारित किया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस चर्चा में दूसरे वक्ता होंगे। इस चर्चा में लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई और प्रियंका गांधी वाद्रा सहित अन्य सदस्य भी शामिल होंगे। संसद में यह चर्चा, बंकिम चंद्र द्वारा रचित और जदुनाथ भट्टाचार्य द्वारा संगीतबद्ध वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर वर्ष भर आयोजित होने वाले समारोह का हिस्सा है। मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उस पर 1937 में इस गीत से प्रमुख छंदों को हटाने और विभाजन के बीज बोने का आरोप लगाया था।

एनसीएमसी कार्ड एक, यात्रियों को फायदे अनेक

नीरज मिश्र, लखनऊ

अमृत विचार: परिवहन निगम प्रबंधन का ड्रीम प्रोजेक्ट एनसीएमसी कार्ड (नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड) जनवरी माह में आ जाएगा। परिवहन निगम प्रबंधन इसकी तैयारी पूरी कर चुका है। इस कार्ड का यात्री न केवल रोडवेज बसों में बल्कि मेट्रो व नगर बसों में भी इसका इस्तेमाल कर सकेंगे। सिर्फ यूपी ही नहीं देश में जहां भी ओपेन लूप प्रणाली से सार्वजनिक परिवहन जुड़ा है, यह कार्ड वहां भी काम करेगा। कार्ड का प्रारूप आ गया है।

एसबीआई की मदद से यह कार्ड विभिन्न सेवाओं में 'रन' करेगा। कार्ड में अयोध्या के राममंदिर और बाबा काशी विश्वनाथ के मंदिरों की झलक दिखाई देगी।

कार्ड उपलब्ध कराएगा ये सहूलियतें

जिस सिस्टम पर चल रही होगी ओपेन लूप प्रणाली सभी में इस कार्ड का उपयोग हो सकेगा। इसके जरिए यात्री रोडवेज, नगर बसों, मेट्रो आदि में कैशलेस टिकट प्राप्त कर सफर कर सकेंगे। सिर्फ यही नहीं इसके माध्यम से दिल्ली मेट्रो समेत यूपी और देश के विभिन्न सार्वजनिक परिवहन वाहनों में भी इसका इस्तेमाल किया जा सकेगा। इस कार्ड में यात्री अपनी आवश्यकतानुरूप पैसा भी भरवा सकेगा। अपनी जरूरत के मुताबिक पैसा रखकर इससे शॉपिंग भी की जा सकेगी। प्रधान प्रबंधक के मुताबिक यात्री इसका बेहतर फायदा उठा सकेंगे।

- एनसीएमसी कार्ड में अयोध्या काशीधाम दिखेगा
- ओपेन लूप सिस्टम से जुड़ी सभी प्रणालियों में हो सकेगा उपयोग
- जनवरी माह में आएगा, जरूरत के मुताबिक पैसा रखकर इससे शॉपिंग भी की जा सकेगी

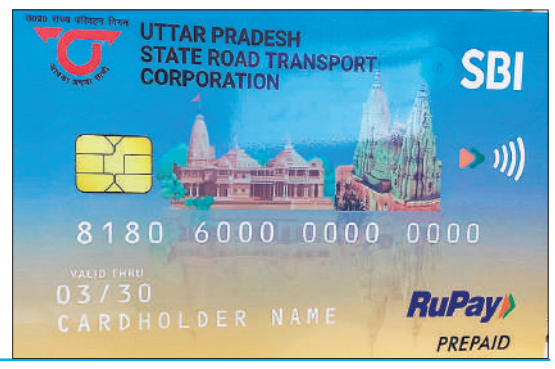

रोडवेज बसों के पूरे बेड़े में यात्री कर सकेंगे इस कार्ड का उपयोग

प्रदेश परिवहन निगम के पास अनुबंधित और स्वयं बसों का बेड़ा करीब 13,000 से अधिक है। इन सभी में यात्रा के दौरान इस कार्ड का उपयोग किया जा सकेगा। टिकट मशीनों में इसका इस्तेमाल किया जाएगा। चरणबद्ध तरीके से इसे लागू किया जाएगा। पहले चरण में लखनऊ और गाजियाबाद क्षेत्र में बतौर ट्रायल इसकी शुरुआत की जाएगी। इसके बाद पूरे प्रदेश में इसे लागू कर दिया जाएगा।

परिवहन निगम प्रबंधन इस कार्ड को अंतिम रूप दे चुका है। प्रदेश सरकार जनवरी माह से यह तोहफा यात्रियों को उपलब्ध कराने की तैयारी कर रही है। उद्घाटन के लिए मुख्यमंत्री से समय मांगा जा रहा है। इस एक कार्ड से यात्री अनेक फायदे ले सकेंगे।

-दयाशंकर सिंह, परिवहन मंत्री, उत्तर प्रदेश

यात्रियों के लिए परिवहन निगम का यह कैशलेस कार्ड काफी लाभप्रद होगा। इसका उपयोग यात्री मेट्रो, नगर बस, रोडवेज समेत तमाम सेवाओं में कर सकेंगे। राजधानी दिल्ली समेत देश के जिन प्रांतों में ओपेन लूप सिस्टम लागू है वहां भी इस कार्ड की उपयोगिता होगी। परिवहन मंत्री के निर्देश पर तैयारियां पूरी हो गई हैं।

-यजुवेंद्र कुमार, प्रधान प्रबंधक, आईटी एवं पीपीपी

ब्रीफ न्यूज

बाला जी मंदिर में लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण चोरी

श्रीगंगानगर। राजस्थान में श्रीगंगानगर के कोतवाली थाना क्षेत्र में सद्भावनानगर की फ्लोरिडोल कॉलोनी में स्थित मेहंदीपुर बालाजी मंदिर में रविवार को तड़के चोर लाखों रुपये के सोने चांदी के आभूषण और नकदी चुराकर ले गया। चोरों ने बालाजी की प्रतिमा से करीब सवा किलो चांदी के दो छत्रों को उखाड़ लिया। इसके अलावा मंदिर के अंदर कार्यालय में रखी लोहे की अलमारी को तोड़कर करीब नौ तोले सोने का एक हार, सोने का एक छत्र, चांदी के विभिन्न आकारों के कई छत्र, कुछ नकदी और बालाजी के दरबार में रखे दान-पात्र से चढ़ावा राशि चुरा ली। कुल मिलाकर इस चोरी का अनुमानित मूल्य 20 से 25 लाख बताया जा रहा है।

डोडा में आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के घने जंगल में रविवार को एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ कर एक राइफल और गोला-बारूद बरामद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने थाथरी के भल्लारा वन क्षेत्र में संयुक्त रूप से अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान जंगल के अंदर एक ठिकाने से एक राइफल, उसकी दो मैगजीन और 20 राउंड बरामद किए गए।

गोवा के नाइट क्लब में आग का कारण आतिशबाजी, मृतकों की संख्या हुई 25

डांस फ्लोर पर चलाए जा रहे थे इलेक्ट्रिक पटाखे, मृतकों में दो प्रदेश के निवासी

- डांस फ्लोर पर थे 100 पर्यटक, मरने वालों में 20 क्लब के कर्मचारी
- क्लब के महाप्रबंधक समेत चार गिरफ्तार, जांच कमेटी गठित

पणजी, एजेंसी

उत्तरी गोवा जिले में नाइट क्लब में जले हुए अवशेष मिले, जहां आधीरात के बाद आग लग गई थी।

गोवा के नाइट क्लब बर्च बाय रोमियो लेन में शनिवार आधी रात के बाद अचानक लगी आग आतिशबाजी के कारण लगी थी। इस आग में मरने वालों की संख्या 25 हो गयी है। मृतकों में 5 पर्यटक और 20 क्लब के कर्मचारी हैं। छह लोगों की हालत नाजुक है।

ये घटना उस समय हुई थी जब नाइट क्लब पर्यटकों से भरा हुआ था और डांस फ्लोर पर 100 से ज्यादा लोग मौजूद थे। रविवार को जारी हुई सूची के अनुसार आग में मारे गए पांच पर्यटकों में से चार दिल्ली के हैं, जिनमें एक ही परिवार के तीन सदस्य शामिल है। पांचवां पर्यटक कर्नाटक का है। मृतकों में से 20 नाइटक्लब के कर्मचारी हैं, जिनमें उत्तराखंड के पांच, नेपाल के चार, झारखंड और असम के तीन-तीन, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के दो-दो और पश्चिम बंगाल का एक व्यक्ति शामिल है। उत्तराखंड के मृतकों की पहचान जितेंद्र सिंह, सतीश सिंह, सुरेंद्र सिंह, सुमित नेगी और मनीष सिंह के रूप में हुई है। उत्तर प्रदेश के रोहन सिंह और सुनील कुमार भी शामिल हैं।

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि अंदर इलेक्ट्रिक पटाखे फोड़े गए थे, जिससे आग लगी। क्लब के मुख्य महाप्रबंधक राजीव मोदक, महाप्रबंधक विवेक सिंह, बार प्रबंधक राजीव सिंघानिया और द्वार प्रबंधक रियांशु ठाकुर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। क्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने राज्य के मुख्य सचिव डॉ. वी. कैंडावेलू और डीजीपी आलोक कुमार को दोषी सरकारी अधिकारियों की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने नाइट क्लब अग्निकांड की जांच के लिए समिति गठित की है। ये समिति एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट देगी। नाइटक्लब को अनुमति देने के लिए पंचायत निदेशक सहित तीन वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों को निलंबित भी किया गया है। यह नाइट क्लब राजधानी पणजी से लगभग 25 किलोमीटर दूर अरपोरा में स्थित है। पुलिस ने बताया कि मृतकों में 5 पर्यटक और 20 कर्मचारी शामिल हैं। इसी बीच सीएम ने घटना की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए हैं ताकि कारण का पता लगाया जा सके।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने अग्निकांड पर शोक जताया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई नेताओं ने इस घटना में लोगों की मौत पर दुख जताया। प्रधानमंत्री कार्यालय के एक बयान के अनुसार हादसे में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को पचास-पचास हजार रुपये दिए जाएंगे। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण कोष से प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को पांच लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा-

अलीगढ़-मुजफ्फरनगर में सबसे अधिक फर्जी वोट

अलीगढ़ जिलाधिकारी कार्यालय के सभागार में बैठक करते मुख्यमंत्री योगी।

- एसआईआर में देरी पर जताई नाराजगी
- संगठनात्मक बैठक से दूर रखे गए सरकारी अधिकारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अलीगढ़ में एसआईआर (वृहद मतदाता पुनरीक्षण) की धीमी प्रगति पर कड़ी नाराजगी जताते हुए साफ कहा कि प्रदेश में सबसे अधिक फर्जी वोट अलीगढ़ और मुजफ्फरनगर जिलों में मिले हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि जिन जिलों में मतदाता सूची में गंभीर अनियमितताएं दिख रही हैं। वहां विशेष सतर्कता बरती जाए और अंतिम समय सीमा नजदीक होने के कारण किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री की यह बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। जहां उन्होंने मंडलभर के भाजपा नेताओं और प्रमुख पदाधिकारियों के साथ रणनीतिक चर्चा की। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि मतदाता सूची के शुद्धिकरण का काम केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक पारदर्शिता की बुनियाद है। इसलिए संगठन के हर स्तर पर इस अभियान को गंभीरता से लेने की जरूरत है। योगी ने कार्यकर्ताओं को आगाह किया कि विपक्षी दल खामोशी के साथ मतदाता सूची के कार्य में पूरी ताकत से लगे हुए हैं। ऐसे में भाजपा कार्यकर्ताओं को भी शत-प्रतिशत क्षमता के साथ बूथ स्तर पर सक्रिय रहना होगा। मुख्यमंत्री विशेष रूप से अलीगढ़ शहर और कोल विधानसभा क्षेत्रों में देरी को लेकर नाराज दिखे। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से कहा कि दोनों क्षेत्रों में बोगस वोटों की संख्या अधिक होने के कारण विशेष निगरानी जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने अलीगढ़ मंडल के अलीगढ़, हाथरस, एटा और कासगंज जिले के विधायकों और वरिष्ठ पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि एसआईआर के शेष दिनों में टीम आधारित कार्य योजना बनाई जाए। उन्होंने बूथ स्तर पर 'सघन सत्यापन अभियान' चलाने को कहा।

1650 तक पहुंच गई इंडिगो की उड़ानें

मुंबई, एजेंसी

इंडिगो ने रद्द या अत्यधिक विलंबित उड़ानों के लिए अब तक 610 करोड़ रुपये के रिफंड की प्रक्रिया पूरी कर ली है और 3,000 नग सामान यात्रियों तक पहुंचा दिया गया है। सरकार ने बताया कि विमानन नेटवर्क तेजी से सामान्य स्थिति की ओर लौट रहा है और परिचालन पूरी तरह स्थिर होने तक सभी सुधारात्मक कदम लागू रहेंगे।

नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि इंडिगो अब तक 610 करोड़ रुपये का रिफंड की प्रक्रिया पूरी कर चुका है। यात्रा पुनर्निर्धारण में किसी भी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। यात्रियों की सहायता के लिए विशेष सहायता केंद्र बनाए गए हैं, ताकि रिफंड और दोबारा बुकिंग से जुड़े मुद्दों का त्वरित समाधान हो सके। इंडिगो की उड़ानें शुक्रवार को 706 से बढ़कर शनिवार को 1,565 हो गईं और रविवार को उड़ानों की संख्या 1,650 तक पहुंच गयी। इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के बोर्ड ने एक संकट प्रबंधन समूह का गठन किया है, जो हालात की निगरानी कर रहा है।

मां के आंचल में सो रहे चार माह के बच्चे को उठा ले गया भेड़िया

कैसरगंज(बहराइच)। कैसरगंज थाना क्षेत्र में स्थित गोड़हिया नंबर 3 के मजरे मल्लाहनपुरवा में शनिवार देर रात एक बजे घर में घुसकर भेड़िया मां के आंचल में सो रहे चार माह के बच्चे सुभाष को उठा ले गया। वनविभाग की टीम ग्रामीणों के साथ मिलकर सर्च अभियान चला रहीं हैं।

परिवार और ग्रामीण बच्चे की तलाश में जुटे हुए हैं। लेकिन अब तक उसका कोई पता नहीं चल सका है। ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में भेड़ियों का आतंक लगातार बढ़ रहा है। स्थानीय प्रशासन से इस समस्या पर तत्काल ध्यान देने की मांग की जा रही है। बहराइच वन प्रभाग के डीएफओ राम प्रकाश यादव का कहना है कि घटना के बाद से ही टीमें सर्च अभियान चला रही हैं पर अभी कोई सफलता नहीं मिली है। बता दें कि वन्यजीवों के हमले में अब तक दस लोगों की मौत हो चुकी है और 32 लोग घायल हुए हैं।

प्रसाद में मिली अंगूठी तो श्रीकृष्ण की मूर्ति से की शादी

संवाददाता, इस्लामनगर(बदायूं)

अमृत विचार : बदायूं का इस्लामनगर शनिवार रात एक अनोखे विवाह का गवाह बना। यहां एक युवती ने भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति के साथ सात फेरे लिए और वरमाला भी पहनाई। ग्रामीणों ने प्रसाद ग्रहण किया। रविवार सुबह विदाई हुई। युवती उसी गांव निवासी बहनोई के घर चली गई। परिजनों ने बताया वृंदावन में दर्शन के दौरान सोने की अंगूठी मिलने पर युवती ने कान्हा से शादी करने का संकल्प लिया था। वहीं पिंकी शर्मा वृंदावन जाकर श्रीकृष्ण की सेवा में अपना जीवन बिताना चाहती है।

इस्लामनगर थाना क्षेत्र के गांव ब्यौर कासिमाबाद निवासी पोस्ट ग्रेजुएट पिंकी शर्मा (28) ने शनिवार रात भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति के साथ हिन्दू रीति- रिवाज से विवाह किया। घर को सजाया गया था। युवती का बहनोई पक्ष बराती बना। सौ बराती कान्हा की मूर्ति के साथ आए। जिसके बाद गांव के प्राथमिक विद्यालय में मंडप में सात फेरे हुए। हवन-पूजन, मंत्र उच्चारण और विधि-विधान के साथ पिंकी शर्मा ने कान्हा की मूर्ति को वरमाला पहनाई। विवाह के दौरान दावत हुई। जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। रविवार को पिंकी शर्मा की विदाई हुई। वह कान्हा की मूर्ति लेकर बहनोई के घर चली गई। जहां द्वार पूजा हुई। पिंकी शर्मा ने कहा कि उन्हें कान्हा से बचपन से ही गहरा लगाव है। वह एक साल पहले दर्शन करने के लिए वृंदावन गई थीं। जहां प्रसाद के रूप में सोने की अंगूठी मिली, जो शुभ संकेत है।

श्रीकृष्ण की मूर्ति के साथ पिंकी।

विद्युत बिल राहत योजना में बढ़ा लाभ का दायरा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 31 मार्च के बाद भुगतान करने वाले बकाएदार भी होंगे लाभान्वित

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में विद्युत बिल राहत योजना में उपभोक्ताओं को मिलने वाले लाभ का दायरा और बढ़ा दिया गया है। ऐसे में अब 31 मार्च के बाद भुगतान करने वाले बकाएदार भी लाभान्वित होंगे। अधिकतम लोगों को राहत देने के मद्देनजर राज्य सरकार ने यह संवेदनशीलता दिखाई है।

दरअसल, ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के निर्देशों के क्रम में अब 30 नवंबर 2025 तक भुगतान करने वाले ऐसे सभी उपभोक्ताओं को भी विद्युत बिल राहत योजना में शामिल कर लिया गया है। इस निर्णय से बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा और उनकी आर्थिक बोझ में बड़ी कमी आएगी। पहले 31 मार्च के बाद आंशिक भुगतान कर चुके उपभोक्ताओं को इस योजना के दायरे से बाहर रखा गया था, जिससे अनेक उपभोक्ता योजना का लाभ नहीं ले पा रहे थे। जिलों के दौरे और विद्युत बिल राहत शिविरों के निरीक्षण के दौरान कई उपभोक्ताओं ने ऊर्जा मंत्री से आग्रह किया कि अप्रैल, मई, जून आदि महीनों में उन्होंने कुछ न कुछ भुगतान अवश्य किया है, फिर भी उनका काफी बकाया शेष है।

वन्यजीव

जंगल में इन दिनों पर्यटक न सिर्फ हाथी, गैंडे और बारहसिंघे देख रहे हैं, बाघों की झलक भी बार-बार देखने को मिल रही है

पर्यटकों को खूब भा रहे दुधवा-पीटीआर, हो रही बाघों की साइटिंग

संवाददाता, लखीमपुर/ पीलीभीत

अमृत विचार: दुधवा नेशनल पार्क और पीटीआर का नया पर्यटन सीजन शुरू होते ही बाघ प्रेमियों की किस्मत खूब चमक रही है। दुधवा पार्क के जंगल के हर कोने में इन दिनों पर्यटक न सिर्फ हाथी, गैंडे और बारहसिंघे देख रहे हैं, बल्कि खूबसूरत और ताकतवर बाघों की झलक भी बार-बार देखने को मिल रही है।

अब तक दर्जनों बार दिखा बाघ : दुधवा टाइगर रिजर्व प्रशासन के अनुसार, इस सीजन में अब तक दर्जनों बार बाघों, तेंदुओं और गैंडे जैसे दुर्लभ वन्यजीवों की साइटिंग हो चुकी है। वनकर्मी भी लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं ताकि पर्यटकों को रोमांचक अनुभव के साथ-साथ सुरक्षा का भी पूरा भरोसा मिल सके। दुधवा आने वाले सैलानियों के लिए यह बाघ दर्शन किसी जंगल सफारी बोनस से कम नहीं था। नजदीक से देखे गए इस शेर-ए-दुधवा की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जिससे पर्यटकों में दुधवा घूमने का उत्साह और बढ़ गया है।

दुधवा पार्क की द. सोनारीपुर रेंज में दिखे बाघ।

पीटीआर में शावकों संग अठखेलियां करती दिखी बाघिन

अमृत विचार : पीलीभीत टाइगर रिजर्व में भी सैलानियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। प्रकृति को करीब से निहारने एवं बाघों के दीदार करने के लिए सैलानी पहुंच रहे हैं। शनिवार शाम शावकों के साथ अठखेलिया करती बाघिन के दीदार होने पर सैलानी खासे उत्साहित दिखे। पीलीभीत टाइगर रिजर्व का पर्यटन सत्र बीते 1 नवंबर से शुरू किया गया था। बीते माह में 4500 से अधिक सैलानी पीलीभीत टाइगर रिजर्व पहुंचे थे। वहीं 30 दिन के अंदर 70 से अधिक विदेशी सैलानियों ने भी पीलीभीत टाइगर रिजर्व में दस्तक दी थी। रविवार को दिनभर में 300 से अधिक सैलानी टाइगर रिजर्व पहुंचे। महोफ रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी सहेंद्र यादव ने बताया कि रविवार को छुट्टी का दिन होने के कारण सैलानियों की संख्या में वृद्धि हुई है।

अमृत विचार

लखनऊ, सोमवार,8 दिसंबर 2025

सीएचसी में खून की जांचों के लिए 25 करोड़ जारी, सेवाएं होंगी बेहतर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- रियेजेंट और उपकरणों की उपलब्धता से ग्रामीण क्षेत्रों में मरीजों को मिलेगी राहत

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों (सीएचसी) में खून संबंधी जांचों के लिए आवश्यक रियेजेंट और अन्य संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए 25 करोड़ रुपये का बजट जारी किया है। इससे सरकारी अस्पतालों में पैथोलॉजी सेवाएं और अधिक सुदृढ़ होंगी तथा मरीजों को जांचों में किसी प्रकार की बाधा नहीं आएगी।

संयुक्त सचिव आनंद कुमार राय द्वारा बजट से संबंधित शासनादेश जारी किए जाने के बाद स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. रतन पाल सिंह सुमन ने बताया कि प्रदेश के 975 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर मरीजों को गुणवत्ता युक्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर उपचार सुनिश्चित करने में पैथोलॉजी की अहम भूमिका होती है, जहां एक पैथोलॉजी में लगभग 150 से अधिक प्रकार की खून की जांचें उपलब्ध रहती हैं। यानी विभिन्न बीमारियों के अलग-अलग जांच करायी जाती हैं।

स्वास्थ्य महानिदेशक ने बताया कि निजी कंपनियों द्वारा विभिन्न जांचों के लिए प्रयोग किए जाने वाले करीब 150 प्रकार के रियेजेंट उपलब्ध कराए जाते हैं, जिनकी खरीद अस्पताल प्रशासन को स्वयं करनी होती है। सरकार द्वारा जारी किए गए बजट से अब इन रियेजेंट और अन्य आवश्यक सामग्री की खरीद सुचारु रूप से होती रहेगी, जिससे मरीजों को सभी रक्त जांचें बिना किसी रुकावट के मिलती रहेंगी। इससे विभिन्न बीमारियों से पीड़ित मरीजों की जांच समय पर हो सकेगी तथा उपचार प्रक्रिया में तेजी आएगी।

एसआईआर में गहनता से हो जांच : रिणवा

अमृत विचार, लखनऊ : चुनाव आयोग ने एसआईआर अभियान में लगे बीएलओ को अनुपस्थित, शिफ्टेड और मृत मतदाताओं का एक बार फिर से अपने स्तर पर गहन जांच कर लेने के निर्देश दिए हैं। इस कार्य में राजनीतिक दलों से नियुक्त बीएलए का भी सहयोग लेने के निर्देश हैं। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रदेश में चल रहे एसआईआर के कार्यों में प्रगति तेज है। उन्होंने अपील की है कि राजनीतिक दल भी बूथों पर नियुक्त बीएलए को अपने स्तर से सहयोग करने के लिए निर्देशित करें, जिससे प्रदेश की आलेख्य मतदाता सूची में पात्र मतदाताओं के नाम दर्ज हो सकें।

प्रदेश के परिवहन ढांचे में आएगा बड़ा बदलाव

सरकार का 'सुरक्षित सड़क मिशन' तेज, हाई रिस्क जिलों में इंटीग्रेटेड इलेक्ट्रॉनिक निगरानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सड़क सुरक्षा को लेकर सरकार ने अब जमीनी बदलाव की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ाए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर परिवहन विभाग और यातायात निदेशालय ने अत्याधुनिक तकनीक आधारित ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लागू करने की तैयारियों को हरी झंडी दे दी है। मुख्य सचिव की बैठक में कई महत्वपूर्ण पूंजीगत और राजस्व योजनाओं को मंजूरी मिल गई है।

इस कवायद से प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं में कमी और ट्रैफिक अनुशासन में बड़े सुधार की उम्मीद की जा रही है। राजधानी सहित अन्य प्रमुख शहरों में ट्रैफिक मॉनिटरिंग को डिजिटल रूप देने के प्रयास तेज हैं। लखनऊ के महत्वपूर्ण चौराहों पर इंटीग्रेटेड सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए 4.96 करोड़ रुपये, जबकि मुरादाबाद और बलिया में 3.10 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इन कैमरों से न केवल नियम उल्लंघन की निगरानी होगी, बल्कि शहरों में रीयल-टाइम ट्रैफिक कंट्रोल, दुर्घटनाओं में त्वरित प्रतिक्रिया और अपराध रोकथाम में भी मदद मिलेगी।

नियम उल्लंघन पर स्वत: ई-चालान

सड़क हादसों पर नियंत्रण योगी सरकार की शीर्ष प्राथमिकता में है। इसी लक्ष्य से डीआरएससी मॉडल पर आधारित इलेक्ट्रॉनिक इंफोर्समेंट डिवाइस लगाने के लिए 25 हाई रिस्क जिलों को 1-1 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। शेष जनपदों के लिए 50 लाख रुपये प्रति जिले की दर से अतिरिक्त 25 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। इन उपकरणों के जरिए ओवरस्पीडिंग, ओवरलोडिंग, रेड लाइट जंपिंग और गलत दिशा में वाहन चलाना जैसे नियम उल्लंघन पर स्वत : ई-चालान जारी होंगे।

इंटरसेप्टर वाहनों से बढ़ी सख्ती

परिवहन राज्य मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि पिछले वित्त वर्ष में स्वीकृत 19 .95 करोड़ रुपये में से 70 इंटरसेप्टर वाहनों की खरीद हो चुकी है। ये वाहन अब हाईवे और शहरों के प्रमुख मार्गों पर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही, 18 के-इन-मोशन सेंसरों की स्थापना के लिए 14 .05 करोड़ रुपये स्वीकृत हैं, जिससे ट्रकों की ओवरलोडिंग पर सटीक कार्रवाई होगी।

न्यूज ब्रीफ

ग्रामीण बैंक के मैनेजर व चपरासी पर एफआईआर

अमृत विचार, लखनऊ : सीबीआई की एंटी करप्शन ब्यूरो ने ग्रामीण यूपी बड़ौदा बैंक के प्रबंधक व चपरासी के खिलाफ रिश्वत मांगने की रिपोर्ट दर्ज की है। इस मामले में आजमगढ़ के गहाजी निवासी किसान ने शिकायत की थी। जांच में आरोप सही पाये जाने के बाद सीबीआई ने कार्रवाई की है। सीबीआई अधिकारी के मुताबिक आजमगढ़ के गहाजी निवासी विशाल कुमार ने शिकायत की थी। जिसमें आरोप लगाया कि आजमगढ़ स्थित ग्रामीण यूपी बड़ौदा बैंक की दुर्वाषा शाखा से उन्होंने 2 .52 लाख रुपये का केसीसी सीमा का आवेदन किया था। इसे मंजूरी दे दी गई। इसकी पहली किस्त उनके खाते में आ गई। इसके बाद बैंक के शाखा प्रबंधक ने अपने चपरासी विश्राम के माध्यम से ऋण राशि के 10 प्रतिशत की दर से 25 हजार रुपये की रिश्वत मांगी। पीड़ित ने इसकी शिकायत की तो जांच में सामने आया कि बैंक के शाखा प्रबंधक के चपरासी द्वारा मांगे जाने वाली रिश्वत की पुष्टि हुई।

प्रोग्रेसिव खेती के टिप्स देंगे मास्टर ट्रेनर्स

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार अब किसानों को आय का साधन और प्रोग्रेसिव खेती की टिप्स देने को मास्टर ट्रेनर्स तैयार करने जा रही है। ये मास्टर ट्रेनर्स किसानों के बीच से ही विकसित किए जाएंगे। इसके लिए बकायदा अभियान चलेगा, जिसमें कृषि क्षेत्र में हो रहे नवाचार को अपनाकर मिट्टी की गुणवत्ता को बनाए रखते हुए कम लागत में अधिक लाभ कमाने का हुनर सिखाया जाएगा। अभियान सोमवार से ही शुरू हो जाएगा, जिसके तहत मास्टर ट्रेनर्स की ट्रेनिंग वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से होगी। बाद में जिलास्तरीय ट्रेनर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम 9 से 10 दिसंबर के बीच चलेगा।

जिलाधिकारियों को पेंशनर्स देंगे ज्ञापन

अमृत विचार, लखनऊ : पेंशनर्स दिवस (17 दिसंबर) को प्रदेशभर के पेंशनर्स जिला मुख्यालयों पर एकजुट होकर जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को ज्ञापन सौंपेंगे। इस ज्ञापन में आठवें केंद्रीय वेतन आयोग की शर्तों में पेंशन पुनरीक्षण को कर्मचारियों के वेतन-भत्तों की तर्ज पर शामिल किए जाने की मांग प्रमुख रूप से रखी जाएगी। यह घोषणा संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति उत्तर प्रदेश ने की है। समिति के संयोजक एनपी त्रिपाठी और सह संयोजक क्षमा नाथ दुबे ने रविवार को बताया कि केंद्र सरकार द्वारा 3 नवंबर 2025 को जारी अधिसूचना में आठवें वेतन आयोग के विचार-बिन्दुओं में पेंशनरों की पेंशन बढ़ोतरी से संबंधित मुद्दा शामिल नहीं है। चूंकि केंद्र के समान आधार पर ही सुविधाएं स्वीकृत होती हैं, इसलिए यह बिंदु शामिल न होने से पेंशनरों में असंतोष व्याप्त है।

प्रदेश में घने कोहरे की चेतावनी

लखनऊ, कानपुर, बाराबंकी, अयोध्या समेत कई जिलों में सुबह छा सकता कोहरा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश के कई शहरों में 10, 11 और 12 दिसंबर को घने कोहरे की चेतावनी जारी की है। इस दौरान लखनऊ, कानपुर, इटावा, आगरा, बाराबंकी और अयोध्या समेत कई जिलों में सुबह के समय घना कोहरा छा सकता है। इस बीच मौसम तेजी से करवट ले रहा है।

मौसम विभाग ने का अलर्ट है कि देश के 10 बड़े शहरों में घने कोहरे से सुबह के समय वाहन चालकों की मुश्किलें बढ़ेंगी। इनमें कई शहर यूपी के भी हैं। लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर, आगरा, टुंडला में घना कोहरा पड़ने जा रहा है। खासकर एक्सप्रेस-वे और हाई-वे पर सुबह या शाम को चलने वाले वाहन चालकों को सतर्क रहने की हिदायत जारी की गई है। पहाड़ी राज्यों में भी बर्फबारी का अलर्ट है, जिससे यूपी में शीतलहर बरकरार रहेगी।

बरेली में सामान्य से 3.5 डिग्री कम तापमान

हल्की हवा चलने की वजह से दो दिन से बरेली में ठंडक बढ़ गई है। रविवार की सुबह घने कोहरे से दिन की शुरुआत हुई। शहर में न्यूनतम तापमान सामान्य से 3 .5 डिग्री कम रहा। जो ठंडक बढ़ने का कारण रहा है। आंचलिक मौसम विज्ञान के अतुल कुमार के अनुसार न्यूनतम तापमान 7 .4 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 21.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

ताज का सौंदर्य...

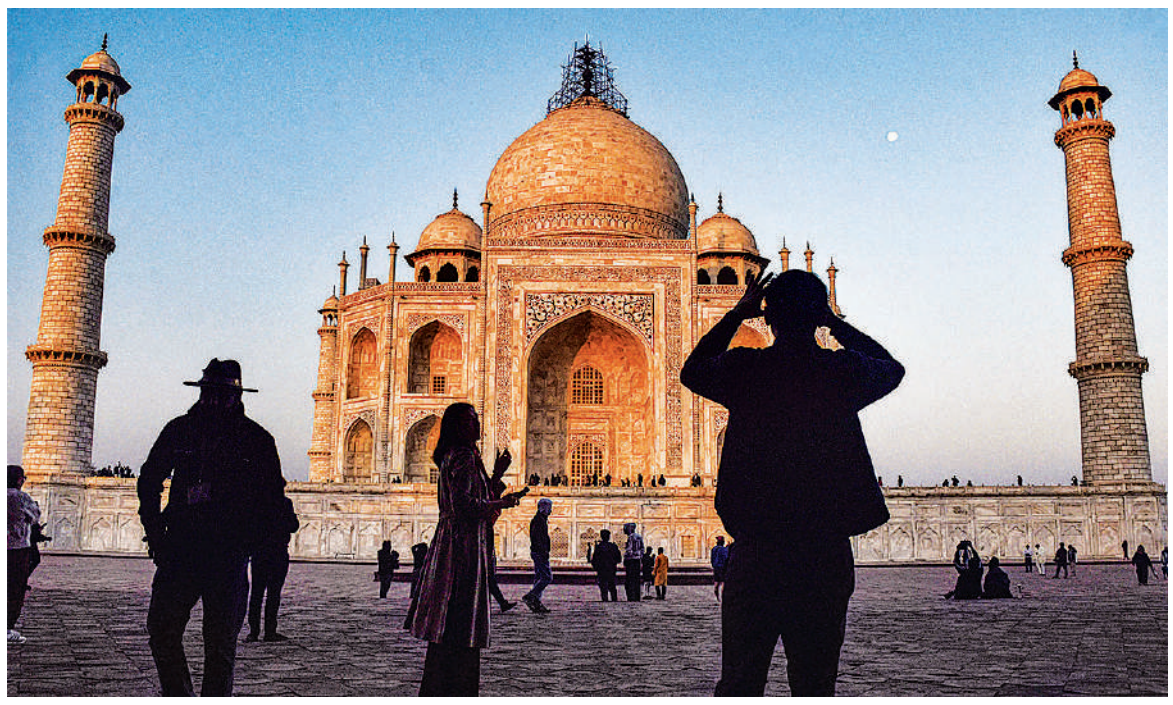

आगरा में सुबह की लालिमा में ताजमहल का दीदार करते पर्यटक। ● एजेंसी

यूपी की पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने को महाराष्ट्र में मिलेगा गुरुमंत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 29 जिलों से चुने प्रतिनिधि जाएंगे महाराष्ट्र, सीखेंगे पंचायतों में नई तकनीक से विकास

अमृत विचार : उप्र. की पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने का गुरुमंत्र महाराष्ट्र से मिलेगा। राज्य के 23 जिलों से कुल 29 ऐसे प्रतिभागियों का चयन किया गया है, जो महाराष्ट्र रवाना हो चुके हैं और वहां 11 दिसंबर तक पंचायतों में नई तकनीक के साथ विकास करने की बारीकियां सीखेंगे।

नवाचार मॉडल की बारीकियां सीखने के बाद ये प्रतिनिधि उत्तर प्रदेश लौटेंगे और फिर प्रति ग्राम पंचायत किसान पाठशाला लगेगी। इस पाठशाला में 80 से 100 किसान प्रतिभाग करेंगे, जिनके बीच प्रतिनिधि सीखे गए मॉडल्स को उनके गांवों में लागू करने के उपाय और रास्ते सुझाएंगे।

महाराष्ट्र में ऐसे हजारों गांव हैं, जहां उनके सफल मॉडलों के कारण ग्रामीणों ने अपने बल पर गांवों को नई दिशा दी है। पंचायती राज विभाग की इस पहल का मूल उद्देश्य उत्तर प्रदेश की पंचायतों को अधिक सक्षम, आत्मनिर्भर और नवाचारी बनाने का है।

महाराष्ट्र दौरे में यूपी के चुनिंदा विजिटर्स को उन पंचायतों में ले जाया जाएगा, जहां स्वच्छता प्रबंधन, अपने बूते आय के संसाधन बनाना, सामाजिक उद्यमिता, बायोगैस-आधारित ऊर्जा मॉडल और सामुदायिक सहभागिता जैसी एडवांस कार्यसंस्कृति विकसित है। ऐसे में यूपी विजिटर्स वहां के ग्राम पंचायतों में हो रहे उत्कृष्ट व सफल मॉडल्स को अपने क्षेत्रों में लागू कर सकेंगे।

> विश्वास है कि महाराष्ट्र का अनुभव हमारे युवाओं, प्रतिनिधियों और अधिकारियों की सोच को व्यापक बनाएगा। ऐसे में यूपी की पंचायतें नवाचार आधारित विकास की ओर और तेज़ी से अग्रसर होंगी।
>
> – ओमप्रकाश राजभर
> पंचायती राज मंत्री

> हमारे लोगों के लिए सीख, अनुभव और नेतृत्व विकास का अनोखा अवसर है। वहां से मिली जानकारी को वे अपने-अपने ग्राम पंचायतों में लागू करेंगे और वहीं से एक नई विकास यात्रा आगे बढ़ेगी।
>
> –अमित कुमार सिंह, निदेशक
> पंचायती राज विभाग

33 जिलों में 14 से चलेगा सघन पोलियो अभियान

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के 33 प्राथमिकता वाले जिलों में 14 से 22 दिसंबर तक सघन पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा, जिसके तहत शून्य से पांच वर्ष तक के 1.33 करोड़ बच्चों को पोलियोरोधी खुराक दी जाएगी। अभियान के पहले दिन 44,726 बूथ स्थापित होंगे, जबकि इसके बाद 29,360 टीमें घर-घर जाकर बच्चों को दवा पिलाएंगी। वहीं, लखनऊ में 7.03 लाख बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य है।

राज्य प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. अजय गुप्ता ने बताया कि उप्र. को पोलियो मुक्त हुए 15 वर्ष हो चुके हैं और राज्य में आखिरी पोलियो का मामला 21 अप्रैल 2010 को फिरोजाबाद में मिला था। उन्होंने कहा, पड़ोसी देशों में अब भी पोलियो के मामले पाए जाने के कारण सावधानी जरूरी है। दूरस्थ क्षेत्रों में पहुंच सुनिश्चित करने के लिए 2,750 ट्रांजिट और 1,746 मोबाइल टीमें लगाई जाएंगी। नेपाल सीमा पर विशेष सतर्कता के तहत 30 टीकाकरण पोस्ट भी बनाए गए हैं।

इन जनपदों में बच्चों को पिलाई जाएगी दवा

आगरा, अंबेडकर नगर, अमेठी, अयोध्या, बदायूं, भदोही, बांदा, चंदौली, इटावा, फिरोजाबाद, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, गाजीपुर, हमीरपुर, हाथरस, जालौन, जौनपुर, झांसी, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, कासगंज, कुशीनगर, ललितपुर, लखनऊ, महोबा, मऊ, मथुरा, मिर्जापुर, पीलीभीत, सोनभद्र, उन्नाव और वाराणसी।

यहियागंज गुरुद्वारे का होगा कायाकल्प, 2 करोड़ रुपये मंजूर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : पर्यटन विभाग राजधानी स्थित ऐतिहासिक यहियागंज गुरुद्वारे का पर्यटन विकास करने जा रहा है। गुरुद्वारे के धार्मिक महत्व, सामुदायिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखते हुए दो करोड़ रुपये से इसके कायाकल्प की योजना तैयार की गई है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने रविवार को जारी बयान में बताया कि सिखों के नौवें गुरु गुरु तेग बहादुर और दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह की स्मृतियों से जुड़े इस गुरुद्वारे का समग्र विकास सरकार की प्राथमिकता में है। इस ऐतिहासिक स्थल को पर्यटन मानचित्र पर विशेष पहचान दी जाएगी, जिससे आने वाली पीढ़ियां इसे निकट से जान सकें। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पर्यटन स्थल विकास मद से दो करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस बजट से गुरुद्वारे आधुनिक सुविधाओं के विकास, सौंदर्यीकरण, आगंतुक सुविधा केंद्र और सुगम पहुंच व्यवस्था पर व्यय किया जाएगा।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि यहियागंज गुरुद्वारा सिख इतिहास की अमूल्य धरोहर है। वर्ष 1670 में गुरु तेग बहादुर पटना से आनंदपुर साहिब जाते समय तीन दिन यहां ठहरे थे। वहीं 1672 में गुरु गोविंद सिंह ने भी दो महीने से अधिक समय तक इसी स्थल पर प्रवास किया था। तब से यह स्थान सिख समुदाय के लिए धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक महत्व का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

मतदाता सूची की अनियमितताओं की हो जांच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार : सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर विभिन्न जिलों में मतदाता गणना प्रपत्रों में हो रही अनियमितताओं पर गंभीर चिंता जताई है। पार्टी की तरफ से उन्होंने मांग की है कि इन मामलों में तत्काल जांच कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि एसआईआर प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से संपन्न हो सके।

प्रदेश अध्यक्ष ने रविवार को निर्वाचन आयोग को दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि अमेठी, गौरीगंज विधानसभा में कुल 389 मतदेय स्थलों में से 110 केंद्रों पर 80 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं के गणना प्रपत्र थर्ड ऑप्शन में भेज दिए गए हैं। पार्टी का कहना है कि सही विवरण जमा करने के बाद भी इन मतदाताओं को अनावश्यक नोटिस देकर दस्तावेजों की मांग की जा रही है, जिससे भ्रम और परेशानी बढ़ रही है। प्रयागराज, कोरांव विधानसभा तथा प्रयागराज, शहर पश्चिमी में भी इसी तरह की शिकायतें सामने आई हैं। जिसके कारण कई मतदाताओं के नाम सूची से गायब हो गए हैं। शामली, थानाभवन में वितरण कार्य अधूरा बताया गया है। कई मतदाताओं को गणना प्रपत्र नहीं मिला और मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर भी इन मतदेय स्थलों की जानकारी बंद बताई गई है।

जोड़ने के बजाय वोट कटवा रही भाजपा

अमृत विचार, लखनऊ : अखिलेश यादव ने एसआईआर को लेकर कहा कि चुनाव आयोग का कार्य ज्यादा से ज्यादा लोगों का वोट बनवाने के लिए होना चाहिए, लेकिन इधर देखा जा रहा है कि वोट काटा जा रहा है। भाजपा उत्तर प्रदेश में हार गई है, इसीलिए वोट काटा जा रहा है। जो स्थिति है, उससे हमारा अनुमान है कि दो करोड़ से तीन करोड़ लोगों का वोट कटेगा। जनता अपने वोट जुड़वाने के लिए कागज ढूंढ रही है। बड़े पैमाने पर लोगों के वोट काटे जा रहे हैं। सपा प्रमुख ने रविवार को सहारनपुर में मीडिया से बात करते हुए कहा कि भाजपा भावनाओं की राजनीति कर सरकार चला रही है। भाजपा सरकार संविधान से नहीं चल रही है।

बढ़ते कदम | 1038 .27 मेगावॉट क्षमता से बढ़ी ऊर्जा आत्मनिर्भरता

यूपी में तीन लाख सोलर प्लांट लगाने का रिकॉर्ड

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 2074 करोड़ रुपये सब्सिडी से उपभोक्ताओं को मिली राहत

अमृत विचार : नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश ने बड़ा मुकाम हासिल करते हुए तीन लाख से अधिक सोलर प्लांट इंस्टॉल करने का रिकॉर्ड बनाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व का परिणाम है कि राज्य सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अब देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो चुका है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, यूपी ने 3,00,654 सोलर इंस्टॉलेशन के साथ ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में लंबी छलांग लगाई है। इस उपलब्धि ने ग्रामीण से लेकर शहरी उपभोक्ताओं तक ऊर्जा के नए विकल्प और आर्थिक राहत दोनों पहुंचाई हैं।

प्रदेश में अब तक 983,915 आवेदनों में से तीन लाख से अधिक इंस्टॉलेशन पूरे हो चुके हैं। राज्य की कुल सौर उत्पादन क्षमता बढ़कर 1038.27 मेगावॉट तक पहुंच गई है, जिससे लाखों परिवार स्वच्छ, किफायती और लगातार उपलब्ध रहने वाली ऊर्जा का लाभ उठा रहे हैं। योगी सरकार द्वारा अब तक 2074.53 करोड़ रुपये की सब्सिडी जारी की जा चुकी है,

जिससे उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ काफी कम हुआ है और सोलर प्लांट लगाने की रुचि लगातार बढ़ती जा रही है। इस मामले में गुजरात और महाराष्ट्र ही यूपी से आगे हैं, जिससे उत्तर प्रदेश का स्थान देश के शीर्ष सौर ऊर्जा राज्यों में पक्का हो गया है।

पिछले आठ वर्षों में योगी सरकार ने नवीकरणीय ऊर्जा को शासन की प्राथमिकताओं में शामिल करते हुए डिजिटल मॉनिटरिंग, समयबद्ध इंस्टॉलेशन और पारदर्शी प्रक्रियाओं पर जोर दिया है। पीएम सूर्यघर योजना और राज्य की नई सौर नीति ने बड़े पैमाने पर आधारभूत ढांचा तैयार किया, जिससे सौर ऊर्जा उद्योग के प्रति उपभोक्ताओं और निवेशकों दोनों का भरोसा बढ़ा है।

इस उपलब्धि का सबसे बड़ा असर ग्रामीण क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है। गांवों में बिजली बिलों में उल्लेखनीय कमी आई है और कई परिवार अतिरिक्त ऊर्जा ग्रिड को बेचकर अपनी आय में भी बढ़ोतरी कर रहे हैं।

मानवतावादी संविधान सही भावना से लागू हो

अमृत विचार, लखनऊ : देश की वर्तमान परिस्थितियों को लेकर बसपा प्रमुख मायावती ने चिंता जताते हुए केंद्र सरकार को निशाने पर लिया।

सुझाव देते हुए उन्होंने कहा कि इन समस्याओं का समाधान तभी संभव है, जब बाबा साहेब के मानवतावादी और कल्याणकारी संविधान को सही भावना से लागू किया जाए। बसपा प्रमुख ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर डॉ. आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर लखनऊ और नोएडा में स्थित स्मारकों पर श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे लाखों कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

18,568 स्टार्टअप से बढ़ी तरक्की

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी सरकार की नीतियों से इनोवेशन, निवेश और उद्यमिता को नई उड़ान

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज स्टार्टअप इकोसिस्टम के मामले में देश के सबसे तेजी से बढ़ते राज्यों में शामिल है। 18,568 स्टार्टअप के जरिए महिलाओं-युवाओं की तरक्की से इनोवेशन, निवेश और उद्यमिता को नई उड़ान मिली है।

उद्योग-अनुकूल नीतियों, मजबूत कानून-व्यवस्था और आईटी सेक्टर के विस्तार ने प्रदेश को युवा उद्यमियों के लिए आकर्षक गंतव्य बना दिया है। राज्य सरकार का लक्ष्य युवाओं को जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर बनाना है और स्टार्टअप की बढ़ती संख्या इस दिशा में उपलब्धियों को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। वर्तमान में प्रदेश में 18,568 स्टार्टअप सक्रिय हैं, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी, एग्री-टेक, स्वास्थ्य, फिनटेक, ई-कॉमर्स और अन्य उभरते क्षेत्रों में नवाचार कर रहे हैं। करीब 8,000 स्टार्टअप महिलाओं द्वारा संचालित हैं, जो प्रदेश में महिला उद्यमिता के तेजी से विस्तार का प्रमाण है।

योगी सरकार की स्टार्टअप नीति ने युवाओं को आइडिया चरण से लेकर उत्पाद निर्माण और बाजार उपलब्धता तक हर स्तर पर सहयोग प्रदान किया है। निरंतर बढ़ रहे इनक्यूबेशन सेंटरों ने स्टार्टअप्स को तकनीकी मार्गदर्शन, मेंटरशिप, फंडिंग एक्सेस और नेटवर्किंग का मजबूत आधार दिया है। विश्वविद्यालय और तकनीकी संस्थान भी अब नवाचार और रिसर्च के प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहे हैं, जहां से नए स्टार्टअप्स की एक पूरी पीढ़ी सामने आ रही है।

आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में निवेश बढ़ने से यूपी का स्टार्टअप परिदृश्य और पुख्ता हुआ है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा, लखनऊ, कानपुर और गोरखपुर अब तकनीकी स्टार्टअप्स के बड़े केंद्र बन चुके हैं। आईटी पार्कों और डेटा सेंटर्स के विकास ने वैश्विक कंपनियों को भी उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित किया है।

न्यूज ब्रीफ

बाबू बनारसी दास वार्ड में तीन परियोजनाओं का शिलान्यास

अमृत विचार, लखनऊ : महापौर सुषमा खर्कवाल ने रविवार को अभियंत्रण खंड 1 के बाबू बनारसी दास वार्ड में 3 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। जौहरी मेहतर, गंढैय और हुसैनगंज की विभिन्न गलियों में 15वें वित्त आयोग से 25 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण और सुधार कराया जाएगा। माता सुग्गा देवी मार्ग उदयगंज तिराहा से प्राथमिक विद्यालय तक जलनिकासी व्यवस्था के लिए निर्माण कार्य का अवस्थापना मद की 68 .27 लाख रुपये की धनराशि से कराया जाएगा। इसके अलावा पुराना किला स्थित महावीर पुरी क्षेत्र में नाले की 77 .35 लाख रुपये से आरसीसी दीवार निर्माण अवस्थापना मद से कराई जाएगी। शिलान्यास कार्यक्रम में पार्षद दल उपनेता सुशील तिवारी ' 'पम्मी' ', पार्षद आशीष हितैषी, मंडल अध्यक्ष मानस बाहरी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

किशोरी से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, निगोहां : निगोहां के एक गांव की 13 साल की किशोरी से दुष्कर्म करने वाले आरोपी रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसओ निगोहां अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि इलाके की रहने वाली एक महिला ने रविवार को शिकायत की। बताया कि शुक्रवार की सुबह 11 बजे उसकी 13 वर्ष की बेटी को धनवारा निवासी शोभित बहलाकर अपने साथ ले गया। एसओ निगोहां के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर तलाश शुरू कर दी। रविवार को रामपुरगढ़ी के पास से आरोपी को गिरफ्तार किया गया। अपहृता द्वारा अपने बयान में आरोपी शोभित द्वारा उसके साथ बलात्कार किये जाने की बात बताई। एसओ निगोहां अनुज कुमार तिवारी के अनुसार किशोरी को डॉक्टरी परीक्षण हेतु भेजा गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

टैंकर में घुसी कार पांच घायल

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बंथरा में शनिवार देर रात को एक कार आगे चल रहे टैंकर में जा घुसी। हादसे में एक ही परिवार के पांच सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गये। हादसे के कारण लखनऊ–कानपुर हाइवे पर अफरा–तफरी का माहौल बन गया। चीखपुकार सुनकर राहगीरों ने किसी तरह बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस के मुताबिक कानपुर के आर्यनगर निवासी प्रियांशु गुप्ता अपनी पत्नी राधिका, बहन मानसी और बच्चों संस्कृति व सार्थक के साथ अयोध्या दर्शन करने गये थे। शनिवार रात कार से वापस कानपुर जा रहे थे।

कार सवार पर फायरिंग, एफआईआर

अमृत विचार, माल : माल के बीरपुर गांव से दोस्त को घर छोड़कर वापस जा रहे चंद्रसेन पर दर्जनों ने लोगों ने हमला कर दिया। उसकी पिटाई की। आरोप है कि हमलावरों ने फायरिंग की है। मामला रंजिश का बताया जा रहा है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मसीढ़ा रतन निवासी चन्द्रसेन के मुताबिक, शनिवार की रात्रि लगभग साढ़े नौ बजे वीरपुर निवासी मित्र आकाश को घर छोड़कर वापस घर जा रहे थे। तभी गांव के बाहर झिनगी के पास पहले से घात लगाए शेखर सिंह अपने दो पुत्र चंद्रप्रताप व सूर्य प्रताप सहित दर्जनों अज्ञात साथियों के साथ मिलकर हमला कर दिया। आरोपियों ने असलहे की बट व लात घुसों से जमकर पिटाई कर दी।

पेड़ से लटका मिला लकड़ी ठेकेदार का शव

जूते में मिले अलग राइटिंग के दो पत्र, दो लाख वसूलने का आरोप

संवाददाता, काकोरी

- सचिवालय में तैनात सिपाही पर प्रताड़ना की बात लिखी
- पुलिस ने दोनों पत्रों को हैंड राइटिंग एक्सपर्ट से जांच के लिए एफएसएल भेजा

अमृत विचारः पारा के मोहान रोड स्थित खुशहालगंज में लकड़ी ठेकेदार ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। रविवार सुबह आम के बाग में उनका शव लटका मिला। जूते में अलग-अलग हैंड राइटिंग के दो पत्र मिले। एक पत्र में सचिवालय में तैनात एक सिपाही पर प्रताड़ना का आरोप था। वहीं, दूसरे पत्र में दो लाख रुपये वसूलने और जेल भेजने की धमकी का आरोप लगाया है। पुलिस ने दोनों पत्रों को हैंड राइटिंग एक्सपर्ट से जांच के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेजा है।

वहीद

खुशहालगंज निवासी वहीद खान (55) लकड़ी की ठेकेदारी करते थे। परिवार में पत्नी हनीफा, दो बेटे शोएब, उबैश और दो बेटियां आफरीन व जुबैदा हैं। बेटे शोएब ने बताया कि पिता वहीद रोजाना की तरह रविवार तड़के करीब चार बजे घर से निकले थे। सुबह जब आंख खुली तो पिता घर पर नहीं थे। करीब 12 बजे तक न आने पर परिजन ने खोजबीन शुरु की। इसी बीच दोपहर करीब एक बजे गांव के कल्लू बाग में बकरी चरा रहे थे। कल्लू ने वहीद का शव पेड़ से फंदे पर लटका देखकर सूचना दी।

जानकारी मिलते ही घरवाले मौके पर पहुंचे। परिजन ने वहीद को फंदे से उतारकर अस्पताल पहुंचाया, वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम की मदद से घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। छानबीन के दौरान पुलिस को वहीद खान के जूतों से दो पत्र मिले। इंस्पेक्टर पारा सुरेश कुमार सिंह ने बताया कि दोनों पत्रों में हैंड राइटिंग अलग-अलग थी।

पत्र में सचिवालय में तैनात एक सिपाही पर प्रताड़ना का आरोप की बात लिखी थी। लिखा था कि कुछ दिन पूर्व सिपाही ने दो लाख रुपये की मांग की थी। धमकाकर दो लाख रुपये भी वसूल लिए थे। इसके बाद भी जेल भेजने की धमकी दे रहा था। सचिवालय में तैनाती और ऊंची पहुंच का हवाला देकर धमकी देता था। इंस्पेक्टर ने बताया कि परिवार ने अभी तक कोई भी लिखित तहरीर नहीं दी है। जिस सिपाही पर आरोप लगे हैं, उसे बयान दर्ज कराने के लिए सोमवार को थाने पर बुलाया गया है।

ग्रामीण बोले- पढ़े लिखे नहीं थे वहीद

इंस्पेक्टर ने बताया कि ग्रामीणों से बात की गयी तो पता चला कि वहीद पढ़े लिखे ही नहीं थे। दोनों पत्रों की लिखावट भी अलग-अलग है। हैंड राइटिंग एक्सपर्ट की जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीद के हिसाब किताब या लिखावट के संबंध में परिवार से दस्तावेज मांगे गए हैं। मिलने के बाद उन्हें भी जांच के लिए भेजा जाएगा।

सिपाही के कारण देना पड़ा था जुर्माना

पत्नी हनीफा ने बताया कि दिसंबर 2024 में पति वहीद उन्नाव के औरास में लकड़ी कटान का काम करा रहे थे। उस समय वही सिपाही वहां तैनात था। सिपाही ने मौके पर वहीद को पकड़ा। सारे पेपर और आदेश कॉपी होने के बाद भी सिपाही ने पति वहीद की शिकायत कर दी थी। फर्जी आरोप लगाकर पति के खिलाफ कार्रवाई करा दी थी। वन विभाग की ओर से वहीद पर 80 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया था।

नाके से ऐशबाग ईदगाह जाने वाली रोड की टूटी रेलिंग।

ऐशबाग डीएवी कॉलेज से राणा प्रताप चौराहे की ओर जाने वाले पुल की टूटी सुरक्षा दीवार।

ऐशबाग रोड के रेलवे पुल के ऊपर लगी टूटी जाली।

कोई है...जो पुल पर सुरक्षा की ओर ध्यान दे...

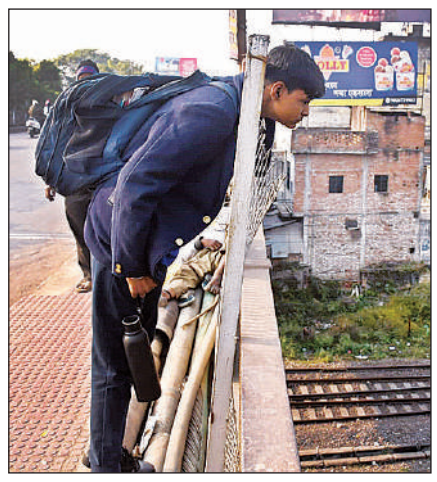

ऐशबाग रोड के रेलवे पुल के ऊपर लगी टूटी जाली से झांकता छात्र।

अमृत विचार : ऐशबाग उपरिगामी सेतु की सुरक्षा रेलिंग का एक बड़ा हिस्सा गायब हो गया है। पुल के बगल से सड़क गुजर रही है। ऐसे में तेज रफ्तार वाहन की मामूली सी लापरवाही कई लोगों की जान सांसत में डाल सकती है। कई महीनों से टूटी पड़ी लोहे की इस रेलिंग की मरम्मत की तरफ जिम्मेदारों का ध्यान ही नहीं जा रहा है। लोगों ने तार बांधकर यह कोशिश की है कि इस रेलिंग से कोई पशु या वाहन सवार पुल से नीचे न गिर जाए। हालांकि, तेज रफ्तार वाहन यदि असंतुलित हुआ तो बांधे गए इस तार से वह रुक नहीं पाएगा और धड़ाम से पुल के नीचे आ जाएगा। जनहानि भी हो सकती है। और तो और इसी पुल के बीचोबीच पहुंचने पर रेलवे लाइन के ऊपर भी जाली क्षतिग्रस्त होकर गायब हो चुकी है। स्कूली बच्चे और लोग इसमें खड़े होकर ट्रेनों का आवागमन देखते हैं। कमर से भी नीचे रेलवे लाइन पर सुरक्षा की इस लेयर की रेलिंग की जाली गायब है। पुल के नीचे से ट्रेन गुजरती हैं जो नीचे झांकते हुए लोगों के लिए बड़े हादसे का सबब बन सकती है। यही नहीं उपरिगामी सेतु के ऊपरी हिस्से में जगह-जगह सुरक्षा के लिए लगाई गई प्लास्टिक टूट गई है। इससे भी लोग पुल के नीचे बनी सड़क पर कभी भी गिर सकते हैं।

छायाकार : राजकुमार वाजपेयी

मिस एंड मिस्टर उप्र. के लिए हुआ ऑडीशन

मिस एंड मिस्टर उत्तर प्रदेश 2025–26 टैलेंट हंट प्रतियोगिता के दौरान निर्णायक मंडल के सदस्य व अन्य। अमृत विचार

- 23 दिसंबर को राजधानी में होगा ग्रैंड फिनाले

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश के युवा कलाकारों को अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश आर्टिस्ट अकादमी की ओर से मिस एंड मिस्टर उत्तर प्रदेश- 2025-26 टैलेंट हंट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस कड़ी में रविवार को गोमती नगर विभूति खंड स्थित होटल सेवी ग्रैंड में टैलेंट हंट का आयोजन किया गया। इसमें लगभग दो सौ प्रतिभागियों ने अपने हुनर का प्रभावी प्रदर्शन कर अपनी दावेदारी पेश की।

प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले 23 दिसम्बर को लखनऊ में आयोजित किया जाएगा। जिसमें फिल्म जगत की प्रतिष्ठित हस्तियां राजकुमार संतोषी, अनिल शर्मा, राहुल रॉय, सुरेंद्र पाल, अली खान, हेमंत बिरजे, उर्वशी सोलंकी, शुभी जोशी और संजय गगनानी को आमंत्रित किया गया है। रविवार को हुई प्रतिस्पर्धा के निर्णायक मंडल में अंतरराष्ट्रीय फैशन डिजाइनर निधि खन्ना, कोरियोग्राफर दीप सच्चर, निहिल श्रीवास्तव, मिस उत्तर प्रदेश तनिष्क शर्मा, प्रभाती पांडे, वैष्णवी दुबे, अभिनेता पुष्पेंद्र सक्सेना, अजीम खान तथा अज़हर मिर्ज़ा मौजूद रहे।

रिपोर्ट वापस न लेने पर दबंगों ने युवक को पीटा

अमृत विचार, लखनऊ : इंदिरानगर में छेड़छाड़ की रिपोर्ट वापस लेने के लिए दबंग लगातार दबाव बना रहे थे। विरोध करने पर दबंगों ने युवक को हमला कर दिया। उसे अधमरा कर दिया। परिजन उसे बलरामपुर अस्पताल ले गए, जहां से हालत नाजुक देखकर डाक्टरों ने ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। पीड़ित परिवार का आरोप है कि स्थानीय पुलिस एफआईआर दर्ज नहीं की। जिसके बाद उन्होंने डीजीपी को पत्र भेजकर शिकायत की। शिकायत के 12 दिन बाद शनिवार को पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज किया।

पीड़ित ने बताया कि उसकी पत्नी ने कुछ दिन पहले रिंकू राजपूत, तरुण राजपूत, चंदन राजपूत, विश्राम राजपूत, इंद्रपाल राजपूत समेत कई लोगों के खिलाफ छेड़छाड़ और मारपीट का रिपोर्ट दर्ज कराया था। उसी घटना में उसके भाई आकाश गुप्ता के हाथ में फ्रैक्चर हुआ था। तब से आरोपित लगातार रंजिश रख रहे थे और एफआईआर वापस लेने का दबाव बना रहे थे।

सड़क हादसों में दो की मौत, एक घायल

संवाददाता, मोहनलालगंज

- मोहनलालगंज के बिंदौवा और बनी रोड पर हुए हादसे

अमृत विचारः मोहनलालगंज के बिंदौवा और बनी रोड पर हुए दो हादसों में दो युवक की मौत हो गई और एक युवक गंभीर रुप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेज। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक कन्नौज के गुरसहायगंज स्थित महोना गांव निवासी बृजेश राजपूत (34) गांव के सोनू तिवारी के साथ ठेके पर मोबाइल टॉवर में पटिया जोड़ने का काम करते थे। शनिवार देर रात कन्नौज से लखनऊ होते हुए बाइक से रायबरेली जा रहे थे। बिंदौवा गांव के कट के पास तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में बृजेश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सोनू गंभीर रुप से घायल हो गया। सोनू को पुलिस ने सीएचसी में भर्ती कराया। जहां से ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। इंस्पेक्टर ने बताया कि टक्कर मारने वाले वाहन के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

बनी रोड स्थित गुप्ता ढाबे के पास शनिवार को सड़क किनारे युवक का शव पड़ा मिला। शव के कपड़ों से मोबाइल मिला है। जिसके नंबरों से उसकी पहचान करने की कोशिश की। मृतक का नाम राजकुमार पता चला। वह ढाबों में तंदूर लगाने का काम करता था। कहां का रहने वाला है किसी को नहीं मालूम।

साइबर ठग ने अधिवक्ता समेत तीन के खातों से उड़ाए 3.65 लाख

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- जानकीपुरम, कृष्णानगर व बीकेटी थाने में रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचारः साइबर जालसाज ने अधिवक्ता समेत तीन के खाते से 3.66 लाख रुपये उड़ा लिए। पुलिस तीनों मामलों को दर्ज कर साइबर क्राइम सेल की मदद से जांच कर रही है।

जानकीपुरम सेक्टर-एफ निवासी अधिवक्ता राजीव कुमार ने बताया कि कुछ दिनों पहले एक कॉल आई। फोनकर्ता ने शेयर मार्केट में निवेश पर मुनाफा दिलाने का झांसा दिया। यही नहीं जालसाज ने व्हाट्सएप पर खरीदे व बेचे गए शेयर पर मुनाफे की जानकारी दी। जाल में फंसे पीड़ित ने दिए गए खाते में कई बार में 1.97 लाख रुपये निवेश कर दिए। उसके बाद जालसाज का नंबर बंद हो गया। पीड़ित ने साइबर सेल में शिकायत कर जानकीपुरम थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है।

कृष्णानगर के गोपालपुरी निवासी राजेंद्र कुमार का खाता सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में है। साइबर जालसाज ने पेटीएम के माध्यम से उनके खाते से 55 हजार रुपये पार कर दिए। उधर, मूल रूप से हरदोई के अतरौली निवासी ध्रुव प्रसाद बाजपेयी वर्ष 2006 से 51 शक्तिपीठ तीर्थ नबीकोट नंदना थाना बीकेटी में पुजारी हैं। उनका खाता आर्यवर्त बैंक सैरपुर में है। कुछ दिन पहले वे बीकेटी बड़ी बाजार में सब्जी खरीदने लगे। तभी उनका मोबाइल चोरी हो गया। पीड़ित ने दूसरे नंबरों से कॉल की तो मोबाइल बंद मिला।

पीड़ित ने दो दिन बाद यूपी कॉप एप में मोबाइल गुम होने की शिकायत दर्ज कराई। ध्रुव प्रसाद ने सिम ब्लॉक कर उसी नंबर का दूसरा सिम इश्यू करा लिया। पीड़ित ने सिम लगाया लेकिन वह चालू नहीं हुआ। 10 दिन बाद बैंक में पासबुक अपडेट कराई तो पता चला कि मोबाइल चोरी होने के 24 घंटे बाद खाते से 16 बार में 1,13,891 रुपये निकले हैं।

बीएचयू इंजीनियर्स एलुमनी ने मनाया महाधिवेशन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 1965 बैच के पांच अभियंताओं को किया सम्मानित

अमृत विचार : बीएचयू इंजीनियर्स एलुमनी का 13वां महाधिवेशन रविवार को चौधरी चरण सिंह सभागार, सिंचाई भवन उदयगंज में धूमधाम से मनाया गया। जिसमें विभिन्न अभियंत्रण विभागों में कार्यरत एवं सेवानिवृत्त लगभग 300 अभियंता शामिल हुए। यह संगठन आईआईटी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी से उत्तीर्ण हुए लखनऊ में रह रहे अभियंताओं का संगठन है।

महाधिवेशन में पांच अभियंताओं को मंच पर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर 1965 बैच के 5 अभियंताओं अजित कुमार श्रीवास्तव, डीएस गुनदेविया, केआरपी पाण्डेय, काली चरण वर्मा, महेन्द्र सहाय, आरआर चौधरी एवं डॉ रमापति दुबे को अभियन्त्रण डिग्री प्राप्त करने की हीरक जयन्ती के उपलक्ष्य में सम्मानित किया गया। इसके अलावा 1975 बैच के 22 अभियंताओं को डिग्री प्राप्त करने की स्वर्ण जयन्ती पर माला, अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। अस्सी वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले वरिष्ठ छात्रों को भी सपत्नी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सम्पादक राजेश कुमार द्वारा संपादित बीएचयू इंजीनियर्स अल्यूमिनी लखनऊ की स्मारिका का लोकार्पण मंचस्थ सदस्यों ने किया।

महाधिवेशन में 1965 बैच से लेकर 2012 बैच के लगभग 65 अभियंताओं ने प्रतिभाग किया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. एके त्रिपाठी, अध्यक्ष बनारस एल्यूमिनी एसोसिएशन तथा मुख्य आतिथेय 1965 इलेक्ट्रिकल बैच के छात्र डॉ रमापति दुबे थे।

समारोह की अध्यक्षता उदयभान पाण्डेय, अध्यक्ष बीएचयू इंजीनियर्स अल्यूमिनी लखनऊ ने किया। कार्यक्रम का संचालन महासचिव परेश प्रसाद एवं उपाध्यक्ष कायम रजा रिजवी ने किया।

लापरवाही

कई में फायर एग्जिट मिले बंद, नोटिस जारी करने की तैयारी

बिना फायर सेफ्टी उपकरण के चल रहे आधे से अधिक क्लब

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- गोवा हादसे के बाद लखनऊ में पंजीकृत 124 में 35 की रविवार को हुई जांच

अमृत विचार : गोवा के नाइट क्लब में अग्निकांड के बाद लखनऊ में रविवार को अग्निशमन, आबकारी और पुलिस ने रविवार को जांच शुरू की। संयुक्त टीम ने राजधानी के क्लब, बार और रेस्टोरेंट की सुरक्षा व्यवस्था की जांच की। आधे से अधिक स्थलों पर फायर सेफ्टी के उपकरण नहीं मिले। कुछ स्थानों पर खराब हालत में थे। वहीं, कई जगह फायर एग्जिट नहीं थे। जहां मिले वहां सामानों से अवरूद्ध कर दिया गया था।

निरीक्षण के दौरान टीमों ने पाया कि कई क्लबों में साउंडप्रूफिंग के लिए खिड़कियां तक बंद कर दी गई हैं, जिससे आग लगने की स्थिति में धुआं बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं रहता। विशेषज्ञों के अनुसार यह अत्यंत खतरनाक स्थिति है। जो किसी भी दुर्घटना को बड़ा रूप दे सकती है। जिला आबकारी अधिकारी और मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने थाना विभूतिखंड स्थित समिट बिल्डिंग और रोहतास प्रेसिडेंशियल के रेस्टोरेंट बार का निरीक्षण किया। यहां अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र, बार लाइसेंस और अन्य अनिवार्य दस्तावेजों की जांच की गई। कई जगह फायर उपकरण क्रियाशील नहीं पाए गए। अधिकारियों ने बार संचालकों को निर्देश दिए कि सभी उपकरणों को दुरुस्त रखें और फायर एग्जिट हमेशा खाली रखें। उधर, हजरतगंज अग्निशमन अधिकारी ने दा चेरी ट्री, फोशो और चरण प्लाज़ा में फायर सिस्टम की जांच की। स्टाफ से उपकरण चलवाए तो उन्हें आते नहीं थे। ऐसे में टीम ने मौजूद स्टाफ को मौके पर ही सुरक्षा प्रशिक्षण भी दिया।

चिह्नित क्लबों को जारी होगी नोटिस

मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) अंकुश मित्तल ने बताया कि निरीक्षण के दौरान पचास प्रतिशत क्लबों में गंभीर कमियां मिली हैं। उन्हें चिह्नित कर नोटिस जारी किए जाएंगे और नियमों का पालन न करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उधर, प्रशासन का कहना है कि राजधानी के सभी बार, क्लब और रेस्टोरेंट में यह अभियान जारी रहेगा ताकि किसी भी संभावित दुर्घटना को रोका जा सके। सीएफओ ने बताया कि रविवार को 35 से ज्यादा क्लबों की जांच की गई है। अलग-अलग फायर स्टेशन से टीम निकली थी। वह खुद भी समिट बिल्डिंग पहुंचे तो उन्हें बहुत खामियां मिली है। चार से पांच दिन तक लगातार चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। उसके बाद विस्तृत नोटिस जारी कर उनके साथ-साथ संबंधित विभागों को भी जानकारी दी जाएगी। ताकि लाइसेंस कैंसिल हो सके। लुलु माल और मिलेनियम पैलेस बिल्डिंग के रेस्टोरेंट बार का भी निरीक्षण किया गया। यहां भी फायर दस्तावेजों और सुरक्षा उपकरणों की जांच की गई।

अधिक यूरिया बिक्री पर तीन फर्मों को नोटिस

अमृत विचार, लखनऊ : टॉप-20 योजना के तहत तीन विक्रेताओं ने आठ किसानों को मानक से अधिक यूरिया बेच दी। कृषि विभाग ने ऑनलाइन समीक्षा की तो गड़बड़ी सामने आई। बिक्री संबंधित साक्ष्य न होने पर तीनों विक्रेताओं को नोटिस जारी करके अभिलेख मांगे गए हैं। नवंबर में किसानों ने गेहूं, सरसों, आलू व अन्य फसलों के लिए समय-समय पर समितियां व निजी विक्रेताओं से यूरिया खरीदी थी। इस माह खरीद की जिला कृषि अधिकारी तेग बहादुर सिंह ने ऑनलाइन रिपोर्ट के आधार पर समीक्षा की तो आठ किसानों ने 30 से 35 बोरी तक यूरिया खरीदना पाया। विक्रेताओं के पास बिक्री के साक्ष्य नहीं मिले। अपर जिला कृषि अधिकारी हर्षित त्रिपाठी को जांच के लिए नामित किया गया।

टॉप ड्रेसिंग शुरू, बढ़ी यूरिया की मांग

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : जिले में 21 दिन की हो चुकी गेहूं, सरसों समेत अन्य फसलों की बढ़वार के लिए टॉप ड्रेसिंग शुरू हो गई है। किसानों में टॉप ड्रेसिंग के लिए यूरिया की मांग बढ़ गई है और समिति व दुकानों में किसान खरीदने लगे हैं। कृषि विभाग ने यूरिया की उपलब्धता भी कर ली है।

अपर जिला कृषि अधिकारी हर्षित त्रिपाठी ने बताया कि जिले में करीब 70 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में किसानों ने गेहूं की बोवाई की है। इसके अलावा आलू, सरसों, मटर आदि फसलें की है। इनमें 21 दिन की हो चुकी गेहूं व सरसों की टॉप ड्रेसिंग ज्यादातर किसान करने लगे हैं। इससे यूरिया की मांग बढ़ी है। विभाग ने यूरिया सभी समितियों और निजी दुकानों में पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता कर रखी है। दिसंबर से जनवरी तक टॉप ड्रेसिंग की जाएगी। इसलिए किसानों को यूरिया की दिक्कत नहीं होगी।

यहां करें शिकायत

कंट्रोल रूम/ हेल्प डेस्क – 9198938099
जिला कृषि अधिकारी – 7839882167
एआर को–ऑपरेटिव – 6386903337
क्षेत्र प्रबंधक इफको – 9807576004

10 हजार करोड़ से विकसित होंगी सात टाउनशिप

एलडीए ने 385 एकड़ क्षेत्रफल का डीपीआर किया मंजूर, सात निजी डेवलपर करेंगे निर्माण, 60 फीसद भूमि अर्जित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : राजधानी में 10 हजार करोड़ रुपये के निवेश से निजी डेवलपर 385 एकड़ में सात टाउनशिप विकसित करेंगे। लखनऊ विकास प्राधिकरण बोर्ड ने उप्र टाउनशिप नीति-2023 के तहत नई टाउनशिप की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) मंजूर कर दिया है। इन परियोजनाओं से शहर में आवासीय व व्यावसायिक जरूरतें पूरी होंगी तो बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

मोहनलालगंज और सरोजनी नगर में मेसर्स दुर्गा ग्रीन्स इन्फ्राटेक, मेसर्स बाबा इन्फ्रा डेवलपर्स, मेसर्स अविचल इन्फ्रा बिल्ड, मेसर्स एसमैप बिल्डर्स एंड डेवलपर्स, मेसर्स ओमैक्स लिमिटेड व मेसर्स नीलेन्द्राज कंस्ट्रक्शन्स अपनी टाउनशिप विकसित करेंगे। एलडीए ने इन निजी डेवलपर को पूर्व में टाउनशिप के लिए लाइसेंस दिए थे, जिन्होंने उप्र टाउनशिप नीति-2023 के तहत टाउनशिप के लिए प्रस्तावित क्षेत्र में 60 फीसद से अधिक भूमि का स्वामित्व प्राप्त कर लिया है। समिति द्वारा किए गए परीक्षण में भू-उपयोग के प्रस्ताव भी निर्धारित मानकों के अनुरूप हैं। इन टाउनशिप के निर्माण में 10 हजार करोड़ रुपये निवेश होगा। इसके विकसित होने से शहर का विकास होगा तो लाखों परिवारों को आवासीय सुविधा देंगी। डीपीआर मंजूर होने के बाद जल्द धरातल पर कार्य शुरू होंगे।

पुरानी दरों पर ही खरीदें एलडीए के फ्लैट

- सचिव विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि एलडीए कानपुर रोड योजना, शारदा नगर योजना, सीतापुर रोड योजना, देवपुर पारा योजना, ऐशबाग हाईट्स के फ्लैट के 31 दिसंबर 2026 तक कीमत नहीं बढ़ाएगा। इन अपार्टमेंट के फ्लैट पुरानी दरों पर ही लोग खरीद सकेंगे। कीमत एक साल के लिए फ्रीज की हैं। इन अपार्टमेंट में रिक्त फ्लैटों को 'पहले आओ-पहले पाओ' योजना के तहत बेचा जाएगा।

लैंड ऑडिट में मिली भूमि पर बनेगी ग्रुप हाउसिंग

- एलडीए ने लैंड ऑडिट के दौरान गोमती नगर विस्तार के ग्राम सरसवां में 43.051 भूमि खाली कराकर अर्जित की थी। यह भूमि लंबे समय से खाली पड़ी थी और जानकारी के अभाव में लोगों ने कब्जा कर रखा था। इस भूमि पर भवन निर्माण एवं विकास उपविधि-2025 के प्राविधानों के तहत ले-आउट प्लान बनाया गया है। इसके अंतर्गत ग्रुप हाउसिंग के 11 भूखंड व एक व्यावसायिक भूखंड नियोजित किया जाएगा। इससे कई लोगों को आवासीय व व्यावसायिक सुविधा मिलेगी। इसके अलावा 15 प्रतिशत क्षेत्र में ग्रीन बेल्ट विकसित की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

हत्यारोपी भाई व पौत्र को भेजा जेल

अमृत विचार, लखनऊ : दुबग्गा के टांडखेड़ा गांव में दृष्टिबाधित वीरेंद्र उर्फ डोंगा (48) की गोली मारकर हत्या के मामले में पुलिस ने सगे भाई नरेंद्र उर्फ भुल्लू और पौत्र चिराग को रविवार को जेल भेज दिया है। हत्या में प्रयुक्त लाइसेंसी बंदूक तथा कारतूस भी बरामद कर ली। पुलिस मुख्य आरोपी भतीजे जितेंद्र उर्फ अन्नू पुत्र नरेंद्र की तलाश में पड़ोसी जिलों में छापेमारी कर रही है। पुलिस ने मामले में मृतक के ममेरे भाई कपिल की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की थी।

बीबीडी विवि कैंपस में छात्र को डंडे से पीटा

अमृत विचार, लखनऊ : बाबू बनारसी दास विवि कैंपस में रविवार शाम कैंटीन के पास कंधा टकराने से दबंग छात्र ने साथियों संग दूसरे छात्र हिमांशु चौबे को लाठी-डंडे से जमकर पीटा। किसी तरह उनके चंगुल से छूटकर भगे छात्र ने विवि प्रशासन से शिकायत की। इंस्पेक्टर बीबीडी राम सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है। फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पीड़ित बीएससी (आनर्स) छात्र हिमांशु चौबे ब्वॉज हास्टल के कमरा नंबर 413 में रहता है। उसने बताया कि शाम करीब 6 बजे कैंपस की कैंटीन पर सामान लेने गया था। तभी एक छात्र से वह टकरा गया तो वह गुस्साने लगे। इसके बाद अवनीश कुमार त्रिपाठी व अन्य को बुलाकर गाली-गलौज करते हुए धमकाया। विरोध करने पर सभी हमलावरों ने उसके सिर और पेट पर लगातार वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

युवती सहित तीन ने फंदा लगाकर दी जान

अमृत विचार, हरदोई : ईंट-भट्ठा श्रमिक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव निकाला और पोस्टमार्टम को भेजा। बेहटा गोकुल थाने के मानपुर मझरा निवासी अशोक (45) ईंट-भट्ठा पर मज़दूरी करता था। एक बेटी संगीता और बेटा अनुराग है। करीब 7 साल पहले पत्नी उमा की मौत हो चुकी है। अशोक ने बेटी की शादी कर दी, बेटा उसके साथ रह रहा था। शनिवार को अशोक घर में अकेला था, तभी उसने कमरा बंदकर फांसी लगा ली। बेटा अनुराग घर पहुंचा तो उसने बंद कमरें की खिड़की से झांका। अंदर अशोक का शव फांसी पर लटका देखकर वह चीख पड़ा। शोर सुन कर पड़ोसी दौड़ आए। वहां पहुंची पुलिस ने दरवाज़े तोड़ कर शव बाहर निकाल कर उसका पोस्टमार्टम कराया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। इसके अलावा हरपालपुर में शादी की तैयारियों के बीच युवती ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। हरपालपुर थाने के बेहटा हरी निवासी सत्येंद्र की बेटी लक्ष्मी (18) ने रविवार की सुबह कमरे के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

किशोर को बेल्ट से पीटा, वीडियो वायरल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: अलीगंज सेक्टर-एन स्थित पार्क में कुछ किशोरों ने एक लड़के को बेल्ट से मारा। पिटाई का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

एसओ विकासनगर आलोक कुमार सिंह के मुताबिक वीडियो वायरल हुआ है। उसकी जांच की जा रही है। नाबालिग बच्चों में मारपीट हुई है। अभी तक इस मामले में किसी ने कोई तहरीर नहीं दी है। वीडियो के आधार पर लड़कों को चिंह्नित किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लिमिटेड
विद्युत पारेषण मण्डल-I, लखनऊ
ई-निविदा सूचना, दिनांक 06.12.2025
निविदा संख्या एवं कार्य का संक्षिप्त विवरण

1. **ई-निविदा संख्या 78-** वि.पा.मं.(प्र.) ल./2025-26, विद्युत पारेषण खण्ड-II, लखनऊ के अन्तर्गत 220 के0वी0 उपकेन्द्र सी0जी0 सिटी पर फायर हाइड्रेन्ट सिस्टम की आपूर्ति, स्थापना, टेस्टिंग एण्ड कमिशिनंग सम्बन्धित कार्य हेतु ई-निविदा आमन्त्रित की गयी है, जिसे www.etender.up.nic.in पर दिनाँक 10.12.2025 तक प्रकाशित किया जायेगा। कार्य की अनुमानित लागत रू0 18.94 लाख (कर सहित) का कार्य की अवधि 01 माह धरोहर धनराशि रु. 19000.00 ऑन लाइन ई. निविदा भरने की अंतिम तिथि दिनांक 15.12.2025 को 16: 00 बजे तक है। **2. अति अल्पकालीन ई-निविदा संख्या 79-** वि.पा.मं.(प्र.)ल./2025-26, विद्युत पारेषण खण्ड-II, लखनऊ के अन्तर्गत विभिन्न पारेषण लाइनो के क्षतिग्रस्त Sheath Bonding Cable के Restoration एवं सम्बन्धित सामग्रीयो की आपूर्ति सम्बन्धित कार्य हेतु ई. निविदा आमन्त्रित की गयी है, जिसे www.etender.up.nic.in पर दिनाँक 10.12.2025 को प्रकाशित किया जायेगा। कार्य की अनुमानित लागत रू0 13.11 लाख (कर सहित) का कार्य की अवधि 01 माह धरोहर धनराशि रु. 13500.00 ऑन लाइन ई. निविदा भरने की अंतिम तिथि 15.12.2025 को 16:00 बजे तक है। **3. अल्पकालीन ई-निविदा संख्या 80-** वि.पा.म.(प्र.) ल./2025-26, विद्युत पारेषण खण्ड -I, लखनऊ के अन्तर्गत पारेषण भवन, गोमती नगर में स्थापित फायर हाईड्रेन्ट सिस्टम के पाइप लाइन को बदलने का कार्य कराये जाने हेतु ई. निविदा आमन्त्रित की गयी है, जिसे www.etender.up.nic.in पर दिनांक 10.12.2025 को प्रकाशित किया जायेगा। कार्य की अनुमानित लागत रू0 2.25 लाख (कर सहित) का कार्य की अवधि 01 माह धरोहर धनराशि रु. 2500.00 ऑन लाइन ई. निविदा भरने की अंतिम तिथि दिनांक 15.12.2025 को 14.00 बजे तक है। **4. ई-निविदा संख्या 81-वि.पा.मं. (प्र.) ल./2025-26,** विद्युत पारेषण खण्ड-II, लखनऊ के अन्तर्गत 132 के0वी0 उपकेन्द्र एन0के0एन0 पर विभिन्न उपकरणो की स्प्रे/ब्रश पेंटिंग का कार्य कराये जाने हेतु ई. निविदा आमन्त्रित की गयी है, जिसे www.etender.up.nic.in पर दिनाँक 10 12.2025 को प्रकाशित किया जायेगा। कार्य की अनुमानित लागत रू0 3.56 लाख (कर सहित) का कार्य की अवधि 01 माह धरोहर धनराशि रू. 4000.00 ऑन लाइन ई. निविदा भरने की अंतिम तिथि दिनांक 15.12.2025 को 16:00 बजे तक है। **5. ई-निविदा संख्या 82-वि.पा.मं. (प्र.) ल/2025-26,** विद्युत पारेषण खण्ड-II लखनऊ के अन्तर्गत 220 के0वी0 उपकेन्द्र चिनहट पर स्थापित 01 नग 200 एमवीए परिवर्तक-द्वितीय (Aditya Make) से हो रहे तेल रिसाव को रोकने हेतु विभिन्न गैस्केट को बदलने सम्बन्धी कार्य हेतु ई निविदा आमन्त्रित की गयी है, जिसे www.etender.up.nic.in पर दिनांक 10.12.2025 को प्रकाशित किया जायेगा। कार्य की अनुमानित लागत रू0 9.62 लाख (कर सहित) का कार्य की अवधि 01 माह धरोहर धनराशि रू. 10000.00 ऑन लाइन ई. निविदा भरने की अंतिम तिथि दिनांक 15.12.2025 को 16:00 बजे तक है। **6. अल्पकालीन ई-निविदा संख्या 83-** वि.पा.मं. (प्र.) ल./2025-26, वि.पा.मं. (प्र.) ल/2025-26, विद्युत पारेषण खण्ड- I लखनऊ के अन्तर्गत 132 के0वी0 जेहटा पर विभिन्न प्रकार के रेट्रो रिफ्लेक्टिव बोर्डो की आपूर्ति एवं स्थापना सम्बन्धित कार्य कराये जाने हेतु ई. निविदा आमन्त्रित की गयी है, जिसे www.etender.up.nic.in पर दिनाँक 10.12.2025 तक प्रकाशित किया जायेगा। कार्य की अनुमानित लागत रू. 4.79 लाख (कर सहित) का कार्य की अवधि 01 माह धरोहर धनराशि रू. 4800.00 ऑन लाइन ई. निविदा भरने की अंतिम तिथि दिनांक 19.12.2025 को 16:00 बजे तक है। **7. अल्पकालीन ई-निविदा संख्या 84-** वि.पा.म. (प्र.) ल./2025-26, विद्युत पारेषण खण्ड- III, लखनऊ के अन्तर्गत 220 के0वी0 उपकेन्द्र बाराबंकी पर 02 नं0 लाइन फिडर 'बे' पर स्थापित ZIV MAKE स्काडा सिस्टम की Troubleshooting/ Restoration सम्बन्धित कार्य कराये जाने हेतु ई. निविदा आमन्त्रित की गयी है, जिसे www.etender.up.nic.in पर दिनांक 10.12.2025 तक प्रकाशित किया जायेगा। कार्य की अनुमानित लागत रू. 1.18 लाख (कर सहित) का कार्य की अवधि 01 माह धरोहर धनराशि रू. 1500.00 ऑन लाइन ई.निविदा भरने की अंतिम तिथि दिनाँक 19.12.2025 को 16:00 बजे तक है। **8. ई-निविदा संख्या 85-** वि.पा.मं.(प्र.)ल./2025-26, विद्युत पारेषण खण्ड-II, लखनऊ के अन्तर्गत 220/33 के0वी0 उपकेन्द्र सतरिख रोड, लखनऊ तथा 132/33 के0वी0 उपकेन्द्र सहारा सिटी होम्स, लखनऊ पर Sand Pit and Fire Hut के स्थापना सम्बन्धित कार्य कराये जाने हेतु ई. निविदा आमन्त्रित की गयी है, जिसे www.etender.up.nic.in पर दिनांक 10.12.2025 तक प्रकाशित किया जायेगा। कार्य की अनुमानित लागत रू. 1.91 लाख (कर सहित) का कार्य की अवधि 01 माह धरोहर धनराशि रू. 2000.00 ऑन लाइन ई. निविदा भरने की अंतिम तिथि दिनांक 05.01.2026 को 16: 00 बजे तक है। **9. ई. निविदा संख्या 86-** वि.पा.मं.(प्र.) ल./2025.26, विद्युत पारेषण खण्ड-II, लखनऊ के अन्तर्गत 220/33 के0वी0 उपकेन्द्र सतरिख रोड पर डी0सी0 सिस्टम को Healthy करने तथा स्विच यार्ड के केबल ट्रेन्चों में क्षतिग्रस्त कन्ट्रोल केबिलों को Repair करने सम्बन्धित कार्य हेतु ई. निविदा आमन्त्रित की गयी है, जिसे www.etender.up.nic.in पर दिनांक 10.10.2025 तक प्रकाशित किया जायेगा। कार्य की अनुमानित लागत रू0 2.12 लाख (कर सहित) का कार्य की अवधि 01 माह धरोहर धनराशि रू. 2500.00 ऑन लाइन ई. निविदा भरने की अंतिम तिथि दिनांक 15.12.2025 को 16:00 बजे तक है। विस्तृत जानकारी एवं प्रपत्र बेवसाइट- http//etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। अग्रेतर समस्त सूचनायें बेवसाइट पर ही प्रदर्शित की जायेगी। **''राष्ट्र हित में बिजली बचाए'' अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत पारेषण मण्डल-I, उ.प्र.पावर ट्रान्स. कारपोरेशन लि., कक्ष सं. 111 से 114, भू-तल, पारेषण भवन विभूति खण्ड-II निकट मंत्री आवास गोमतीनगर, लखनऊ। पत्रांक: 2249/वि.पा.मं.(प्र.)ल./निविदा मण्डल दिनांक: 06.12.2025**

पीएम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं, उलझी जांच

संवाददाता, माल

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के अमलौली स्थित बाग में मिले राजगढ़ निवासी महेंद्र उर्फ छोटू पुत्र प्रकाश (35) को जहर पिलाकर मार डालने के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पुलिस की जांच उलझ गयी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह स्पष्ट नहीं हुई है। डॉक्टरों ने विसरा सुरक्षित कर लिया है। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव गांव लाया गया। उसके बाद परिजन ने अंतिम संस्कार कर दिया। इंस्पेक्टर नवाब अहमद ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। कई लोगों से पूछताछ की गयी है।

मृतक महेंद्र उर्फ छोटू

- **रविवार को परिजन ने किया अंतिम संस्कार**

बताते चलें कि ग्राम पंचायत शंकरपुर के राजगढ़ गांव निवासी महेंद्र उर्फ छोटू शुक्रवार को पकरा बाजार गांव की बाजार जाने की बात कहकर घर से निकला था। शाम करीब 4:30 बजे छोटू ने छोटे भाई धीरज के पास कॉल कर कहा था कि रनीपारा पुलिया के पास हैं, शुभम के चार साथियों ने जबरदस्ती जहर पिला दिया है। पूरी रात परिजन खोजते रहे, लेकिन छोटू का पता नहीं चला। शनिवार सुबह अमलौली गांव में आम के बाग में छोटू का शव मिला था। पास में जहर की पुड़िया का रैपर व पानी की बोतल पड़ी थी। पुलिस ने भाई की तहरीर पर शुभम व चार अज्ञात के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की थी।

मृतक महेंद्र उर्फ छोटू के रोते-बिलखते परिजन।

अदालती नोटिस

हेतु संदर्भित करने की सूचना/साधारण प्रारूप बअदालत न्यायालय श्रीमान् अपर सिविल जज (सी0डि0) कक्ष सं0-42, लखनऊ

प्रकीर्ण वाद संख्या-802/2022

ता0पेशी-15.12.2025

अफसाना पुत्री स्व0 अब्दुल मजीद निवासिनी-म0नं0-456/164, सज्जाद बाग, तबेला, हुसैनाबाद, थाना ठाकुरगंज, जिला-लखनऊ -प्रार्थिनी/वादिनी

बनाम

1-मोहम्मद इमरान पुत्र स्व0 अब्दुल मजीद निवासी-म0नं0-456/164, सज्जाद बाग, तबेला, हुसैनाबाद, थाना ठाकुरगंज, जिला-लखनऊ- 2-मोहम्मद वहीद पुत्र स्व0 अब्दुल मजीद निवासी-म0नं0-456/164, सज्जाद बाग, तबेला, हुसैनाबाद, थाना ठाकुरगंज, जिला-लखनऊ- 3-मोहम्मद वकील पुत्र स्व0 अब्दुल मजीद निवासी-म0नं0-456/164, सज्जाद बाग, तबेला, हुसैनाबाद, थाना ठाकुरगंज, जिला-लखनऊ

-विपक्षीगण

चूंकि उपरोक्त नामांकित-प्रार्थिनी/वादिनी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि प्रार्थना पत्र वास्ते आदेश-9, नियम-4 तथा सपठित धारा 151 सी0पी0सी0 हेतु। अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इस आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्भित करने के लिए 15.12.2025 के दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यक रूपेण अनुविष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजाता हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा। 8.07.2025 के दिवस को दिखायी गयी। दस्तखत हाकिम-मोहर अदालत

युवती समेत दो पर खुदकुशी के लिए उकसाने की रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **जानकीपुरम में लॉ छात्र की मौत का मामला**

अमृत विचार: लखीमपुर के लॉ छात्र की संदिग्ध हालात में हुई मौत के मामले में पिता ने दो दोस्तों पर कोर्ट के आदेश से खुदकुशी के लिए उकसाने का रिपोर्ट जानकीपुरम थाने में दर्ज करायी है। इंस्पेक्टर विनोद कुमार तिवारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

पीड़ित पिता सत्य प्रकाश शुक्ला ने बताया कि वर्ष 2025 में उनका बेटा प्रियांशु शुक्ला जानकीपुरम के तिवारीपुर में रहकर लॉ की पढ़ाई करता था। बेटे की दोस्ती पड़ोस में रह रहे लखीमपुर के हाथीपुर के ही दुकानदार कार्तिकेय रस्तोगी और शिवांगी गुप्ता से थी। कार्तिकेय व शिवांगी ने उनके बेटे से व्यापार के नाम पर 2.50 लाख रुपये की आर्थिक मदद मांगी थी।

दोस्ती के चलते बेटे ने रकम दे दी थी। आरोप है कि जब तय समय बीतने पर बेटे ने दोनों से रकम वापस मांगी तो आरोपियों ने लौटाने से इंकार कर दिया। उसके बाद दोनों आरोपी उनके बेटे को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे। बेटे का एक मोबाइल और लैपटॉप भी छीन लिया था। 23 अप्रैल को प्रियांशु ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली थी।

किसान पथ हादसे के बाद लगी भीड़। अमृत विचार

किसान पथ पर खराब खड़े डंपर में घुसा ट्रक, चालक की हालत गंभीर

- **अमृत विचार, काकोरी :** दुबग्गा स्थित किसान पथ पर रविवार देर शाम खराब खड़े डंपर में बेकाबू ट्रक टकरा गया। हादसे में ट्रक चालक गम्भीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को इलाज के लिए ट्रामा सेंटर भेजा। वहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घायल ट्रक चालक धर्मेन्द्र पाल (28) ग्राम अधारा थाना लालगंज जनपद प्रतापगढ़ का रहने वाला है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक गिट्टी लदी पहले से खराब खड़े डंपर में कोई इंडीकेटर तथा पार्किंग लाइट न जलने की वजह से पीछे से आ रहे दूसरे ट्रक टकराया।

रिटायर्ड दरोगा को प्लॉट बेचकर हड़पे 29 लाख, फिर किया कब्जा

संवाददाता, सरोजनीनगर

- **पुलिस आयुक्त के आदेश पर बंथरा थाने में रिपोर्ट दर्ज**

अमृत विचार: बंथरा इलाके में रिटायर्ड दरोगा से प्लॉट के नाम पर प्रॉपर्टी डीलर ने कुछ लोगों के साथ मिलकर 29 लाख रुपये हड़प लिए। आरोप है कि प्रॉपर्टी डीलर ने न ही प्लाट दिया और न ही रुपये वापस किए। पुलिस आयुक्त अमरेंद्र कुमार सेंगर के आदेश पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

पारा के गोविंद नगर निवासी रिटायर्ड दरोगा जयशंकर पांडेय ने बताया कि उन्होंने 28 मार्च 2023 को ग्राम भदोई में प्लॉट बंथरा के उदित खेड़ा निवासी अजीत यादव से खरीदा था। तब अजीत यादव ने नाप कर जमीन का कब्जा दिया। पीड़ित ने बाउंड्री बनवाकर गेट लगवा दिया था। इसके बाद तीन वर्ष तक पीड़ित का कब्जा बना रहा। आरोप है कि 25 जुलाई 2025 को अजीत यादव, राजकुमार यादव, सुरजीत यादव सहित अन्य सहयोगियों ने पहुंचकर दीवार गिरा दी। विरोध करने पर धमकाया। अगले दिन पीड़ित ने बंथरा थाने में तहरीर दी।

लगभग एक माह बाद हल्का इंचार्ज ने थाने बुलाकर अजीत यादव से 29 लाख रुपये का चेक दिलाया और आश्वासन दिया कि 22 सितंबर 2025 को चेक लगाने पर धनराशि मिल जाएगी। लेकिन चेक बाउंस हो गयी। दोबारा थाने में शिकायत की लेकिन तीन माह तक सिर्फ दौड़ाया गया। पीड़ित जयशंकर का कहना है कि बैनामा खारिज-दाखिल हो चुका है और रुपये देते समय विनीत मिश्रा व राजेंद्र मिश्रा गवाह मौजूद थे। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग, सुलतानपुर

पत्रांक:-6020/2ए/2025-26 **दिनाँक:-20/11/2025**

ई-निविदा सूचना (प्रथम आमंत्रण)

राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, उ0प्र0 लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रतिशत दर पर उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग में सड़क कार्य हेतु रजिस्टर्ड श्रेणी ए, बी, सी एवं डी के अर्ह एवं अनुमोदित ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता को सलाह दी जाती है कि यह न्यूनतम अर्हता के सम्बन्ध में निविदादाता निर्देश पुस्तिका में वर्णित ठेका प्राप्त करने के नियमों से अवगत हो लें।

क्रं0 सं0	कार्य का नाम	आंकलित धनराशि (रु0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रु0 लाख में)	निविदा शुल्क	कार्य पूर्ण कराने की अवधि	अधिशासी अभियन्ता का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	मुख्य अभियन्ता का पता
1	2	4	5	6	7	8	9	10
1.	मगनगंज कैथोली मार्ग से ज्वालीपुर तक सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	8.67	0.87	944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर	सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर	अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या
2.	गोसाईगंज बाजार से पठानीपुर तक सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	10.53	1.05	944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर	सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर	अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या
3.	बरूई सम्पर्क मार्ग से जासापारा पूरब पट्टी तक सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	13.54	1.35	944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर	सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर	अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या
4.	पूर्वान्चल एक्सप्रेसवे के निर्माण से क्षतिग्रस्त पारा सामान्य बस्ती सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	17.31	1.73	944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर	सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर	अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या
5.	पूर्वान्चल एक्सप्रेसवे के निर्माण से क्षतिग्रस्त दूबेपुर सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	28.20	2.82	944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर	सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर	अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या
6.	पूर्वान्चल एक्सप्रेसवे के निर्माण से क्षतिग्रस्त दरपीपुर सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	13.03	1.30	944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर	सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर	अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या
7.	पूर्वान्चल एक्सप्रेसवे के निर्माण से क्षतिग्रस्त कूरेभार फुलौना रोड से पक्की सड़क कपिल तिवारी के मकान से होते हुये अन्नूतिवारी का पुरवा वाया बक्सी का पुरवा सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	27.59	2.76	944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर	सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर	अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या
8.	पूर्वान्चल एक्सप्रेसवे के निर्माण से क्षतिग्रस्त कूडेभार पीढ़ी मार्ग तक टावर के पास से प्रा0पा0 कोडरी होते हुए अनु0 बस्ती तक सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	18.73	1.87	944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर	सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर	अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या
9.	इटकौली जयसिंहपुर मार्ग कि0मी0-8 से खटवर सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	18.32	1.83	944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर	सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर	अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या
10.	हकीमपुर बरामदपुर सम्पर्क मार्ग से केवट बस्ती (हकीमपुर) सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	32.06	3.21	944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर	सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर	अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या
11.	बिजेथुआ राजापुर सम्पर्क मार्ग अनमोल मौर्य के घर से शिवहर्ष तिवारी के घर तक मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	20.60	2.06	944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर	सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर	अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या
12.	चन्दौली (मालापुर जगदीशपुर) सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	24.07	2.41	944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर	सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर	अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या
13.	इब्राहिमपुर उनुरखा कि0मी0-4 से मेवानगर जमालपुर पुल तक सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	19.29	1.93	944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, सुलतानपुर	सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर	अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या

➢ विल आफ क्वान्टिटी में लगाई गयी दरें जी0एस0टी0 को छोड़ते हुए लगाई गयी है।

निविदा आनलाइन दिनाँक 10.12.2025 की पूर्वाहन 9:00 बजे से दिनाँक 16.12.2025 की अपराह्न 12.00 बजे तक डाउनलोड की जा सकती है एवं दिनांक 16.12.2025 की अपरान्ह 12:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। उक्त निविदा की तकनीकी बिड दिनाँक 16.12.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जायेगी। शासनादेश संख्या 1/2018/3070/78-2-2018-42आई0टी0/2017(22) दिनांक 03.01.2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख व्यक्तिगत रुप से विभाग/कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने है। निविदादाता द्वारा मूल अभिलेक प्रस्तुत न किये जाने की दशा में शासनादेश में निहित प्राविधानों के अनुरुप कार्यवाही की जायेगी।.

निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साप्टवेयर के माध्यम से किया जाना है, जिसकी विस्तृत जानकारी बिड डाक्यूमेंट के साथ संलग्न निविदा सूचना में उपलब्ध है।

निविदादाता सम्बन्धी शेष सभी शर्तें https://etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है।

(अरुण कुमार)
अधिशासी अभियन्ता,
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,
सुलतानपुर

UP - 242000 **दिनांक:** 05/12/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
पहले मेरा नाम RUBI FATIMA था अब मैने बदलकर अपना नाम ROOBI FATMA रख लिया है भविष्य में मुझे ROOBI FATMA के नाम से जाना व पहचाना जाए। W/O: MAZHAR MIRZA R/O : 337/133, HATA BURHAN SAHAB SADATGANJ, LUCKNOW

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैं **प्रतिमा भारती पुत्री राजेन्द्र प्रसाद निवासी ग्रा. छिवलहा, पर. सरेनी, त. लालगंज, जिला रायबरेली** की निवासी हूं। मेरे शैक्षिक अभिलेखों में सही नाम प्रतिमा भारती अंकित है, जबकि बान्ड में सुमीरन दर्ज है। मुझे दोनों ही नाम से जाना व पहचाना जाता है। सही नाम प्रतिमा भारती है, जिसे बान्ड में दर्ज किया जाए।

सूचना
मैने अपना नाम SANDEEP KUMAR से बदलकर SANDEEP रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-RAJU ADD-VILL AND POST-MAWAI DIST-AYODHYA-224001 (U.P.)

सूचना
भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा प्रथम रायबरेली द्वारा जारी पालिसी सं0 213856551 बीमा धन 40,000 पालिसी धारक संजय कुमार पाल की पॉलिसी में नामिनी केशन दुलारी दर्ज है, जबकि आधार व पासबुक में विशुन कुमारी दर्ज है। दोनो नाम एक ही है। **केशन दुलारी पत्नी संजय कुमार पाल निवासी ग्रा., पो.. इब्राहिमपुर, सरेनी, रायबरेली**

सूचना
मैं निहाल अहमद पुत्र जिलकाद अहमद निवासी L-166 आवास विकास कालोनी बड़गांव जिला गोण्डा, यह घोषणा करता हूँ कि मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम NIHAL AHMAD अंकित है, जबकि त्रुटिवश मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में मेरा नाम NEHAL AHMAD दर्ज हो गया था। आधार कार्ड में अंकित नाम NIHAL AHMAD ही सही एवं प्रमाणित है। अतः अनुरोध है कि मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में भी मेरा सही नाम NIHAL AHMAD ही अभिलेखित किया जाए।

Notice
That I have changed my name from Suman to Suman Yadav and my date of birth to 01.01.1978. Both are my names. In all my documents, my name should be written and read as Suman Yadav. Suman Yadav, W/o Ghanshyam Yadav.

सूचना
मैं **संदीप उर्फ संजीव कुमार पुत्र स्व0 गुरुदीन ग्राम मेड़ौली, पोस्ट सेनी, विकास क्षेत्र खीरों, तहसील लालगंज, जिला रायबरेली** का मूल निवासी हूं। मेरी भारतीय जीवन बीमा निगम की पॉलिसी संख्या 215575483 में मेरा नाम संजीव कुमार अंकित है। जबकि मेरा नाम आधारकार्ड, पैनकार्ड व बैंक खाते आदि में संदीप अंकित है। मैं संदीप व संजीव कुमार दोनों नामों से जाना पहचाना जाता हूं।

न्यूज ब्रीफ

अभिषेक कुमार का रेलवे में हुआ चयन

सूरतगंज, बाराबंकी : मटेहना गांव के गोविंद प्रसाद के बेटे अभिषेक कुमार

वर्मा का रेलवे में चयन हुआ है। रेलवे विभाग नागपुर मंडल में सीनियर सेक्शन इंजीनियर पद पर नियुक्ति होने से क्षेत्र उल्लास व्याप्त है। उसकी शिक्षा बीआरजी पब्लिक स्कूल में हुई। प्रधानाचार्य संजय वर्मा औ शिक्षक चक्रेश पाण्डेय ने बताया कि अभिषेक अध्ययन के दौरान पूर्ण सात्विक अनुशासित और परिश्रमी रहा जिसका सत्परिणाम अब दृष्टिगोचर हो रहा है। अन्य छात्रों को भी इनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। गांव निवासी मंडल अध्यक्ष सुशील वर्मा ने मीठा खिलाकर घर वालों को बधाई दी है।

युवक की संदिग्ध हालात में मौत

देवा, बाराबंकी : ग्राम सरसौंदी निवासी 25 वर्षीय दीपक रावत की रविवार शाम संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दीपक एक ईंट भट्टे पर मजदूरी करता था। रविवार की शाम करीब चार बजे वह काम से लौटकर अपने गांव पहुंचा और अचानक सीने में तेज दर्द होने की शिकायत करते हुए बैठ गया। कुछ ही देर में उसकी हालत बिगड़ गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची और शव को पीएम के लिए भेज दिया।

सड़क हादसों में बाबा-पौत्र समेत पांच की मौत, अस्पताल में हंगामा

जिले में अलग-अलग स्थानों पर हुईं दुर्घटनाएं, परिजनों में मचा कोहराम

रफ्तार की मार

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : रविवार को अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में पांच लोगों की मौत ने कई परिवारों को शोक में डुबो दिया। दो घायल जिला अस्पताल रेफर हैं। कहीं बाबा–पोते की मौके पर ही मौत हुई, तो कहीं इलाज के दौरान मासूम ने दम तोड़ दिया। वहीं एक अन्य घायल युवक की अस्पताल में मौत हो गई। बाबा पोते की मौत मामले में परिजनों ने जिला अस्पताल में जमकर हंगामा किया।

बाइक से गिरे युवक की उपचार के दौरान मौत: हैदरगढ़ प्रतिनिधि के अनुसार कोतवाली क्षेत्र में हैदरगढ़ भिटरिया मार्ग पर शनिवार रात बाइक से गिरकर घायल हुए आशीष कुमार सिंह (34) की इलाज के दौरान मौत हो गई। गुलालपुर निवासी आशीष एक निजी फाइनेंस कंपनी में काम करते थे और नई सड़क चौराहे के पास रहते थे। परिवार वालों ने बताया कि आशीष शनिवार की देर रात बारा टोल प्लाजा पर चाय पीने के बाद नई सड़क स्थित घर के लिए बाइक से निकला। वहां हुए हादसे के बाद वे घायल दशा मे किसी तरह घर पहुंचे और परिजनों को चोट लगने की जानकारी दी, लेकिन थोड़ी देर में उनकी हालत खराब हो गई।

बाइक सवार युवक की मौत, दो घायल: त्रिवेदीगंज प्रतिनिधि के अनुसार बाराबंकी-लखनऊ सुल्तानपुर हाइवे पर रविवार शाम करीब 6 बजे लोनीकटरा थाना क्षेत्र के दहिला चौराहे के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो व्यक्ति घायल हो गए। इनमें एक की मौत हो गई, दो घायल जिला अस्पताल रेफर हैं। कोठी थाना क्षेत्र के अचकामऊ निवासी कल्लू (27) गांव के ही रिंकू व विजय (40) के साथ बाइक से लखनऊ की ओर से वापस आ रहे थे। दहिला चौराहे के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से तीनों घायल हो गए।

सीतापुर में भी सड़क हादसों में दो की मौत

अमृत विचार टीम, सीतापुर : जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुए सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक होमगार्ड गंभीर रूप से घायल हो गया। खैराबाद ओवरब्रिज पर तेज रफ्तार बाइक के डिवाइडर से टकराने से युवक की मौत हो गई, वहीं रामकोट क्षेत्र में गन्ना लेकर आए किसान की दो ट्रैक्टरों के बीच दबकर जान चली गई। पहली घटना में शहर सीमा से सटे रामकोट थाना क्षेत्र के जवाहरपुर चीनी मिल के बाहर गन्ना उतारते समय दो ट्रैक्टरों के बीच दबकर कोतवाली देहात क्षेत्र के मीरनागर निवासी हेमराज की मौत हो गई। परिजनों ने साथी चालक पर लापरवाही का आरोप लगाया है। सहायक पुलिस अधीक्षक विनायक भोसले ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आरोपों की जाँच की जा रही है। इसी कड़ी में दूसरी घटना खैराबाद कोतवाली इलाके में घटित हुई। ओवरब्रिज पर तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। हादसे में लखीमपीर के गोला निवासी बाइक सवार दुर्गेश शुक्ला की अस्पताल में मौत हो गई। थानाध्यक्ष एके सिंह ने बताया कि मामले में जाँच की जा रही है। वहीं, तीसरी घटना में इमलिया सुल्तानपुर कस्बा निवासी होमगार्ड रामचंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। वे अतिरिक्त मजिस्ट्रेट के यहां तैनात हैं। रविवार सुबह अमीननगर के पास तेज रफ्तार पिकअप ने पीछे से टक्कर मार दी। चालक वाहन सहित फरार हो गया। घायल को जिला अस्पताल ले जाया गया।

घायल प्रिंस की उपचार के दौरान मौत

रामनगर प्रतिनिधि के अनुसार थाना क्षेत्र के ग्राम उटखरा में शनिवार को हुए हादसे में गंभीर रूप से घायल 6 वर्षीय प्रिंस ने रविवार को लखनऊ ट्रामा सेंटर में दम तोड़ दिया। प्रिंस अपने पिता संदीप द्वारा चलाए जा रहे ई-रिक्शा से गांव लौट रहा था, तभी आगे चल रही ट्रैक्टर–ट्रॉली की चपेट में आकर रिक्शा पलट गया। परिजनों के शोक में डूबे होने की खबर पर पुलिस इस आशंका में सक्रिय रही कि लोग रानीबाजार चौराहे पर जाम लगा सकते हैं, लेकिन शांतिपूर्वक अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच तेज कर दी है। कोतवाल अनिल कुमार पांडेय के साथ पुलिस बल सक्रिय रहा और मुख्य चौराहे से लेकर गांव तक फोर्स लगी रही।शाम को अंतिम संस्कार हो जाने के बाद थाने लौटी। ग्रामीणों ने घटना पर गहरा शोक जताया।

प्रिंस। फाइल फोटो

दस साल की बच्ची से दुष्कर्म के बाद फांसी लगा की आत्महत्या

संवाददाता, बिवांर (हमीरपुर)

अमृत विचार: थानाक्षेत्र के एक गांव में दस साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी ने घटना के कुछ समय बाद घर से दूर खेतों में एक धार्मिक स्थान के पास फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बच्ची के परिजन और पुलिस भी रात में आरोपी की तलाश में घूमते रहे, लेकिन उसका कहीं कोई सुराग नहीं लगा। रविवार सुबह खेतों की ओर गए ग्रामीणों ने उसे पेड़ में फांसी के फंदे पर लटके देखा। इस पर उन्होंने प्रधान और पुलिस को सूचना दी। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच-पड़ताल की। थानाक्षेत्र के एक गांव की महिला ने थाना में तहरीर देते हुए बताया कि पड़ोस में भैंस के बच्चा होने पर भोज का कार्यक्रम था। जिसमें वह बच्चों सहित शामिल होने गई हुई थी। वहीं पड़ोसी युवक आलोक उर्फ सतीश प्रजापति पुत्र राम आसरे प्रजापति ने मेरी दस वर्षीय पुत्री को बहाने से अपने घर भेजा। पीछे से घर में जाकर पुत्री को जबरदस्ती खेतों की ओर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। काफी देर तक जब बच्ची नहीं आई तो उसकी तलाश की गई। देर रात बच्ची गांव से दो किमी दूर बंबा पुलिया के पास रोते हुए मिली। मां ने बताया कि बच्ची ने उसे रोते हुए बताया कि आलोक ने अपने घर के जानवर बांधने वाले कमरे में उसके साथ दुष्कर्म किया। उसके शोर मचाने पर उसे मुंह दबाकर यहां लाए और छोड़कर फरार हो गया। यह बात सुन परिजन पुलिस के साथ आलोक की तलाश करते रहे। रविवार की सुबह आलोक का शव गांव से दो किमी दूर एक धार्मिक स्थान पर पेड़ से लटका मिला।

धोखे से हड़प लिए दो लाख रुपये, दी तहरीर

हैदरगढ़, बाराबंकी : कोतवाली क्षेत्र में ललईखेर मजरे अखैय्यापुर गांव निवासी दुर्गेश कुमार ने थाना हैदरगढ़ में तहरीर दी। बताया कि थाना लोनीकटरा के मंगलपुर गांव निवासी करन वर्मा ने उनका फोन लेकर दो लाख रुपए गोसाईगंज लखनऊ के एक जनसेवा केंद्र संचालक के खाते में ट्रांसफर कर दिया। पैसा ट्रांसफर करने के बाद मोबाइल भी तोड़ दिया। इससे इस धोखाधड़ी की जानकारी चार दिन बाद हुई। पीड़ित ने गोसाईगंज जनसेवा केंद्र से संपर्क किया तो पता चला कि पैसा करन वर्मा ले जा चुका है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपी के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया है।

सांसद को ज्ञापन देते अनुदेशक। अमृत विचार

शीतकालीन सत्र में उठाएंगे अनुदेशकों की मांगें

बाराबंकी, अमृत विचार : अनुदेशक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने सांसद तनुज पुनिया को अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। सांसद ने मांगपत्र का संज्ञान लेते हुए आश्वासन दिया कि शीतकालीन सत्र में अनुदेशकों का मुद्दा पूरी जिम्मेदारी के साथ संसद में उठाया जाएगा। मांगपत्र को तत्काल प्रभाव से दिल्ली फैक्स कराने के बाद अनुदेशकों ने सांसद के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान जिला अध्यक्ष रमा कांत वर्मा सहित अनुदेशक मौजूद रहे।

बाराबंकी में साइबर ठगी का गिरोह बेनकाब

- दो आरोपी गिरफ्तार, 3.60 लाख रुपये और मोबाइल बरामद

बाराबंकी, अमृत विचार : अब बाराबंकी का नाम भी साइबर ठगी करने वाले जिलों में आ गया है। पुलिस ने साइबर फ्रॉड करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यह दोनों संगठित गिरोह बनाकर ब्लैकमेल करने के बाद ठगी का धंधा चला रहे थे। इनके अन्य साथियों की तलाश की जा रही है। साइबर क्राइम थाना, साइबर सेल और थाना देवा पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को कुर्सी मोड़ नहर पुलिया के पास दबोच लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों में राजन सिंह निवासी मोहल्ला कचेहरान, कटरा देवा और अनूप कुमार निवासी अड़ौरा देवा शामिल हैं। इनके पास से 3 लाख 60 हजार रुपये नकद और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने बताया बढ़ते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने का प्रयास जारी है। पकड़े गए आरोपी एक संगठित गिरोह का हिस्सा हैं जो टेलीग्राम और व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्मों का इस्तेमाल कर लोगों को अश्लील वीडियो भेज ब्लैकमेल करते थे। इसके अलावा "वर्क फ्रॉम होम", "ऑनलाइन टास्क", "निवेश कर पैसा दोगुना करने" जैसे झांसे देकर ठगी की जाती थी। आरोपियों द्वारा लोगों के मोबाइल पर फर्जी अकाउंट, स्कैनर या वीपीए भेजकर पेमेंट करवाया जाता था। राजन सिंह ने पिता का नाम बदलकर एयरटेल पेमेंट्स बैंक में खाता भी खुलवाया था। जांच में यह भी सामने आया कि इनकी ठगी का शिकार गुजरात और उड़ीसा तक के लोग हुए हैं। गुजरात के पीड़ित द्वारा 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत भी दर्ज कराई गई है। गिरोह के यशराज सिंह और सिद्धार्थ तिवारी की तलाश जारी है।

गिरफ्तारी की जानकारी देते पुलिस अधीक्षक। अमृत विचार

चाय बनाने में हुआ विवाद पत्नी ने लगाई आग

बाराबंकी, अमृत विचार : कोतवाली नगर थाना क्षेत्र में रविवार सुबह चाय बनाने को लेकर हुए मामूली विवाद ने बड़ा रूप ले लिया। घरेलू कलह से परेशान विवाहिता ने खुद पर मिट्टी का तेल डालकर आग लगा ली, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गईं। जानकारी के अनुसार यह घटना आजादनगर मोहल्ले में संजय मौर्य के घर हुई। बताया जा रहा कि हर रविवार चाय बनाने की ज़िम्मेदारी प्रिया मौर्य के पति संजय मौर्य की होती है। इस बार रविवार को संजय ने चाय नहीं बनाई, जिस पर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि प्रिया ने गुस्से में खुद को आग के हवाले कर दिया। आग लगने के बाद घर के लोग और पड़ोसी मौके पर दौड़े और किसी तरह आग बुझाकर प्रिया को जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उनकी हालत बेहद गंभीर बताई गई है और इलाज जारी है। सूचना पर स्थानीय पुलिस भी अस्पताल पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि कार्रवाई की जाएगी।

कैंप में एसआईआर गणना फॉर्म की जानकारी लेते आनंद द्विवेदी व अन्य। अमृत विचार

महानगर अध्यक्ष ने मेगा कैंप का निरीक्षण कर एसआईआर गणना फॉर्म की ली जानकारी

लखनऊ, अमृत विचार : पश्चिम विधानसभा मतदाता गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत रविवार को महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने पश्चिम विधानसभा की विभिन्न पोलिंग स्टेशन के बूथों पर महानगर एसआईआर अभियान के संयोजक चेतन बिष्ट व पश्चिम विधानसभा के संयोजक प्रकाश मिश्रा के साथ मेगा कैंप का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अब तक जमा हुए एसआईआर गणना फॉर्म की जानकारी ली साथ ही भाजपा कार्यकर्ताओं और अधिकारियों का उत्साह बढ़ाया। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष सोमेंद्र पांडे, निवर्तमान मंडल अध्यक्ष राजेश मिश्रा राजन, अरविंद मिश्रा, राहुल शुक्ला संजू, राहुल दीक्षित, नवनीत मिश्रा, मनीष पांडे, पवन द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

विवाहिता को जलाने का प्रयास, मिली धमकी

निन्दूरा, बाराबंकी : दहेज को लेकर प्रताड़ित की जा रही एक विवाहिता को ससुराल में जलाने का प्रयास किया गया। असफल ससुराली अब पति की दूसरी शादी की धमकी दे रहे हैं। ग्राम रामपुर निवासी नाजमा पत्नी मोहम्मद सफीक ने बताया कि उसकी बेटी नाजमीन की शादी लगभग तीन वर्ष पूर्व मोहम्मद आशिफ पुत्र अजमेरी निवासी ग्राम बुढ़ना से की गई थी, विवाह के बाद से ही नाजमा दहेज की अतिरिक्त मांग को लेकर उत्पीड़न का सामना कर रही है। आरोप लगाया कि पति मोहम्मद आशिफ पुत्र अजमेरी, देवर नदीम पुत्र अजमेरी, सास शम्मो पत्नी अजमेरी, कदीर पुत्र अजमेरी लगातार उसकी बेटी से बुलेट व सोने की चेन मांग रहे थे। मांग पूरी न होने पर नाजमीन से मारपीट, भोजन न देने जैसी प्रताड़ना की गई।

विरोध करने पर दंपति की कर दी पिटाई

रामसनेहीघाट, बाराबंकी : घर में अकेली महिला के अनुचित दबाव से इंकार करने पर दबंगों ने पति पत्नी की पिटाई की व झूठे मामले में फंसा देने की धमकी दी। दरियाबाद कस्बा के एक मोहल्ला की रहने वाली पीड़िता ने तहरीर में बताया कि 22 नवंबर की दोपहर वह अकेली घर पर थी, तभी पड़ोसी इस्तिखार पुत्र वेचू जबरन घर में घुस आया और शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाने लगा। महिला के विरोध करने और चिल्लाने पर वह उसका हाथ पकड़कर खींचने लगा। इसी दौरान पति भी मौके पर पहुंचा। खुद को बचता देख इस्तिखार ने घर में पड़े डंडे से दंपति पर हमला कर दिया। इसके बाद उसकी पत्नी भी वहां आ गई और लाठी-डंडों से मारने का प्रयास किया। घटना में पति-पत्नी दोनों घायल हुए हैं।

महिला पर लोहे की रॉड व लाठी-डंडों से हमला

बाराबंकी, अमृत विचार : सतरिख कोतवाली क्षेत्र में एक महिला पर चार लोगों ने मिलकर लोहे की रॉड, लाठी और डंडों से जानलेवा हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। ग्राम गढ़ी मजरे भिटौली कला की रहने वाली शाहीन ने पुलिस को बताया कि शनिवार शाम वह दवाई लेकर जैसे ही गढ़ी-सतरिख रोड के पास पहुंची, आरोपित सिराज, इसरार अली उर्फ गुग्गी, आरिफ पुत्र मुनीर ने उसे रास्ते में घेर लिया। इसरार ने महिला को पकड़ा और सिराज ने लोहे की रॉड से उसके हाथ पर वार किया, जिससे वह गिर पड़ी। इसके बाद आरिफ ने बाल पकड़कर सड़क किनारे ले जाकर लात-घूंसों से बुरी तरह मारा।

झोलाछाप के ऑपरेशन से महिला की मौत

कोठी, बाराबंकी : कस्बे में बदनाम होने के साथ ही सीज हो चुके पुरुषोत्तम औषधालय में पथरी के ऑपरेशन के दौरान महिला की मौत हो गई। नाराज परिजनों ने शव वहीं रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया तो डाक्टर फरार हो गया। ग्राम डफरापुर निवासी फतेह बहादुर की पत्नी मुनिशरा को पथरी की शिकायत थी। उसे शुक्रवार शाम कोठी कस्बा स्थित झोलाछाप ज्ञान प्रकाश मिश्र की क्लीनिक पुरुषोत्तम औषधालय पर ले जाया गया। परिजनों के अनुसार अस्पताल संचालक ने हजारों रुपये लेकर ऑपरेशन का आश्वासन दिया, लेकिन शनिवार शाम करीब छह बजे महिला की मौत हो गई। महिला के मरने से आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल संचालक पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना था कि अस्पताल में न तो पर्याप्त चिकित्सा उपकरण थे और न ही विशेषज्ञ डॉक्टर मौजूद मिले, इसके बावजूद ऑपरेशन करने से मरीज की जान चली गई।

अवैध कोयला परिवहन करते पकड़ी गई डीसीएम

हैदरगढ़, बाराबंकी : शनिवार रात वन दरोगा ने अवैध रूप से लकड़ी का कोयला लेकर बिहार जा रही एक डीसीएम के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। वन दरोगा अनुज कुमार सिंह रात में अपने कार्यक्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान हैदरगढ़–महाराजगंज मार्ग पर रायबरेली सीमा की ओर से आती एक संदिग्ध डीसीएम दिखाई दी। संदेह होने पर पीछा करके वाहन को हैदरगढ़ चौराहे पर रोका गया। पूछताछ में चालक आशीष कुमार पुत्र राजकुमार निवासी सिकरी, थाना हलियापुर, जनपद सुल्तानपुर ने बताया कि वाहन में लकड़ी का कोयला लदा है और उसे रीवा गांव, थाना महाराजगंज से राधेश्याम डिपो, परनिया गली, पटना (बिहार) भेजा जा रहा है। चालक परिवहन पास नहीं दिखा सका, जिसके बाद वाहन को रेंज कार्यालय ले जाया गया। वाहन पकड़ने के लगभग 20 मिनट बाद हलोर, थाना महाराजगंज निवासी अयाज का फोन आया। उसने बताया कि उसके पास परिवहन पास है और उसने व्हाट्सऐप के जरिए दो पास भेजे। जांच में बछरावां रेंज के वन क्षेत्राधिकारी नावेद सिद्दीकी ने दोनों पास को फर्जी बताया।

भाकियू अराजनैतिक ने दी आंदोलन की धमकी

हैदरगढ़, बाराबंकी : भाकियू अराजनैतिक ब्लॉक इकाई हैदरगढ़ की मासिक बैठक रविवार को ब्लॉक परिसर स्थित शिव मंदिर पर आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता तहसील अध्यक्ष कुंवर बहादुर सिंह व ब्लॉक अध्यक्ष आदिल खान ने की, जबकि संचालन युवा ब्लॉक अध्यक्ष फूलचंद रावत ने किया। तहसील अध्यक्ष ने कहा कि गेहूं व सरसों की फसल की सिंचाई प्रभावित हो रही है क्योंकि नहरों में अभी तक पानी नहीं छोड़ा गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि जल्द पानी न छोड़ा गया तो नहर विभाग का घेराव किया जाएगा। ब्लॉक अध्यक्ष आदिल खान ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैदरगढ़ में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि अल्ट्रासाउंड व एक्स-रे मशीनें सिर्फ शोपीस बनी हैं। डॉक्टर सरकारी अस्पताल में बैठकर बाहर की दवाएं लिख रहे हैं, जिससे मरीज आर्थिक बोझ झेल रहे हैं।

नशे में आत्मदाह कर झुलसे व्यक्ति की मौत

रामनगर, बाराबंकी : पत्नी से हुए विवाद के बाद आत्मदाह कर गंभीर रूप से झुलसे व्यक्ति की ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान मौत हो गई। सरयू पुल के पास तपेसिपाह मार्ग स्थित मोड़ के निकट बने मंदिर के पास खड़बढ़ (50) निवासी सिद्धार्थनगर थाना मिश्रोलिया पिछले तीन माह से परिवार सहित रह रहा था। वह शराब का बहुत सेवन करता था, जिससे आए दिन विवाद की स्थिति बनती थी। शनिवार शाम वह नशे की हालत में घर पहुँचा और पत्नी से भोजन को लेकर कहासुनी करने लगा। भोजन पर नाराजगी जताते हुए उसने खाना फेंक दिया और झगड़ा बढ़ने पर अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली।

सम्मेलन मे महिला डॉक्टर्स ने समाजसेवी विजय कपूर को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। अमृत विचार

रोबोटिक सर्जरी कैंसर के इलाज में है कारगर

कानपुर, अमृत विचार : गर्भाशय, ओवरी और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के इलाज में रोबोटिक और न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी का बहुत महत्वपूर्ण रोल है, क्योंकि ये पारंपरिक सर्जरी की तुलना में छोटे चीरे, कम रक्तस्राव, कम दर्द, अस्पताल में कम समय और तेज रिकवरी प्रदान करती हैं। जिससे मरीजों की जिंदगी की गुणवत्ता बेहतर होती है। इसकी मदद से जटिल से जटिल सर्जरी को करने में आसानी होती है। यह जानकारी राज्य स्तरीय वैज्ञानिक सम्मेलन में स्त्री रोग विशेषज्ञों ने दी। आर्य नगर स्थित गैंजेस क्लब में रविवार को उत्तर प्रदेश स्टेट चैप्टर ऑफ एसोसिएशन ऑफ गाइनैकॉलॉजिक ऑन्कोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया की 12वीं वार्षिक राज्य स्तरीय वैज्ञानिक सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमे सम्मेलन की संरक्षक डॉ.मीरा अग्निहोत्री और यूपीएससी एजीओआई की अध्यक्ष डॉ. किरन पांडे ने बताया कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य स्त्री रोग कैंसर की रोकथाम, शीघ्र पहचान, आधुनिक वैज्ञानिक व सर्जिकल तकनीकों के माध्यम से बेहतर उपचार को बढ़ावा देना रहा। दिल्ली से आईं एजीओआई की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रूपिंदर सेखोंन ने अंडाशय के कैंसर व सामान्य गाठों के बारे में बताया।

जिला जेल में बंदी की हालत बिगड़ने से मौत

बाराबंकी, अमृत विचार : हत्या के मामले में सजा काट रहे बंदी की लखनऊ मेडिकल कालेज में मौत हो गई। हृदय रोग से पीड़ित बंदी की हालत बिगड़ने पर लखनऊ ले जाया गया। जहां सुधार के बाद वापस लाते समय फिर तबीयत बिगड़ी, पर अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया। जानकारी के अनुसार कोठी थाना क्षेत्र के मझियावां गांव निवासी मुश्तकीम खां साहेब 58 को हत्या के मामले में उम्र कैद की सजा मिली थी। वह अगस्त 2015 से जेल में बंद है। हृदय की बीमारी के चलते उसका इलाज लोहिया अस्पताल से चल रहा था। डॉक्टरों ने उसका ऑपरेशन भी प्रस्तावित किया था। शनिवार सुबह बंदी की तबीयत अचानक जेल में बिगड़ गई। जेल चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार के बाद उसे केजीएमयू रेफर कर दिया गया। जहां कुछ सुधार के बाद उसे वापस जिला जेल लाया जा रहा था कि रास्ते में उसकी हालत फिर बिगड़ गई। तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जेलर राजेंद्र सिंह ने बताया कि बंदी की मौत की जांच के लिए पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

गोकशी व हत्या के प्रयास के अभियुक्त की पुलिस से मुठभेड़, पैर में लगी गोली

संवाददाता, प्रतापगढ़

अमृत विचार : आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के भीखमपुर नहर पुलिया के समीप शनिवार रात पुलिस की बदमाश से मुठभेड़ हुई। इसमें गोकशी और हत्या के प्रयास करने वाले ओंकारनाथ पुत्र पाहीलाल निवासी उदईपुर पुलिस की गोली से घायल हो गया। उसने घेराबंदी करने पर पुलिस टीम पर फायरिंग की थी। पुलिस से घिरता देख ओंकारनाथ ने पुलिस टीम पर फायरिंग की थी। इसके बाद आत्म सुरक्षा में पुलिस ने भी फायरिंग की तो एक गोली ओंकारनाथ के दाहिने पैर में लगी। इससे वह घायल हो गया। पुलिस ने उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने ओंकारनाथ के पास से विना नंबर प्लेट की एक बाइक, एक तमंचा, दो खोखा व एक कारतूस बरामद किया। पुलिस के अनुसार चार सितंबर 2021 को आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के कोपा गांव में गोमांस से भरी बोरी मिली थी, जिसमें यह वांछित था। इसके अलावा 29 सितंबर 2021 को ओंकारनाथ ने सेतापुर खडखडहवा पुल के पास पुलिस टीम पर गोवंश से लदा वाहन चढ़ाने की कोशिश की थी। इस मामले का मुकदमा आसपुर देवसरा थाना में पंजीकृत है। आसपुर देवसरा की पुलिस की पुलिस इसे सरगर्मी से तलाश कर रही थी। इस मामले में एसओ आसपुर देवसरा विजेंद्र सिंह ने बताया की किसी भी अपराधी को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

महादेवा कॉरिडोर के लिए भूमि अधिग्रहण की अधिसूचना जारी

रामनगर, बाराबंकी: महादेवा कॉरिडोर परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए उन भूमि-खण्डों का अधिग्रहण किया जाएगा, जिन पर मुकदमे लंबित होने के कारण अब तक कब्जा उपलब्ध नहीं हो सका था। जिले के डीएम ने संबंधित भू-स्वामियों के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। अधिसूचना के अनुसार कोई भी प्रभावित पक्ष 60 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति जिलाधिकारी के समक्ष दर्ज करा सकता है। तहसीलदार विपुल कुमार सिंह ने बताया कि परियोजना के लिए पहले भी कई भू-स्वामी प्रतिकर लेकर भूमि बैनामा कर चुके हैं और वह भूमि पर्यटन विभाग को हस्तांतरित हो चुकी है। हालांकि कुछ

लोधेश्वर महादेव। अमृत विचार

आवश्यक भूखंड अभी तक उपलब्ध न होने के कारण राज्य सरकार ने भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम के तहत प्रक्रिया शुरू की है। उक्त अधिनियम की धारा अंतर्गत ग्राम लोधीरा की कुल 1.4099 हेक्टेयर भूमि को महादेवा कॉरिडोर के लिए अधिग्रहित किए जाने का अनुमोदन राज्य सरकार से प्राप्त हुआ, जिसके बाद डीएम ने अधिसूचना जारी की है। भूमि अर्जन समिति की रिपोर्ट में इस भूमि को जनहित में बताया गया है। इस बीच कुछ प्रभावित किसानों का कहना है कि उनका मुआवजा अपेक्षा से कम तय किया जा रहा है। बहुशाखीय समिति ने सुझाव दिया है कि 2013 के अधिनियम की भावना के अनुरूप वार्ता कर उचित मुआवजा निर्धारित किया जाए। प्रशासन की ओर से जारी अधिसूचना में स्पष्ट कहा गया है कि सभी प्रभावित पक्ष निर्धारित समयसीमा में अपनी आपत्तियाँ प्रस्तुत कर सकते हैं।

मोबाइल के साथ लोग व पुलिस अधिकारी। अमृत विचार

स्वामियों को मिले 30 लाख के 160 मोबाइल फोन

बाराबंकी, अमृत विचार : सर्विलांस सेल और थाना स्तर की संयुक्त टीमों ने एक विशेष अभियान चलाते हुए करीब 30 लाख रुपये मूल्य के 160 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद करने में बड़ी सफलता हासिल की है। रविवार को यह मोबाइल उनके स्वामियों के सुपुर्द कर दिए गए। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय के निर्देशन में संचालित इस अभियान में सीईआईआर पोर्टल की तकनीकी मदद से मोबाइलों को ट्रैक किया गया। पुलिस लाइन स्थित सभागार में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक ने बरामद मोबाइल उनके वास्तविक स्वामियों को सौंपे। अपने खोए हुए फोन वापस पाकर लोगों ने संतोष व्यक्त किया और बाराबंकी पुलिस का आभार जताया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आमजन द्वारा मोबाइल फोन गुम होने की शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु सर्विलांस टीम और सभी थानों को विशेष निर्देश दिए गए थे। उसी के परिणामस्वरूप यह बड़ी सफलता मिली है।

विद्युत तारों में फंसा डंपर, आपूर्ति बाधित

देवा, बाराबंकी : कोतवाली परिसर से बेकार वाहनों को लेकर जा रहा डंपर बिजली के तारों में फंस गया। अचानक खिंचाव से बिजली के दो खंभे गिरे और कस्बे की आपूर्ति बंद हो गई। नपं अध्यक्ष ने मौके का जायजा लिया और लाखों के नुकसान की बात कही। बताते चलें कि 16 दिसंबर को प्रस्तावित डीजी निरीक्षण की तैयारियों के बीच कोतवाली परिसर की साफ-सफाई और जब्त वाहनों को हटाने का कार्य जारी है। इसी क्रम में दुर्घटनाग्रस्त व अन्य मामलों में पकड़े गए पुराने वाहनों को माती चौकी के पास स्थित भूखंड पर डंप किया जा रहा था। रविवार शाम कुर्सी रोड चौराहे पर कबाड़ से भरा एक डंपर ओवरहाइट होने के कारण ऊपर से गुजर रही बिजली के तारों में फंस गया। तारों के खिंचाव से नगर पंचायत की पथ प्रकाश व्यवस्था से जुड़े दो खंभे गिर गए। सूचना पर नपं चेयरमैन हारून वारसी पहुंचे और उन्होंने नगर पंचायत की विद्युत टीम को तुरंत मरम्मत कार्य शुरू करने के निर्देश दिए।

अमृत विचार

लखनऊ , सोमवार,8 दिसंबर 2025 लखनऊ

न्यूज ब्रीफ

सीओ ने किया थानों का निरीक्षण

कुशीनगर, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक कुशीनगर केशव कुमार के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी कसया कुन्दन कुमार सिंह द्वारा कोतवाली हाटा व थाना अहिरौली बाजार के लंबित विवेचनाओं व के विवेचको के साथ अर्दली रुम का निरीक्षण किया गया, जिसमे विवेचनाओं की समीक्षा कर लंबित अभियोगों के शीघ्र निस्तारण के संबंध में निर्देश दिए गए। थाने पर आने वाले पीड़ितों की धैर्यपूर्वक शिकायत सुनकर त्वरित जांच कराते हुए विधिक कार्यवाही हेतु निर्देश दिए गए।

डॉ. राम आशीष सिंह को दी गई श्रद्धांजलि

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। ऑल टीचर्स एम्प्लॉइज़ वेलफ़ेयर एसोसिएशन (अटेवा) के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने रविवार को डॉ. राम आशीष सिंह की पुण्यतिथि पर कलेक्ट्रेट परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस मौके पर जिलाध्यक्ष बृजेश द्विवेदी, जिला संयोजिका कल्पना, जिला महामंत्री संजय कर पाठक एवं जिला कोषाध्यक्ष श्रीकृष्ण चौधरी प्रमुख रूप से मौजूद रहे। बता दें कि पुरानी पेंशन बहाली मंच अटेवा उत्तर प्रदेश द्वारा 7 दिसंबर 2016 को लखनऊ विधानसभा के सामने प्रदेश प्रदर्शन के दौरान हुए पुलिस लाठीचार्ज एवं अफरा-तफरी में डॉ. राम आशीष सिंह का आकस्मिक निधन हो गया था।

आवंटित दुकानों का किराया बढ़ने से रोष

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। रेलवे द्वारा अपनी जमीन पर आवंटित किए गए दुकानों के किराए में किए गए अप्रत्याशित वृद्धि को लेकर सिद्धार्थनगर के व्यापारियों में रोष व्याप्त है। जिसे लेकर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के जिलाध्यक्ष अजय कसौधन के नेतृत्व में सैकड़ों व्यापारियों द्वारा रविवार को सांसद जगदंबिका पाल को ज्ञापन सौंप अप्रत्याशित हुए किराया वृद्धि को कम किए जाने की मांग किया गया है। कहा कि किराया अब अब 400 गुणा बढ़ा के वार्षिक 70,000 कर दिया गया है, जो कि यहां के व्यापारियों के लिए बहुत ही अधिक है।

दिग्विजय नाथ पीजी कॉलेज की टीम ने जीता फाइनल का मुकाबला

संवाददाता, गोरखपुर

- महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक परिसर में वालीबॉल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

अमृत विचार। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह 2025 के अंतर्गत आयोजित विभिन्न खेलकूद की प्रतियोगिताओं में बॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक के ग्राउंड पर आयोजित किया गया। संस्था के प्रधानाचार्य डॉ अनिल प्रकाश सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए कहा कि वॉलीबॉल, एक गतिशील और रोमांचक खेल है, इसे एथलेटिक, रणनीति और सौहार्द के अपने मिश्रण के लिए सराहा गया है। इस गेम से टीम भावना की प्रेरणा मिलती है।

रविवार को हुए मैच में महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूषण ने दिग्विजय नाथ इंटर कॉलेज चौक बाजार महाराजगंज को 2-0 से, महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज सिविल लाइंस गोरखपुर में एनएस अकैडमी गोरखपुर को 2-0, महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक गोरखपुर ने महाराणा प्रताप कन्या इंटर कॉलेज रमदत्तपुर गोरखपुर को 2-0 से, दिग्विजय नाथ पीजी कॉलेज गोरखपुर ने महाराणा प्रताप सीनियर सेकेंडरी स्कूल मंगला देवी बेतियाहाता को 2-0 से महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूषण ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय बालापार गोरखपुर को 2-1 से पराजित कर अगले दौर में प्रवेश किया। सेमीफाइनल में दिग्विजय नाथ पीजी कॉलेज गोरखपुर ने महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक गोरखपुर को 2-0 से तथा महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज सिविल लाइंस गोरखपुर ने महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूषण को 2-0 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबले में दिग्विजय नाथ पीजी कॉलेज गोरखपुर ने महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज सिविल लाइंस गोरखपुर को 2-0 से पराजित कर विजेता स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक के क्रीडा अधीक्षक राजीव कुमार चौरसिया, क्रीड़ा अधिकारी मनीष कुमार सिंह संजय यादव सत्यवान वर्मा एवं संस्था के सभी शिक्षक कर्मचारी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद से जुड़ी संस्थाओं के प्राध्यापक पूर्वोत्तर रेलवे से जुड़े हुए निर्णायक मंडल के सदस्य उपस्थित रहे। यह जानकारी संस्था के शिक्षक एवं मीडिया प्रभारी माधवेंद्र राज द्वारा दी गई।

पूर्वोत्तर रेलवे ने जीती चैम्पियनशिप

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन का क्रम जारी है। इसी क्रम में 4 से 7 दिसम्बर तक बुलंदशहर में आयोजित 64वीं उत्तर प्रदेश बास्केटबॉल चैम्पियनशिप-2025 जीत ली। फाइनल में पूर्वोत्तर रेलवे की महिला बास्केटबॉल टीम ने उत्तर प्रदेश पुलिस टीम को 36-29 अंकों से पराजित कर चैम्पियनशिप जीती। इस चैम्पियनशिप में पूर्वोत्तर रेलवे सहित 18 टीमों ने भाग लिया। पूर्वोत्तर रेलवे की महिला बास्केटबॉल टीम की ओर से संगीता दास, अस्वति सी.पी., श्रुति यादव, शमा प्रवीण, संजू यादव, वृंदा वत्स एवं आँचल ने भाग लिया। इन खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से पूर्वोत्तर रेलवे को गौरवान्वित किया। महिला खिलाड़ियों की इन उपलब्धियों पर महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर, अध्यक्ष नरसा अभय कुमार गुप्ता, महासचिव/नरसा पंकज कुमार सिंह तथा सहायक क्रीड़ा अधिकारी चन्द्र विजय सिंह, बास्केटबॉल कोच भवर सिंह एवं आशुतोष तथा टीम मैनेजर राजेश ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

देश भर में कुल 2,364 किसान रेल सेवाएं चलाई गईं

नई दिल्ली, अमृत विचार। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया की सब्ज़ियों, फलों और दूसरी खराब होने वाली चीज़ों की आवाजाही के लिए संभावित सर्किट की पहचान कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय और राज्य सरकारों के कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन विभागों के साथ-साथ स्थानीय निकायों और एजेंसियों, मंडियों आदि के साथ सलाह करके की जाती है, और ऑपरेशनल फ़िज़िबिलिटी को ध्यान में रखते हुए, माँग के आधार पर लागू टैरिफ़ पर सेवाओं की योजना बनाई जाती है। 7 अगस्त, 2020 को किसान रेल सेवा शुरू होने के बाद से, देश भर में कुल 2,364 किसान रेल सेवाएं चलाई गई हैं।

रोडवेज बस से टकराई कार, 3 की मौत

ओवरटेकिंग के प्रयास में हुआ भीषण हादसा, 2 घायलों की हालत गंभीर, लखनऊ रेफर

संवाददाता गोंडा

अमृत विचार: गोंडा के वजीरगंज थाना क्षेत्र के अनभुला गांव के पास रविवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि बच्ची समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दो को लखनऊ रेफर किया है।

हादसा रविवार की सुबह करीब 8 बजे उस वक्त हुआ, जब गोंडा से अयोध्या की तरफ जा रही ब्रेजा कार अपने आगे चल रहे वाहन को ओवरटेक करते समय सामने से आ रही उत्तराखंड रोडवेज की बस से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा बस के भीतर घुस गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को पहले सीएचसी वजीरगंज पहुंचाया जहां से सभी को जिला अस्पताल भेज दिया गया।

रोडवेज बस से भिड़ी कार।

जिला अस्पताल में डाक्टरों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। जबकि दो लोगों को गंभीर हालत में लखनऊ मेडिकल कालेज रेफर किया गया है। मृतकों की पहचान आशु अग्रवाल (32) निवासी आगरा, अक्षत (34) व नीता अग्रवाल (55) कानपुर के रूप में हुई है। नितिन अग्रवाल (32) व नेहा (32) की हालत गंभीर बताई जा रही है।

जिले के नगर कोतवाली क्षेत्र के आवास विकास कालोनी के रहने वाले नितिन अग्रवाल अग्रवाल की चार दिसंबर को शादी थी। उसमें शामिल होने के लिए कानपुर व आगरा से रिश्तेदार आए हुए थे। वैवाहिक कार्यक्रम संपन्न होने के बाद रविवार सुबह अयोध्या से फ्लाइट पकड़ने के लिए गोंडा से अयोध्या जा रहे थे। हादसे के बाद घायलों को वजीरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां से उन्हें जिला अस्पताल भेजा गया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने 3 लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि दो घायलों को बेहतर उपचार के लिए केजीएमयू लखनऊ रेफर किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी राधेश्याम राय ने बताया कि कार सवार एक बच्ची अनाया (3) को हल्की चोट आई थी।

अयोध्या में खंभे से टकराई तेज रफ्तार कार, दो किशोरों की मौत व युवक गंभीर

अक्षय व फागुन वीरानी की फाइल फोटो।

अयोध्या, अमृत विचार : थाना कैंट अंतर्गत मीरनघाट इलाके में शनिवार की देर रात करीब दो बजे एक तेज रफ्तार कार सड़क किनारे लगे खंभे से टकरा गई। दुर्घटना में दो किशोरों की मौत हो गई जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। तीनों घर से बताए बिना कार चलाने के लिए निकले थे। दोनों मृतक अपने माता-पिता के इकलौते पुत्र थे। मुकेरी टोला निवासी फागुन वीरानी (15) पुत्र गीतेश विरानी शनिवार रात करीब 11 बजे घर से बिना बताए कार लेकर निकला। पूर्व योजना के अनुसार नाका निवासी उसका दोस्त अक्षय सिंह (16) पुत्र राकेश सिंह व देवनगर कॉलोनी निवासी हर्ष अग्रहरि (19) पुत्र उदय नारायन उसे रास्ते में मिले। तीनों ने मीरनघाट के सुनसान इलाके में गाड़ी चलाना उचित समझा। रात करीब दो बजे जमथरा की ओर से आते राजकीय उद्यान विभाग के कार्यालय के सामने कार एक खंभे से टकरा गई। दुर्घटना में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने फागुन व अक्षय को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल हर्ष को लखनऊ रेफर कर दिया।

ट्रक मालिक को ब्याज के साथ भुगतान का आदेश

संवाददाता, संत कबीर नगर

अमृत विचार। जिला उपभोक्ता फोरम ने एक महत्वपूर्ण फैसले में न्यू इण्डिया इंश्योरेंस कम्पनी, गोरखपुर को ट्रक स्वामी को 1,94,040 का भुगतान करने का आदेश दिया है। आयोग ने यह राशि दुर्घटना की सूचना दिए जाने की तिथि से लेकर अंतिम भुगतान की तिथि तक 10 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित अदा करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, कंपनी को 50,000 क्षतिपूर्ति तथा 10,000 मुकदमे का खर्च, कुल 60,000 अतिरिक्त भुगतान करना होगा। निर्णय का अनुपालन 60 दिनों के भीतर अनिवार्य किया गया है। अधिवक्ता रणजीत कुमार चौधरी ने बताया कि पीड़ित राजीव कुमार यादव निवासी अनई, खलीलाबाद ने गोरखपुर स्थित न्यू इण्डिया इंश्योरेंस कम्पनी के शाखा प्रबंधक के विरुद्ध जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में परिवाद दाखिल किया गया था। उन्होंने बताया कि राजीव कुमार ट्रक नंबर UP 58 T 7022 के स्वामी हैं। उनके ट्रक का बीमा 27 जनवरी 2022 को 42,286 प्रीमियम देकर कराया गया। बीमा की वैधता 26 जनवरी 2023 तक थी तथा वाहन का परमिट और चालक के लाइसेंस भी वैध थे। 16 अगस्त 2022 को बिहार के पूर्णिया जनपद में बेलौरा चौकी क्षेत्र में एक व्यक्ति को बचाने के प्रयास में ट्रक अनियंत्रित होकर ट्रांसफॉर्मर से टकरा गया। विद्युत विभाग ने नुकसान का आंकलन 1,94,040 किया, जिसका भुगतान परिवादी ने किया। दुर्घटना की सूचना अगले दिन कंपनी को देने के बावजूद भुगतान नहीं किया गया। बीमा कम्पनी ने तर्क दिया कि यह न्यायालय द्वारा लगाया गया अर्थदण्ड है, जिसका भुगतान कंपनी के दायित्व में नहीं आता।

शिविर में 31 लोगों ने किया रक्तदान

संवाददाता, शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर

शिविर में मौजूद रक्तदानी। अमृत विचार

अमृत विचार। नगर पंचायत शोहरतगढ़ सभागार में शनिवार को चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने एचडीएफसी बैंक द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया। रक्तदान शिविर पर चेयरमैन रवि अग्रवाल समेत कस्बे के 31 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया।

इस शिविर में नगर के युवाओं एवं एचडीएफसी बैंक कर्मियों ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। ब्लड डोनेरो को प्रमाण पत्र भी वितरित किया गया। जिला ब्लड बैंक एवं स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर डॉ0 अमन जायसवाल, एलटी शम्भूनाथ त्रिपाठी, काउन्सलेर डॉ. अनीता, एलटी पंकज पाण्डेय सहित स्टॉप नर्स विवेक मिश्रा, सुभाष आदि की मौजूदगी में रक्तदान करने वाले लोगों का बल्ड ग्रुप एवं बीपी आदि परीक्षण के बाद उनसे ब्लड डोनेट कराया गया। इस दौरान चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने बताया कि रक्त दान करने से दिल की सेहत में सुधार, दिल की बीमारियों और स्ट्रोक के खतरे को कम माना जाता है। खून में आयरन की ज्यादा मात्रा दिल के दौरे के खतरे को बढ़ा सकती है।

विशेष गाड़ियों का संचालन 8 व 10 को

गोरखपुर, अमृत विचार। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग पर दिल्ली के लिए 05563/05564 दरभंगा-आनन्द विहार टर्मिनस-दरभंगा विशेष गाड़ी का संचलन दरभंगा से 8 दिसम्बर को तथा आनन्द विहार टर्मिनस से 10 दिसम्बर को एक फेरे के लिए किया जायेगा। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेजयान का 01, एल.एस.एल.आर. डी का 01, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 03, शयनयान के 07, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06, वातानुकूलित द्वितिय श्रेणी के 02 तथा वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी के 01 कोच सहित कुल 21 कोच लगाये जायेंगे। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

इंस्पेक्टर हत्या के मामले में महिला सिपाही गिरफ्तार

जालौन/संतकबीरनगर

धनघटा स्थित बिडहरघाट पर इंस्पेक्टर अरुण राय के अंतिम संस्कार के दौरान गॉड ऑफ ऑनर देते पुलिस कर्मी। अमृत विचार

अमृत विचार। जालौन के कुठौद थाने के प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार राय की संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से मौत हो गई थी। मामले में पुलिस ने आरोपी एक महिला आरक्षी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया कि बीते शुक्रवार की रात प्रभारी निरीक्षक राय की गोली लगने से मौत के बाद उनकी पत्नी माया राय ने एक महिला आरक्षी पर हत्या का आरोप लगाया था। पुलिस ने रविवार को महिला आरक्षी को गिरफ्तार कर लिया। जालौन के पुलिस अधीक्षक डॉ दुर्गेश कुमार ने बताया कि विगत पांच दिसंबर को थाना कुठौद के प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार राय की गोली लगने से मृत्यु हो गई थी। दिवंगत निरीक्षक की पत्नी माया राय ने थाना कोच में 'डायल 112' नंबर में तैनात महिला आरक्षी मीनाक्षी शर्मा पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक को तहरीर दी थी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर शर्मा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की हत्या की धारा के तहत प्राथमिकी दर्ज की और उसी आधार पर रविवार को शर्मा को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

दिवंगत इंस्पेक्टर को बेटे ने दी मुखाग्नि

संतकबीरनगर, अमृत विचार। धनघटा थाना क्षेत्र के रजनौली गांव में शनिवार देर रात जालौन इंस्पेक्टर अरुण राय का पार्थिव शरीर पहुंचते ही चीख-पुकार मच गई। रविवार सुबह सरयू नदी के बिडहर घाट पर अंतिम संस्कार के दौरान भावुक माहौल रहा। मृतक के 20 वर्षीय पुत्र ने पिता को नम आंखों के साथ मुखाग्नि दी। वहीं, पुलिस विभाग ने दिवंगत इंस्पेक्टर को गार्ड ऑफ ऑनर देकर अंतिम विदाई दी।

शस्त्र सेना झंडा दिवस पर डीएम को स्टीकर लगा अभियान की शुरुआत

संवाददाता कुशीनगर, अमृत विचार: सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर रविवार को जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय के कनिष्ठ सहायक प्रभाकर नाथ तिवारी द्वारा जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर को झंडा स्टीकर लगाकर अभियान की औपचारिक शुरुआत की गई। सशस्त्र सेना झंडा दिवस का धन संग्रह अभियान पूरे वर्ष संचालित किया जाएगा। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय द्वारा धन संग्रह हेतु समस्त सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों, नगर पालिका व नगर पंचायतों, तथा विभिन्न व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को झंडा स्टीकर एवं वाहन झंडे उपलब्ध करा दिए गए हैं। सभी नागरिकों, कर्मचारियों एवं संस्थानों से अपील की गई है कि इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें और इसे सफल बनाएं।

एथलेटिक्स अंडर-17 टीम की गई घोषित

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में 13 से 17 दिसम्बर तक उप्र के लखनऊ में आयोजित होने वाली 69 वीं राष्ट्रीय विद्यालयीय एथलेटिक्स अंडर-17 प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली उप्र टीम रविवार को डॉ. आंबेडकर राज्य विद्यालयीय क्रीड़ा संस्थान के प्राचार्य आरपी शर्मा की ओर से घोषित कर दी गई।

चयनित टीम क्रीड़ा संस्थान से 12 दिसम्बर को प्रतियोगिता के लिए रवाना होगी। चयनित बालक टीम में वाराणसी के हरित चौधरी, शरद शर्मा, आदित्य यादव, लखनऊ के ऋषभ तोमर, समीर खान, सत्यम कैलाश पाल, अतुल यादव, बरेली के मो. आमिर, फिरोजाबाद के शिवम यादव, शिवम, प्रियांशु, मुजफ्फरनगर के सागर प्रजापति, गोरखपुर के हनु यादव, प्रयागराज के सुधीर, मो. कैफ, अमित कुमार यादव, बागपत के अनुराग, मेरठ के प्रशान्त शामिल हैं। बालिका टीम में वाराणसी की काजल कुमारी, चांदनी, खुशी पटेल, अयोध्या की कोमल यादव, गीता यादव, गाजीपुर की नन्दिनी राजभर, खुशबू यादव, फिरोजाबाद की रीना, गाजीपुर की आरती कश्यप, देवरिया की अंकिता प्रजापति, अमरोहा की हिमिका सिद्ध, बुलन्दशहर की कृति चौधरी, मुजफ्फरनगर की खुशी, गौतमबुद्ध नगर की अवनी भाटी, मोनिका, मेरठ की आकांक्षा सिंह गुर्जर, आस्था, बिजनौर की तनु चौधरी, प्रयागराज की शिप्रा पटेल शामिल हैं। झांसी के अजय रजक व सुल्तानपुर की शशिकला मौर्या को टीम कोच और लखनऊ की सुशीला व बलिया के मो. दानिश को टीम मैनेजर बनाया गया है।

सुलतानपुर में युवक को अगवा कर हत्या

अमन यादव की फाइल फोटो।

चांदा, सुलतानपुर, अमृत विचार: थाना क्षेत्र में बीएससी एग्रीकल्चर का छात्र अमन यादव (21) की अपहरण के बाद पीटकर हत्या कर दी गई। आरोपी शव घर से करीब 18 किमी दूर इब्राहिमपुर घाट के पास गोमती नदी में फेंक कर फरार हो गए। पुलिस ने चचेरे भाई की तहरीर पर 10 नामजद आरोपियों पर केस दर्ज किया है। दो को गिरफ्तार किया है, जबकि एक महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। गांव में घटना को लेकर आशनाई में हत्या की बात कही है। मृतक के चचेरे भाई संदीप यादव ने बताया कि शनिवार देर शाम अमन उसे लेने बाइक से अंडर फ्लाईओवर ईशीपुर पहुंचा था। संदीप के फोन पर अमन ने कॉल किया, लेकिन कॉल रिसीव न होने पर जब संदीप ने दोबारा फोन मिलाया तो अमन का मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। घर लौटने पर पता चला कि अमन घर नहीं पहुंचा है। तलाश शुरू हुई तो फ्लाई ओवर के पास अमन की बाइक खड़ी मिली। एसपी कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला आपसी विवाद का लग रहा है। आरोपियों ने मारपीट कर अमन की हत्या की है। पोस्टमार्टम के लिए शव भेज दिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। दो आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं।

धर्मकर्म राम कथा के तीसरे दिवस श्रोतागण भावविभोरमंत्रमुग्ध

आत्मा को निर्मल करती है राम कथा

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

कथा सुनाते कथा व्यास पंडित देवकृष्ण शास्त्री महाराज।

अमृत विचार। प्रभुराम सनातन धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में नगर के अवैद्यनाथ सभागार में चल रही संगीतमयी श्रीराम कथा के तीसरे दिवस शनिवार को अयोध्या धाम से पधारे परम पूज्य बालशुक, अंतरराष्ट्रीय कथा व्यास पंडित देवकृष्ण शास्त्री महाराज ने अपने दिव्य वचनों से श्रद्धालु भक्तों को भाव-विभोर कर दिया।

कथा के दौरान महाराज ने श्रीरामचरितमानस की चौपाई 'राम कथा सुंदर कर तारी, संसय बिहग उड़ावनिहारी' का अर्थ बताते हुए कहा कि राम कथा आत्मा को निर्मल करती है और जीवन में व्याप्त संशयों रूपी पक्षियों को दूर भगाती है। उन्होंने कहा कि "जिस प्रकार ताली बजने पर पक्षी उड़ जाते हैं, उसी प्रकार राम कथा रूपी ताली हमारे भीतर बसे काम, क्रोध, मद, लोभ जैसे विकारों को समाप्त कर देती है। जब जीवन से संशय मिट जाता है, तब व्यक्ति को भक्ति और साधना में आनंद प्राप्त होता है। उन्होंने उपस्थित श्रोताओं से आग्रह किया कि जीवन में राम कथा के सार को अपनाएं और सदाचार, सेवा तथा भक्ति का मार्ग चुनें। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मंच पर एवं कथा पंडाल में मनीष शुक्ला, शिव दत्त अग्रहरि, संदीप जायसवाल, अजय कसौधन, शंकर जायसवाल, राधेश्याम गुप्ता, कुसुम गुप्ता, जय गुप्ता, शर्मिला अग्रहरि, साधना श्रीवास्तव, सुधा कसौधन, निशा वाल्मीकि, अनूप दुबे, योगेश्वर आनंद शास्त्री सहित सैकड़ों राम भक्त मौजूद रहे।

यात्रियों को अच्छा और साफ-सुथरा खाना देने का हो रहा प्रयास

नई दिल्ली, अमृत विचार। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया की रेलवे हर साल एवरेज लगभग 58 करोड़ लोगों को खाना सर्व करता है। एवरेज सिर्फ़ 0.0008% शिकायतें ही मिलती हैं। इन शिकायतों की जांच के आधार पर, पिछले चार सालों में 2.8 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया। भारतीय रेल की लगातार कोशिश रहती है कि सफर करने वाले यात्रियों को अच्छी क्वालिटी और साफ़-सुथरा खाना मिले। इसलिए भारतीय रेल समय-समय पर यात्रियों को खाने और सर्विस की क्वालिटी सुधारने के लिए ज़रूरी कदम उठाती है। गुणवत्ता, सफाई और खाद्य सुरक्षा में सुधार के लिए उपाय किए गए हैं।

क्षय रोगियों में दी गई पोषण पोटली

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जनपद में सैकड़ों क्षय रोगियों को स्वस्थ बनाने के संकल्प के साथ सामाजिक कार्यकर्ता देवेश मणि त्रिपाठी ने शनिवार को सीएचसी जोगिया के अन्तर्गत उपचारित 38 क्षय रोगियों में पोषण पोटली का वितरण किया।

सामाजिक कार्यकर्ता देवेश मणि त्रिपाठी द्वारा वर्ष 2025 में जिले के विभिन्न विकास खण्डों से अब तक करीब 8 सौ क्षय रोगियों को अंगीकृत किया गया है, जिनको प्रति दो माह पर देवेश मणि त्रिपाठी द्वारा निजी रूप से पोषण पोटली प्रदान किया जाता है। इस गुड वर्क के लिए पिछले दिनों उन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सम्मानित भी किया जा चुका है। इसी क्रम में देवेश मणि त्रिपाठी द्वारा शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जोगिया के अधीन उपचारित हो रहे क्षय रोगियों को पोषण पोटली प्रदान किया गया। पोषण पोटली में बादाम, छुहारा, किसमिस, प्रोटीन पाउडर, च्यवनप्राश, चना, गुड़, सोयाबीन, बिस्किट, हाथ धोने का साबुन आदि रखकर वितरित किया गया। इसके अतिरिक्त आवश्यकता वाले रोगियों को लिवर टॉनिक भी दिया गया। ज्ञातव्य हो कि सामाजिक कार्यकर्ता देवेश मणि त्रिपाठी द्वारा विगत कई वर्षों से जनपद के कई ब्लॉक में टीबी रोगियों को अंगीकृत कर पोषण पोटली सहित उनको सामाजिक व अन्य आर्थिक ,मानसिक आलम्ब प्रदान किया जा रहा है। कार्यक्रम समन्वयक पंकज त्रिपाठी, जिला पीपीएम समन्वयक सतीश मिश्र, प्रवीण गुप्त, प्रवीण दूबे आदि लोग मौजूद रहे।

क्षय रोगियों को पोषण पोटली देते सामाजिक कार्यकर्ता।

वर्ल्ड ब्रीफ

छत्तीसगढ़: मुखबिर का शव सीआरपीएफ के शिविर में मिला

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सल विरोधी अभियान में सुरक्षाकर्मियों की सहायता करने वाले 48 वर्षीय एक व्यक्ति ने सीआरपीएफ शिविर में आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि रेखापल्ली गांव निवासी माडवी भीमा का शव शनिवार रात करीब साढ़े आठ बजे वाटेवागु सीआरपीएफ शिविर में खड़े एक ट्रक के पिछले हिस्से में फंदे से लटका मिला। पुलिस ने कहा, भाकपा (माओवादी) की हिंसक गतिविधियों को रोकने के लिए कुछ दिन पहले सुरक्षाकर्मियों ने रेखापल्ली गांव के पास स्थित वाटेवागु शिविर से नक्सल विरोधी अभियान शुरू किया था। अभियान के दौरान भीमा और अन्य ग्रामीणों ने उनकी मदद की और क्षेत्र में नक्सलियों की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

ओडिशा : पेपर लीक मामले में बिहार का शख्स गिरफ्तार

भुवनेश्वर। ओडिशा पुलिस ने जेई (सिविल) परीक्षा 2023 के प्रश्नपत्र लीक के मामले में बिहार के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बताया कि बिहार के समस्तीपुर जिले के निवासी राज मोहन प्रसाद (35) को अपराध शाखा ने शनिवार को गिरफ्तार किया और रविवार को ट्रांजिट रिमांड पर ओडिशा लाया गया। इस मामले में अब तक 27 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जूनियर सिविल इंजीनियर की भर्ती परीक्षा 16 जुलाई, 2023 को आयोजित होने वाली थी, लेकिन प्रश्नपत्र लीक होने के बाद इसे स्थगित कर दिया गया था। पुलिस के अनुसार, विशाल कुमार, बिजेंद्र गुप्ता और अजय कुमार के साथ प्रसाद लीक प्रश्नपत्रों को लेकर पश्चिम बंगाल में दीघा के पास एक होटल में गया था।

वांगचुक की पत्नी की याचिका पर आज होगी शीर्ष सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट जेल में बंद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो की उस याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा, जिसमें रासुका के तहत उन्हें हिरासत में लेने को अवैध और मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने वाली कार्रवाई बताया गया है। मामले की सुनवाई संभवत: न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ करेगी। पीठ ने 24 नवंबर को मामले की सुनवाई उस वक्त टाल दी थी जब केंद्र सरकार और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने वांगचुक की पत्नी के जवाब पर अपना पक्ष रखने के लिए मोहलत मांगी।

कड़ाके की सर्दी से कांपा उत्तर भारत, जम्मू कश्मीर के कई हिस्सों में पारा शून्य से नीचे

पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में भी तापमान तीन डिग्री तक पहुंचा, शीतलहर की भविष्यवाणी

नई दिल्ली, एजेंसी

पूरा उत्तर भारत कड़ाके की ठंड की चपेट में आ गया है। रविवार को अमरनाथ यात्रा आधार शिविर जम्मू-कश्मीर में सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान शून्य से 4.3 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के कुछ हिस्सों में भी न्यूनतम तापमान तीन से सात डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि सोमवार और मंगलवार को मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र के विदर्भ, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर शीत लहर चलने की बहुत अधिक संभावना है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान आठ डिग्री दर्ज किया गया, जो एक दिन पहले के 6.8 डिग्री से अधिक है लेकिन सामान्य से 1.6 डिग्री कम है। राष्ट्रीय राजधानी में अधिकतम तापमान 24.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.1 डिग्री कम था, जबकि सुबह सापेक्ष आर्द्रता 92 प्रतिशत रही। मौसम विभाग ने सोमवार को दिल्ली में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम 25 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान जताया है, साथ ही धुंध की भी संभावना जताई है। इस बीच दिल्ली में प्रदूषण का स्तर भी रविवार को बेहद खराब श्रेणी में रहा।

अधिकारियों ने बताया कि उत्तर में कश्मीर में रात के तापमान में कई डिग्री की वृद्धि हुई, लेकिन यह हिमांक बिंदु से नीचे रहा। अधिकारियों के मुताबिक, दक्षिण कश्मीर में पहलगाम रिसॉर्ट, जम्मू-कश्मीर में सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान शून्य से 4.3 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। पहलगाम रिसॉर्ट वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए आधार शिविर के रूप में कार्य करता है। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 0.9 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात की तुलना में 3.2 डिग्री अधिक है। घाटी का प्रवेशद्वार माने जाने वाले काजीगुंड में न्यूनतम तापमान शून्य से एक डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जबकि उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में पारा शून्य से 0.8 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। कश्मीर के कोकरनाग में तापमान 1.1 डिग्री नीचे दर्ज किया गया।

श्रीनगर में कड़ाके की सर्दी के बीच एक बाजार में गर्म कपड़े खरीदने के लिए लगी लोगों की भीड़।

कश्मीर के कुछ हिस्सों में बर्फवारी, हिमाचल में घने कोहरे का अलर्ट

मौसम विभाग ने कश्मीर में छह और सात दिसंबर को आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहने, लेकिन मौसम शुष्क रहने का अनुमान जताया है, जबकि आठ दिसंबर को उत्तर और मध्य कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में कुछ स्थानों पर हल्की बर्फबारी होने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में घना कोहरा छाने का अनुमान है। बिलासपुर और मंडी जिले के कुछ हिस्सों में सोमवार तक घने कोहरे का 'येलो अलर्ट' भी जारी किया गया है।

पंजाब के फरीदकोट में पारा 4.4 डिग्री

पंजाब और हरियाणा में रविवार को भी कड़ाके की ठंड का दौर जारी रहा। स्थानीय मौसम विभाग के अनुसार, पंजाब के फरीदकोट में न्यूनतम तापमान 4.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किए जाने के साथ यह राज्य का सबसे ठंडा स्थान रहा जबकि हरियाणा में सबसे कम न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस नारनौल में दर्ज किया गया। दोनों राज्यों की संयुक्त राजधानी चंडीगढ़ में न्यूनतम तापमान 8.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

राजस्थान में सीकर सबसे ठंडा शहर

मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि राजस्थान के सीकर जिले के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान सबसे कम 3.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, एक दिन पहले 2.3 डिग्री तापमान था। लूणकरणसर (बीकानेर) में रविवार सुबह न्यूनतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। एक पश्चिमी विक्षोभ के कारण अगले कुछ दिनों में राज्य के कुछ हिस्सों में बादल छाए रह सकते हैं। इससे शीत लहर से राहत मिलेगी।

झारखंड के गुमला में पारा 3.5 डिग्री

झारखंड के गुमला में राज्य का सबसे कम तापमान 3.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है, जबकि खूंटी में न्यूनतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रांची में न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री सेल्सियस रहा। रांची मौसम विज्ञान केंद्र के उप निदेशक अभिषेक आनंद ने बताया, झारखंड के निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तर-पश्चिमी हवाओं के चलने के कारण तापमान में गिरावट आई है। अब कुछ दिन मौसम शुष्क रहेगा।

शिवकुमार के 'परिवर्तन' बयान से कर्नाटक में शुरू हुआ सियासी भूचाल

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक की राजनीति में रविवार को उस समय एक बार फिर हलचल मच गई जब उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि राज्य को आने वाले दिनों में होने वाले परिवर्तन के लिए तैयार रहना चाहिए। शिवकुमार के इस बयान को कर्नाटक कांग्रेस में पनप रहे असंतोष की भावना और नेतृत्व बदलाव की ओर इशारा करने वाला अब तक का सबसे स्पष्ट संकेत माना जा रहा है।

शिवकुमार ने यहां लोगों को संबोधित करते हुए कहा, हमें राज्य में आने वाले दिनों में होने वाले बदलाव के लिये तैयार रहना चाहिए ताकि उसे नई ताकत और नई दिशा मिल सके। जीवन स्थाई नहीं होता, लेकिन हम जो पीछे छोड़ते हैं, वह स्थाई होता है। हमारे शब्द नपे-तुले होने चाहिए, काम बोलना चाहिए। ईश्वर न तो श्राप देता है न वरदान। वह केवल अवसर देता है और हम उन अवसरों का क्या करते हैं, वही अहम है। राजनीति के जानकारों का कहना है कि कर्नाटक की मौजूदा परिस्थितियों में कोई वरिष्ठ नेता 'परिवर्तन' शब्द का इस्तेमाल यूं ही नहीं करता। इस बयान ने एक बार फिर उस संभावित 'रोटेशनल मुख्यमंत्री' फार्मूले पर चर्चा तेज कर दी है, जिसके बारे में लंबे समय से कयास लगाए जाते रहे हैं। कांग्रेस हाईकमान ने हालांकि कभी इसकी आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि शिवकुमार की टिप्पणी को दिल्ली में भी गंभीरता से परखा जा रहा है।

- राज्य में नेतृत्व परिवर्तन के कयास फिर तेज हुए, आलाकमान खामोश

दिल्ली पुलिस के समन के बाद चढ़ा हुआ है सियासी पारा

दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा की ओर से शिवकुमार को भेजे गए समन ने राजनीतिक तापमान और बढ़ा दिया है। माना जा रहा है कि एजेंसी के पास नेशनल हेराल्ड मामले से जुड़े कुछ अहम दस्तावेज़ हो सकते हैं, जिसमें पहले सोनिया गांधी और राहुल गांधी के नाम भी सामने आए थे। विश्लेषकों के अनुसार, यह समन शिवकुमार को अनायास एक प्रकार की राजनीतिक बढ़त दे सकता है ताकि वह पार्टी नेतृत्व पर दबाव बढ़ा सकें।

फिल्म निर्माता विक्रम भट्ट पत्नी समेत 30 करोड़ की धोखाधड़ी में गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी

उदयपुर पुलिस ने राजस्थान में दर्ज 30 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के एक मामले में रविवार को फिल्म निर्माता विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी को मुंबई से गिरफ्तार कर लिया। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि राजस्थान पुलिस सोमवार को बांद्रा अदालत में भट्ट की ट्रांजिट रिमांड के लिए आवेदन करेगी।

अधिकारी ने बताया कि भट्ट, उनकी पत्नी श्वेतांबरी भट्ट और छह अन्य पर इंदिरा ग्रुप ऑफ कंपनीज के संस्थापक और उदयपुर निवासी डॉ. अजय मुर्डिया से 30 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है। उन्होंने बताया कि इस मामले में पहले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मामले की जांच कर रही उदयपुर पुलिस ने रविवार को विक्रम भट्ट और श्वेतांबरी को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारी ने बताया, इंदिरा आईवीएफ अस्पताल के मालिक मुर्डिया अपनी दिवंगत पत्नी पर बायोपिक बनाना चाहते थे। उन्होंने आरोप लगाया है कि उन्हें 200 करोड़ रुपये की कमाई का वादा किया गया था, लेकिन किसी तरह का काम नहीं किया गया। इसके बाद मुर्डिया ने उदयपुर के भोपालपुरा पुलिस थाने का रुख किया, जहां धोखाधड़ी और अन्य अपराधों के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। विक्रम भट्ट ने गुलाम, राज, फरेब, कसूर, 1920, हॉन्टेड, राज, 1920: ईविल रिटर्न्स, आंखें, आप मुझे अच्छे लगने लगे, आवारा पागल दीवाना, क्रिएचर श्री डी, मिस्टर एक्स, घोस्ट और जुदा होके भी जैसी कई फिल्में बनाई हैं।

गुरु ग्रंथ साहिब के स्वरूप गायब, 16 लोगों पर केस

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने वर्ष 2020 में गुरु ग्रंथ साहिब के 328 'स्वरूप' के लापता होने के मामले में रविवार को शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के पूर्व मुख्य सचिव समेत 16 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। एक बयान के अनुसार, अमृतसर के 'डिवीजन-सी' थाने में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 295 (पूजास्थल/धार्मिक वस्तु को क्षति पहुंचाना), 295-ए (धार्मिक भावनाएं भड़काने के इरादे से जानबूझकर की गई हरकत), 409 (आपराधिक विश्वासघात), 465 (जालसाजी) और 120-बी (आपराधिक साजिश) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

महाराष्ट्र : नासिक में कार 600 फुट गहरी खाई में गिरी, 6 लोगों की मौत

नासिक, एजेंसी

महाराष्ट्र के नासिक जिले के सप्तश्रृंग गढ़ घाट इलाके में रविवार को एक कार के 600 फुट गहरी खाई में गिर जाने से उसमें सवार छह लोगों की मौत हो गई।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना शाम चार बजे हुई और मृतक निफाड़ तालुका के पिंपलगांव बसवंत के रहने वाले थे। उन्होंने बताया, कार सवार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। टोयोटा इनोवा वाहन में सात यात्री सवार थे। मृतकों की पहचान कीर्ति पटेल (50), रसीला पटेल (50), विट्ठल पटेल (65), लता पटेल (60), वचन पटेल (60) और मणिबेन पटेल (70) के रूप में हुई है।

पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटिल बचाव अभियान की निगरानी कर रहे हैं। स्थानीय उप कलेक्टर और जिला आपदा प्राधिकरण के सीईओ रोहित कुमार राजपूत ने बताया कि पुलिस और जिला आपदा प्रबंधन समिति के कर्मियों की तैनाती के साथ बचाव अभियान जारी है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना को "बेहद दुखद" बताया। उन्होंने कहा कि मृतकों के परिजनों को राज्य सरकार की ओर से पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने बरता संयम : राजनाथ

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन की 125 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन किया

लेह, एजेंसी

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सशस्त्र बल और भी बहुत कुछ कर सकते थे लेकिन उन्होंने जानबूझकर संयमित और संतुलित प्रतिक्रिया का विकल्प चुना। सिंह ने कहा कि मई में हुए ऑपरेशन ने भारतीय सेना की क्षमता और अनुशासन को रेखांकित किया, जिन्होंने बिना तनाव बढ़ाये आतंकी खतरों को बेअसर कर दिया।

रक्षामंत्री सिंह ने देश के विभिन्न हिस्सों में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा पूरी की गई 125 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमने अपने सशस्त्र बलों, नागरिक प्रशासन और सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिकों के बीच जो समन्वय देखा, वह अविश्वसनीय था। मैं लद्दाख और सीमावर्ती क्षेत्रों के प्रत्येक नागरिक के प्रति हमारे सशस्त्र बलों को अपना समर्थन देने के लिए आभार व्यक्त करता हूं।

रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि अगर हम चाहते तो और भी बहुत कुछ कर सकते थे, लेकिन हमारे बलों ने ना केवल वीरता, बल्कि संयम का भी परिचय दिया और केवल वही किया जो जरूरी था। इतना बड़ा ऑपरेशन मजबूत कनेक्टिविटी से ही संभव हो पाया। इसलिए, कनेक्टिविटी को केवल नेटवर्क, ऑप्टिकल फाइबर, ड्रोन और रडार तक सीमित नहीं, बल्कि सुरक्षा की रीढ़ माना जाना चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि अगर वह देश के किसी भी कोने में सशस्त्र बलों से मिल पाते हैं, तो यह मजबूत संचार नेटवर्क और कनेक्टिविटी की वजह से ही संभव है। उन्होंने कहा कि संचार को सिर्फ बुनियादी ढांचे के लिहाज से नहीं देखा जाना चाहिए। यह एक बहुत व्यापक शब्द है। शांति, सद्भाव और समाज की समझ के लिए संचार जरूरी है।'' उन्होंने कहा कि सरकार का निरंतर प्रयास लद्दाख समेत सभी सीमावर्ती इलाकों के साथ संचार और कनेक्टिविटी को मज़बूत करना रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार सीमावर्ती इलाकों के समग्र विकास के लिए पूरे उत्साह से काम कर रही है।

लेह में परियोजनाओं के उद्घाटन के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी और अन्य लोग

बेहतर कनेक्टिविटी सुरक्षा और बुनियादी ढांचे के साथ आर्थिक विकास को भी दे रही गति

रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार, हमारे सशस्त्र बल और बीआरओ जैसे संगठन आपके साथ खड़े हैं। हमें बस इस संबंध को मजबूत करते रहना है ताकि हमारे संबंध किसी बाहरी तत्व से प्रभावित ना हो। उन्होंने कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी ना सिर्फ सुरक्षा और बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रही है, बल्कि आर्थिक विकास को भी गति दे रही है। वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि का हवाला देते हुए सिंह ने कहा कि मजबूत संचार और कनेक्टिविटी नेटवर्क एक प्रमुख कारक रहे हैं, जिसे सरकार की विकास-समर्थक नीतियों और राष्ट्रव्यापी सुधारों का समर्थन प्राप्त है।

5,000 करोड़ से हुआ परियोजनाओं का निर्माण

रक्षामंत्री ने भारत के सीमावर्ती बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इन परियोजनाओं का निर्माण 5,000 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है और ये परियोजनाएं लद्दाख और जम्मू कश्मीर केंद्र शासित प्रदेशों तथा अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मिजोरम सहित सात राज्यों में फैली हुई हैं। इनमें 28 सड़कें, 93 पुल और चार अन्य परियोजनाएं शामिल हैं।

विशाल गीता पाठ में लाखों लोग शामिल

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल और पड़ोसी राज्यों से साधुओं एवं साध्वियों सहित लाखों श्रद्धालुओं ने कोलकाता के ''ब्रिगेड परेड ग्राउंड'' में आयोजित भागवत गीता पाठ समारोह में भाग लिया। आयोजकों ने बताया कि भगवा वस्त्र पहने भिक्षुओं ने कार्यक्रम स्थल पर गीता की प्रतियों से एक स्वर में श्लोक पढ़ा। इस कार्यक्रम में भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के पूर्व प्रमुख सुकांत मजूमदार, पूर्व सांसद लॉकेट चटर्जी और विधायक अग्निमित्र पॉल सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। स्वामी प्रदीप्तानंद तथा धीरेंद्र शास्त्री सहित प्रमुख हस्तियां भी समारोह में शामिल हुईं।

''पंच लाखो कोंठे गीता पाठ'' (एक साथ पांच लाख गीता पाठ) नामक इस कार्यक्रम का आयोजन सनातन संस्कृति संसद द्वारा किया गया जो विभिन्न मठों और हिंदू धार्मिक संस्थानों के भिक्षुओं और आध्यात्मिक नेताओं का समूह है। बड़ी संख्या में युवाओं और महिलाओं सहित उत्साही भीड़ ने शंखनाद और जयघोष के बीच भगवान कृष्ण का नाम जपते हुए जयकारे लगाए। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने सभा को संबोधित करते हुए भागवत गीता का पाठ किया तथा शांति और अहिंसा की बात की।

कोलकाता में आयोजित गीता पाठ में शामिल साधु-संत।

कबीर करेंगे एक लाख लोगों संग कुरान ख्वानी

टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने रविवार को कहा कि वह फरवरी में एक लाख लोगों के साथ 'कुरान ख्वानी' (कुरान पढ़ना) का आयोजन करेंगे। मुर्शिदाबाद जिले में शनिवार को अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर मस्जिद की नींव रखने वाले कबीर ने कहा कि वह सभी प्रतिभागियों को मांस और चावल का भोज देंगे। उन्होंने मुर्शिदाबाद जिले के रेजिनगर में कहा कि मैं फरवरी में एक लाख लोगों के साथ 'कुरान ख्वानी' करूंगा। इसके बाद मस्जिद का निर्माण होगा।

टीवी एक्टर गौरव खन्ना ने जीता बिग बॉस सीजन-19 का खिताब

नई दिल्ली। सलमान खान के रियलिटी टीवी शो बिग बॉस के रविवार को हुए ग्रैंड फिनाले में टीवी एक्टर गौरव खन्ना को विजेता घोषित किया गया। करीब साढ़े तीन महीनों तक बिग बॉस के घर में रहकर और दर्शकों का मनोरंजन करने में सबसे आगे रहने के बाद गौरव ने सीजन 19 की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया है।

बिग बॉस 19 के ग्रैंड फिनाले में टॉप-2 फाइनलिस्ट के रूप में गौरव खन्ना और फरहाना भट्ट की जोड़ी पहुंची थी। सलमान खान ने दोनों फाइनलिस्ट का हाथ पकड़ा और गौरव का हाथ उठाकर उन्हें सीजन का विजेता घोषित किया। अनुपमा जैसे कई टीवी सीरियल से पहचान बनाने वाले गौरव खन्ना ने बिग बॉस सीजन 19 के 17 प्रतिभागियों में से टीवी के सुपरस्टार के तौर पर प्रवेश लिया था। फिनाले में गौरव को फरहाना से ज्यादा वोट मिले। फरहाना रनर अप रहीं जबकि तीसरे नंबर पर प्रणित मोरे रहे। इसके अलावा तान्या मित्तल, और अमाल मलिक चौथे और पांचवे नंबर पर रहे। इसी साल गौरव ने सेलिब्रिटी मास्टरशेफ इंडिया विनर का खिताब जीता है। बिग बॉस 19 जीतने पर गौरव को ट्रॉफी और 50 लाख रुपये मिले हैं।

- सलमान खान ने की घोषणा, फरहाना भट्ट पहली और प्रणित मोरे दूसरे रनर अप

दिल्ली के छात्र ने सुधारी अमेरिकी लेखक ब्रायसन की बेस्टसेलर पुस्तक में गलती

नई दिल्ली। अमेरिकी-ब्रिटिश लेखक बिल ब्रायसन ने अपनी बेस्टसेलर विज्ञान पुस्तक 'ए शॉर्ट हिस्ट्री ऑफ नियरली एवरीथिंग 2.0' के नवीनतम संस्करण में दिल्ली के एक स्कूली छात्र को एक व्युत्पत्ति संबंधी गलती को चिह्नित करने का श्रेय दिया है। यह गलती 20 वर्षों से अधिक समय से पकड़ में नहीं आई थी।

पुस्तक के अद्यतन संस्करण में ब्रायसन ने दिल्ली के एअरफोर्स बाल भारती स्कूल के 11वीं कक्षा के छात्र कनिष्क शर्मा को व्युत्पत्ति संबंधी एक त्रुटि को सुधारने के लिए धन्यवाद दिया है। लोकप्रिय पुस्तक में व्युत्पत्ति संबंधी यह त्रुटि करीब 20 वर्षों से मौजूद थी और इसे कोई पकड़ नहीं सका था। इस मुद्दे की शुरुआत ब्रायसन की पुस्तक के 2003 के संस्करण से हुई, जिसमें गलती से क्षुद्रग्रह शब्द को लैटिन में 'तारे जैसा' बताया गया था। वास्तव में यह शब्द ग्रीक भाषा से आया है जो एस्टे से लिया गया है और इसका अर्थ है 'तारे जैसा'।

जनता ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों को नकारा : शाह

- केंद्रीय गृहमंत्री ने किया कई परियोजनाओं का शिलान्यास

अहमदाबाद, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि देश के हर कोने में जनता ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों को खारिज कर दिया। उन्होंने भरोसा जताया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के आगामी चुनावों में जनता के समर्थन से बड़ी जीत हासिल करेगा। उन्होंने कहा की कि 2029 विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेलों और 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के बाद, अहमदाबाद 2036 ओलंपिक की भी मेजबानी करेगा।

1,500 करोड़ में बने तीन खेल परिसर सहित कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद अहमदाबाद नगर निगम के कार्यक्रम में शाह ने कहा कि भाजपा और उसके गठबंधन सहयोगियों ने बिहार में हाल के विधानसभा चुनावों में दो तिहाई बहुमत हासिल करके अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा तथा पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में भी बड़ी जीत दर्ज करेंगे। इन राज्यों में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं।

अहमदाबाद में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लोगों से मिलते केंद्रीय मंत्री अमित शाह।

2030 में राष्ट्रमंडल और 36 में ओलंपिक की करेंगे मेजबानी

अहमदाबाद के लोगों से शाह ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार रहने की अपील की। शाह ने कहा कि खेल सुविधाओं, कोचिंग व्यवस्था, बुनियादी ढांचे, शहर के युवाओं में खेलों के प्रति उत्साह और आवास सुविधाओं को देखते हुए, 2030 राष्ट्रमंडल खेल अहमदाबाद में होंगे।" उन्होंने कहा, "यह भी तय हो गया है कि 2029 विश्व पुलिस और अग्निशमन खेल शहर में आयोजित किए जाएंगे। अहमदाबाद में 13 अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन होने हैं। और तैयार हो जाइए, क्योंकि 2036 ओलंपिक भी अहमदाबाद में ही आयोजित होंगे।

अमृत विचार

सोमवार, 8 दिसंबर 2025

हम जितने ऊंचे स्थान पर हैं, हमें उतनी ही विनम्रता से चलना चाहिए।
–मार्कस टुलियस सिसरो, रोमन राजनीतिज्ञ

संकट मोचन सरकार

इंडिगो के परिचालन संकट ने एक बार फिर भारतीय उड्डयन क्षेत्र की नियामकीय कमजोरियों, मानव संसाधन प्रबंधन की खामियों और कंपनियों की मनमानी के बीच आम यात्री की घंघोर उपेक्षा को उजागर कर दिया है। सरकार द्वारा जारी तात्कालिक उपाय-फ्लाइट कटौती, विशेष मॉनीटरिंग और पायलट ड्यूटी टाइम में सख्ती- निश्चित रूप से स्थिति को आंशिक राहत देते हैं, पर यह मान लेना जल्दबाज़ी होगी कि केवल इन कदमों से पूरा संकट समाप्त हो जाएगा। सरकार के नए एक्शन से, 'इलेक्टोरल बांड के जरिए इंडिगो से मोटा चंदा लेने के चलते वह इंडिगो पर कठोर नहीं है', आरोप बेअसर हो सकता है, हालांकि साफ है कि किसी भी नियामक हस्तक्षेप की समय सीमा और गंभीरता स्वयं बहुत कुछ कह देती है। वर्षों से जो समस्या जारी थी, उस पर नियामकों की निगरानी क्यों विफल रही? इससे संदेह उभरते हैं, मौजूदा कार्रवाई भर से इसे मिटाना मुश्किल है।

इंडिगो का मौलिक संकट पायलटों की भारी कमी, एफडीटीएल नियमों की अवहेलना और मानव संसाधन नीतियों में 'लीन स्टाफिंग' के अत्यधिक प्रयोग से उपजा है। पायलट संघों ने पिछले दो वर्षों में कई बार चेतावनी दी थी कि इंडिगो ने हायरिंग फ्रीज, नॉन-पोचिंग व्यवस्था और न्यूनतम क्रू मॉडल के कारण भविष्य के संकट को स्वयं आमंत्रित किया है। यह भी चौंकाने वाली बात है कि दो वर्ष के ट्रांजिशन पीरियड के दौरान कंपनी ने पायलटों की संख्या को नियमानुसार 14–16 प्रति विमान तक क्यों नहीं बढ़ाया? यदि यह मानक पूरा किया जाता तो आज फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियमों को लागू करने में यह अव्यवस्था नहीं होती। सवाल है कि डीजीसीए और उड्डयन मंत्रालय ने इस संकट को शुरुआती चरणों में ही क्यों नहीं रोका? एक एयरलाइन को 'लीन ऑपरेशन' की आड़ में अपनी क्षमता से कहीं अधिक फ्लाइट शेड्यूल चलाने देना न केवल यात्रियों के साथ अन्याय है, बल्कि उड्डयन सुरक्षा के साथ भी खिलवाड़ है। इस संकट का सबसे बड़ा बोझ यात्रियों पर पड़ा है। फ्लाइटें कैंसिल होने से किसी की नौकरी का मौका छूटा, किसी बीमार को उपचार नहीं मिल पाया, किसी का पारिवारिक या व्यावसायिक जीवन प्रभावित हुआ। ऐसे में केवल टिकट का पैसा वापस कर देना कोई समाधान नहीं। वास्तविक नुकसान आर्थिक, मानसिक और कई बार अपरिवर्तनीय होता है। भारत को 'पैसेंजर राइट्स' के स्पष्ट और बाध्यकारी नियमों की तात्कालिक आवश्यकता है, ताकि एयरलाइंस असुविधा नहीं, हानि की भरपाई करने के लिए बाध्य हों- जैसा कि कई विकसित देशों में व्यवस्था है। इंडिगो की छवि, गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। साथ ही भारतीय उड्डयन क्षेत्र की साख पर भी प्रश्न चिह्न लगा है। अंतर्राष्ट्रीय विमानन बाजार भारत को संभावनाओं की भूमि मानता है, पर इस प्रकार की अव्यवस्थित स्थितियां उसके भरोसे को कमजोर करती हैं।

सरकार के कदम संकट को तत्काल थामने की कोशिश प्रतीत होते हैं, परंतु यह तभी विश्वसनीय बनेंगे जब उड्डयन मंत्रालय दीर्घकालीन ढांचे में सुधार, भर्ती मानकों, कार्य-समय निगरानी, फ्लाइट स्वीकृति प्रक्रिया और यात्री अधिकारों को संस्थागत रूप से लागू करे। फौरी उपाय बेहतर हैं पर सरकार को वास्तव में स्थायी समाधान के प्रति गंभीर होना होगा।

प्रसंगवश

वो दिन जब सिद्धार्थ ने विश्व को नया प्रकाश दिया

हर साल 8 दिसंबर को बोधि दिवस मनाया जाता है, यह दिन राजकुमार सिद्धार्थ गौतम को परम ज्ञान की प्राप्ति के उपलक्ष्य में समर्पित है, जिसके बाद वे गौतम बुद्ध या जागृत व्यक्ति के रूप में जाने गए। दुनियाभर में यह पवित्र दिन विभिन्न नामों से मनाया जाता है और बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। बोधि दिवस केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि आध्यात्मिक जागरण, आत्म-ज्ञान और मानवीय करुणा का प्रतीक है, जो हमें जीवन के सार को समझने के लिए प्रेरित करता है। गौतम बुद्ध का जीवन एक असाधारण आध्यात्मिक यात्रा का प्रतिनिधित्व करता है। लुंबिनी में 562 ईसा पूर्व में जन्म लेने वाले सिद्धार्थ गौतम राजा शुद्धोदन के पुत्र थे, जो शाक्य वंश के वंशज थे। वे राजकीय सुख-सुविधाओं में पले-बढ़े थे, लेकिन 29 वर्ष की आयु में उनकी सोच पूरी तरह बदल गई।

श्वेता गोयल
शिक्षिका

एक बार राज्य भ्रमण के दौरान जब सिद्धार्थ ने आसपास की गरीबी, बीमारी और कष्ट को देखा, तो उनके हृदय पर गहरा प्रभाव पड़ा। राजसी जीवन उनके लिए अर्थहीन हो गया और उन्होंने सत्य की खोज के लिए सभी सांसारिक सुखों का त्याग कर दिया। एक रात चुपचाप राजमहल को छोड़कर सिद्धार्थ गौतम अपनी आध्यात्मिक यात्रा पर निकल पड़े। अगले छह वर्षों में सिद्धार्थ ने कठोर तपस्या की और गहन आत्मनिरीक्षण के माध्यम से जीवन के वास्तविक अर्थ को समझने का प्रयास किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न आध्यात्मिक प्रथाओं का पालन किया। उन्हें बिहार के बोधगया में एक बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान की प्राप्ति हुई।

यह वह क्षण था, जब सिद्धार्थ गौतम को अपने भीतर और ब्रह्मांड के रहस्यों का ज्ञान प्राप्त हुआ और वे 'बुद्ध' अर्थात् प्रबुद्ध या जागृत व्यक्ति बन गए। 'बुद्ध' शब्द संस्कृत में एक ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करता है, जो अपने आत्मबोध और अध्यात्मिक चेतना तक पहुंच गया हो। यह घटना करीब 2,500 वर्ष पहले घटी थी और इसी के उपलक्ष्य में हर वर्ष आठ दिसंबर को बोधि दिवस मनाया जाता है।

बोधि दिवस की मनाई जाने वाली परंपराएं और इसका सांस्कृतिक महत्व सारी दुनिया में समान हैं। इस दिन समाज के विभिन्न वर्गों के लोग एक साथ आते हैं और दूसरों के कल्याण के लिए अच्छे कार्य करते हैं। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि हम सभी आपस में जुड़े हुए हैं और हमारे कार्यों का प्रभाव समाज के प्रत्येक सदस्य पर पड़ता है। गौतम बुद्ध ने अपनी शिक्षाओं के माध्यम से एक सार्वभौमिक धर्म की स्थापना की, जो आयु, जाति, राष्ट्रीयता, पेशे, लिंग और अन्य सभी सामाजिक बाधाओं से परे है। उनका दर्शन यह है कि आत्मज्ञान और मुक्ति का मार्ग सभी के लिए खुला है, चाहे वह कोई भी हो।

बुद्ध ने मनुष्य को नैतिकता, ध्यान और ज्ञान के अभ्यास के माध्यम से आत्मज्ञान का रास्ता दिखाया। उनकी शिक्षा का केंद्र बिंदु मध्यम मार्ग है, जो अत्यधिक तपस्या और इंद्रिय भोग दोनों से बचता है। यह मार्ग सीधे निर्वाण की ओर ले जाता है, जो अज्ञानता, तृष्णा, पुनर्जन्म और दुःख से मुक्ति है। बुद्ध ने अपनी शिक्षा का सारांश आर्य अष्टांगिक मार्ग के माध्यम से दिया है, जिसमें सही दृष्टिकोण, सही संकल्प, सही भाषण, सही आचरण, सही आजीविका, सही प्रयास, सही सचेतनता और सम्यक समाधि शामिल हैं। ये आठ सिद्धांत मन के प्रशिक्षण की एक व्यापक विधि प्रदान करते हैं। हजारों वर्षों बाद भी बुद्ध के उद्धरण और शिक्षाएं मानव समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक और प्रेरणादायक हैं। बुद्ध ने कहा है, 'अतीत में मत रहो, भविष्य के सपने मत देखो, मन को वर्तमान क्षण पर केंद्रित करो।'

भारत-रूस साझेदारी से बढ़ेगा शक्ति संतुलन

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

भारत और रूस का संबंध संतुलन, स्वायत्तता और दीर्घकालिक नीति-दृष्टि का मॉडल बनकर उभर रहा है। दोनों देशों ने 'भारत-रूस आर्थिक सहयोग कार्यक्रम 2030' नामक नए रोडमैप को मूर्त रूप दिया।

विश्व राजनीति की जटिलताओं और शक्ति-संतुलन के नए उभार के बीच कुछ संबंध ऐसे होते हैं, जो समय के साथ अपनी प्रासंगिकता को विस्तार देते हुए नई दिशाएं निर्धारित करते हैं। भारत और रूस का रिश्ता ऐसे ही संबंध का उदाहरण है, जो युद्धों, तकनीकी क्रांतियों, आर्थिक परिवर्तन और वैश्विक संरेखणों के अनेक चक्रों से गुजरते हुए भी ध्रुव तारे की तरह स्थिर बना रहा है। यह स्थिरता वैश्विक परिदृश्य में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, रूसी विश्वास और दोनों देशों के साझा हितों का परिणाम है। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में पांच दिसंबर को आयोजित 23वें वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन ने इस ऐतिहासिक स्थिरता को पुनर्पुष्ट करते हुए भविष्य की दिशा स्पष्ट कर दी। यह रिश्ता अब अतीत का बोझ नहीं, भविष्य की वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में एक सक्रिय और आवश्यक घटक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-रूस संबंधों को 'ध्रुव तारे की तरह स्थिर' कहा तो वह केवल एक कूटनीतिक प्रशंसा वाक्य नहीं था। ध्रुव तारा दिशा दिखाने वाला स्थायी प्रकाश-स्रोत है और भारत-रूस संबंध भी आज वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं, ऊर्जा-भू-राजनीति, उभरती तकनीकों, व्यापारिक विविधीकरण और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की दिशा तय करते प्रतीत होते हैं।

इस शिखर वार्ता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत और रूस के बीच संबंध राष्ट्रीय हित, परस्पर सम्मान और साझा दृष्टिकोण की दृढ़ बुनियाद पर टिके हैं। ऐसे समय में, जब वैश्विक राजनीति अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, यूरोपीय सुरक्षा संकट, पश्चिमी प्रतिबंधों, नाटो विस्तार और यूक्रेन युद्ध के दबावों से आकंठ भरी हुई है, भारत और रूस का संबंध संतुलन, स्वायत्तता और दीर्घकालिक नीति-दृष्टि का मॉडल बनकर उभर रहा है। दोनों देशों ने 'भारत-रूस आर्थिक सहयोग कार्यक्रम 2030' नामक नए रोडमैप को मूर्त रूप दिया, जो व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, तकनीकी नवाचार, समुद्री अवसंरचना, श्रम गतिशीलता और रणनीतिक उद्योगों में साझेदारी को एक व्यापक और भविष्यनिष्ठ आधार प्रदान करता है। यह समझौता दो देशों के व्यापारिक हितों का विस्तार नहीं, बल्कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में डॉलर वर्चस्व को चुनौती देने वाली और बहुध्रुवीय आर्थिक संरचना को स्थापित करने वाली एक साहसिक पहल भी है।

भारत और रूस के बीच व्यापारिक संबंधों की प्रकृति अब मूल्य, तकनीक और रणनीतिक नियंत्रण पर आधारित होती जा रही है। 2024 में दोनों देशों का व्यापार 64 अरब डॉलर तक पहुंच चुका था और अब 2030 तक इसे 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। यह लक्ष्य उस नई आर्थिक संरचना की घोषणा है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच 96 प्रतिशत भुगतान रुपये और रूबल में होने लगा है। इस तथ्य का अर्थ वैश्विक आर्थिक विमर्श में अत्यधिक दूरगामी है, जो न केवल डॉलर की निर्भरता को चुनौती देता है, बल्कि वैश्विक व्यापार को एक ऐसी राह पर ले जाता है, जहां मुद्रा-स्वायत्तता, आर्थिक आत्मनिर्भरता और बहु-मुद्रा व्यापार व्यवस्था भविष्य का आधार बन सकती है।

शिखर सम्मेलन में कृषि-उद्योग क्षेत्र में उर्वरक उत्पादन पर सहमति आने से भारत की खाद्य और कृषि सुरक्षा रणनीति को ऐतिहासिक मजबूती मिली है। आज जहां दुनिया संसाधन-संकट, कृषि लागत, उत्पादन सीमाएं और उर्वरक आपूर्ति से संबंधित अनिश्चितताओं का सामना कर रही है, वहीं भारत और रूस का संयुक्त यूरिया उत्पादन कार्यक्रम भारत को केवल खरीदार देश नहीं, वैश्विक कृषि-आपूर्ति श्रृंखला में सक्रिय उत्पादक राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा। यह भारत की आत्मनिर्भर कृषि नीति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के दीर्घकालिक ढांचे को सुदृढ़ करेगा।

फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में रूस में भारतीय तकनीक से फार्मा फैक्टरी की स्थापना स्वास्थ्य-क्षेत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का संकेत है। भारत आज दुनिया के लिए 'फार्मेसी ऑफ द ग्लोब' बन चुका है। कोविड काल में दुनिया ने यह देखा कि दवा निर्माण केवल उद्योग नहीं बल्कि सामरिक शक्ति भी है। रूस में दवा निर्माण भारत को न केवल बाजार देगा, बल्कि ऐसे समय में तकनीकी और कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनाएगा, जब पश्चिमी दवाइयों की आपूर्ति-राजनीति वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली पर नियंत्रण का उपकरण बन चुकी है। भारत-रूस संबंधों का सबसे ठोस और दीर्घकालिक आयाम ऊर्जा क्षेत्र है। रूस भारत का सबसे बड़ा ऊर्जा-आपूर्तिकर्ता बन चुका है और उसने विश्व के ऊर्जा-संकट के मध्य भारत को अबाध आपूर्ति देकर यह साबित किया कि यह संबंध परिस्थितियों से संचालित नहीं बल्कि विश्वास पर आधारित है।

सम्मेलन में परमाणु ऊर्जा पर हुई चर्चा और कुडनकुलम प्लांट के विस्तार की पुनर्पुष्टि भारत की स्वच्छ और विश्वसनीय ऊर्जा रणनीति को एक नई दिशा देती है। रूस द्वारा छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर उपलब्ध कराने का प्रस्ताव उस परिवर्तन की पूर्वपीठिका है, जहां भारत विकेंद्रीकृत ऊर्जा प्रणालियों के माध्यम से हर क्षेत्र को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ सकेगा। यह भारत के नेट-जीरो संकल्प की व्यावहारिक यात्रा का महत्वपूर्ण चरण है। क्रिटिकल मिनरल्स का मुद्दा आने वाली औद्योगिक क्रांति की रीढ़ है। एआई, इलेक्ट्रिक वाहन, एयरोस्पेस, बैटरी निर्माण और रोबोटिक्स, इन सभी उद्योगों का अस्तित्व लिथियम, निकेल, कोबाल्ट और रेयर-अर्थ मेटल्स पर निर्भर है। पश्चिमी देशों ने इन खनिजों पर एकाधिकारवादी नियंत्रण बनाने का प्रयास किया है, जबकि भारत-रूस इस समीकरण को बदल रहे हैं। रूस के पास विशाल खनिज संसाधन हैं और भारत के पास विकासशील तकनीक, अनुसंधान क्षमता और उत्पादन की औद्योगिक शक्ति। दोनों का मिलन वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा को नया आयाम प्रदान करेगा।

आमने

आज भारत की तेजी से ग्रोथ को देखते हुए, क्या आपने कभी कहीं पढ़ा है या किसी को इसे 'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ' कहते सुना है? 'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ' शब्द का इस्तेमाल तब किया गया था, जब भारत 2-3 प्रतिशत की ग्रोथ रेट के लिए संघर्ष कर रहा था।

–नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

सामने

'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ' राज कृष्णन ने बोला था, जिन्हें जनता पार्टी सरकार ने प्लानिंग कमिशन में सदस्य बनाया था। जनता पार्टी में लाल कृष्ण अडवाणी, मोरारजी देसाई और अटल विहार वाजपेई थे। प्रधानमंत्री मोदी अपनी ही पार्टी पर हमला क्यों बोल रहे हैं?

–पवन खेड़ा
कांग्रेस नेता

मोनोपॉली, ऑटोक्रीसी और ठहरती अर्थव्यवस्था

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

भारत की सबसे बड़ी निजी एयरलाइन इंडिगो के हालिया संकट ने देश के सामने एक गंभीर और असहज प्रश्न खड़ा कर दिया है। क्या आज एक बड़ी एयरलाइन सरकार और नियामक से भी बड़ी हो चुकी है? सिर्फ दो दिनों में सैकड़ों उड़ानों का रद्द होना, लाखों यात्रियों की योजनाओं का बिखरना और पूरे विमानन तंत्र का चरमरा जाना बताता है कि अगर किसी अहम सेक्टर में एक कंपनी पर अत्यधिक निर्भरता हो जाए, तो पूरी अर्थव्यवस्था कैसे कुछ घंटों में ठप पड़ सकती है। यह सिर्फ एक परिचालन विफलता नहीं थी, बल्कि भारत के 'मोनोपॉली मॉडल' की एक खतरनाक झलक थी।

इंडिगो आज भारत के घरेलू विमानन बाजार का लगभग 64 प्रतिशत हिस्सा अकेले नियंत्रित करती है। यानी देश में उड़ने वाले हर तीन में से दो यात्री किसी न किसी रूप में इसी कंपनी पर निर्भर हैं। एयर इंडिया समूह लगभग 25–27 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है। इसका मतलब साफ है कि देश का करीब 90 प्रतिशत हवाई यातायात केवल दो कंपनियों के हाथों में है। ऐसी स्थिति में अगर एक बड़ी एयरलाइन डगमगाती है, तो पूरा तंत्र हिल जाता है– ठीक वैसे ही जैसा हमने हाल में देखा।

यह संकट नए पायलट ड्यूटी समय और विश्राम नियमों के लागू होने के बाद सामने आया। सुरक्षा की दृष्टि से बनाए गए इन नियमों में पायलटों को अधिक विश्राम, रात की सीमित लैंडिंग और तय ड्यूटी घंटे जैसी शर्तें रखी गई थीं, ताकि थकान के कारण होने वाले हादसों को रोका जा सके, लेकिन इंडिगो जैसी विशाल कंपनी ने समय रहते अपने पायलट स्टाफ और क्रू-प्लानिंग को इन नियमों के अनुरूप तैयार नहीं किया। नतीजा यह हुआ कि नियम लागू होते ही कंपनी को बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। यहीं से दूसरा बड़ा सवाल खड़ा होता है। संकट गहराने पर सरकार ने रात की कुछ ड्यूटी सीमाओं में अस्थायी ढील दे दी, ताकि इंडिगो अपनी उड़ानों को फिर से पटरी पर ला सके, लेकिन यह सुविधा केवल एक बड़ी कंपनी के लिए क्यों? क्या नियम सिर्फ छोटे खिलाड़ियों पर लागू होते हैं और बड़े खिलाड़ियों के लिए लचीले बन जाते हैं? यह स्थिति न सिर्फ नियामक की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करती है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि यदि आप बहुत बड़े हैं, तो व्यवस्था भी आपके अनुसार ढल सकती है।

यात्रियों के लिए यह संकट किसी आपदा से कम नहीं रहा। एक ही दिन में हजार से अधिक उड़ानें रद्द हुईं और कई दिनों तक 300–400 उड़ानें प्रतिदिन या तो रद्द होती रहीं या घंटों की देरी से चलीं। हजारों लोग अपने इंटरव्यू, परीक्षाएं, मेडिकल अपॉइंटमेंट और जरूरी पारिवारिक कार्यक्रमों से चूक गए। किरायों का हाल और भी चौंकाने वाला रहा। जहां सामान्य दिनों में 5–6 हजार रुपये में मिलने वाली टिकटें 20–28 हजार रुपये तक पहुंच गईं। साफ था कि कम क्षमता और अधिक मांग का फायदा उठाकर किराये आसमान पर पहुंचा दिए गए। सरकार को हस्तक्षेप करना पड़ा, लेकिन तब तक यात्रियों की जेब से लाखों रुपये अतिरिक्त निकल चुके थे।

इस पूरे घटनाक्रम का असर अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा। भारतीय विमानन उद्योग देश की जीडीपी में करीब 1.5 प्रतिशत का योगदान देता है और प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 77 लाख लोगों को रोज़गार देता है। जब हवाई यातायात लड़खड़ाता है, तो उसका असर केवल एयरलाइंस तक सीमित नहीं रहता– होटल, टैक्सी, पर्यटन, कॉर्पोरेट यात्रा, कार्गो सेवाएं, रेस्टोरेंट और छोटे कारोबार सभी प्रभावित होते हैं। सिर्फ कुछ दिनों की अव्यवस्था से ही उद्योग को हजारों करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नुकसान हुआ माना जा रहा है। इसका बोझ अंततः आम नागरिक और करदाताओं पर ही आता है।

निवेशकों और शेयरधारकों के लिए भी यह झटका कम गंभीर नहीं था। संकट के दौरान इंडिगो की मूल कंपनी के शेयरों में तेज गिरावट देखी गई। कुछ ही दिनों में निवेशकों की हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति बाजार से मिट गई, जिन्हें अब तक लगता था कि विशाल बाजार हिस्सेदारी यानी सुरक्षा, उन्हें यह समझ में आ गया कि अत्यधिक एकाग्रता अपने साथ बड़ा जोखिम भी लाती है। यह संकट सिर्फ विमानन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक चेतावनी है कि अगर किसी भी आवश्यक सेवा– चाहे वह टेलीकॉम हो, यूपीआई पेमेंट सिस्टम हो, बिजली वितरण हो या बंदरगाह सेवाएं– पर कुछ गिनी-चुनी कंपनियों का अत्यधिक नियंत्रण हो जाए, तो एक छोटी सी चूक भी पूरे देश को ठप कर सकती है। यह 'कॉरपोरेट ऑटोक्रीसी' का खतरनाक रूप है, जहां निर्णय कुछ बोर्डरूम में होते हैं, लेकिन उसका असर करोड़ों लोगों की जिंदगी पर पड़ता है।

अंततः लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यह है कि न तो कोई व्यक्ति और न ही कोई कंपनी कानून से ऊपर हो सकती है। इंडिगो संकट ने यह साफ दिखा दिया कि अगर मोनोपॉली और कमजोर नियमन को समय रहते नहीं रोका गया, तो एक निजी कंपनी दो दिनों में पूरे देश के हवाई यातायात को ठप कर सकती है, यात्रियों, करदाताओं और निवेशकों को भारी नुकसान पहुंचा सकती है और सरकार को रक्षात्मक मुद्रा में ला सकती है।

भारत की सबसे बड़ी निजी एयरलाइन इंडिगो के हालिया संकट ने देश के सामने एक गंभीर और असहज प्रश्न खड़ा कर दिया है। क्या आज एक बड़ी एयरलाइन सरकार और नियामक से भी बड़ी हो चुकी है?

सोशल फोरम

रेगिस्तान का फूल वारिस

यह कहानी एक ऐसी लड़की की है, जिसे पांच साल की उम्र में पकड़कर ज़मीन पर लिटा दिया गया था। न कोई दवाई, न बेहोशी, न साफ़-सफ़ाई— सिर्फ़ एक कुंद, खून से सना उस्तरा और एक चीख, जिसने सोमालिया के रेगिस्तान की हवा को चीर दिया। उसका नाम था वारिस डीरी, जिसका मतलब होता है रेगिस्तान का फूल। एक घुमंतू परिवार में पैदा हुई बच्ची।

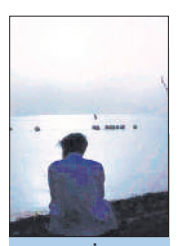

कलम रंगदार
ब्लॉगर

फीमेल जेनिटल म्यूटिलेशन (FGM) यानी महिला जननांग अंगभंग। सबसे भयानक रूप, टाइप 3। सब कुछ काट दिया गया। सब कुछ सिल दिया गया। सिर्फ एक माचिस की तीली जितना छोटा छेद उससे सांस चलती रहे, शायद। उसकी बहन मर गई थी। उसकी कई चचेरी बहनें भी। वारिस बच गई, लेकिन दर्द उसके हर दिन, हर कदम के साथ रहा। तेरह साल की उम्र में उसके पिता ने उसे बेचने की कोशिश की- एक 60 साल के बूढ़े आदमी को, पांच ऊंटों के बदले।

तो वो भाग गई। नंगे पांव। अकेली। रेगिस्तान को पार करती हुई— न नक्शा, न खाना, न सुरक्षा। सिर्फ एक जज़्बाः ज़िंदगी चुनना, परंपरा नहीं। वो किसी तरह मोगादिशू पहुंची। फिर लंदन— एक नौकरानी बनकर। न भाषा आती थी, न स्कूल की पढ़ाई, न पैसे। सिर्फ जीने की जद्दोजहद और फिर एक दिन एक फोटोग्राफर ने उसे देख लिया। मैकडॉनल्ड्स में फर्श साफ़ करने से लेकर पेरिस और न्यूयॉर्क की रनवे तक। Chanel. L'Oral. Vogue. James Bond हर जगह उसका नाम चमकने लगा। शोहरत के सबसे ऊंचे मुकाम पर पहुंचकर, वारिस ने वह किया जो शायद ही कोई मशहूर इंसान करने की हिम्मत करता। उसने सच बोल दिया।

उसने दुनिया को बताया कि उसके साथ क्या हुआ था और यह भी कि लाखों लड़कियों के साथ वही आज भी हो रहा है। उसकी आवाज़ ने दुनिया की चुप्पी तोड़ दी। यूएन ने उसे FGM खत्म करने के लिए स्पेशल एम्बेसडर बनाया। उसने Desert Flower लिखी- 1.1 करोड़ कॉपियां बिकीं। उसने Desert Flower Foundation शुरू किया। उसने यूरोप में सर्वाइवर क्लिनिक बनाए। उसने लाखों लड़कियों को बचाया। वह रेगिस्तान में पैदा हुई थी, लेकिन उसने सूखने से इनकार कर दिया। वह खिली और उसने यह सुनिश्चित किया कि लाखों और लड़कियां भी खिल सकें।

सामयिकी

मिट्टी में जहर से स्वास्थ्य पर मंडराता संकट

मृदा प्रदूषण तब होता है जब मनुष्य प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हानिकारक रसायन, भारी धातुएं या प्रदूषक पदार्थ मिट्टी में मिला देते हैं, जिससे न केवल मिट्टी की उर्वरता नष्ट होती है, बल्कि पूरा पारिस्थितिकी तंत्र और मानव स्वास्थ्य खतरे में पड़ जाता है।

भारत में मृदा प्रदूषण अब एक गंभीर राष्ट्रीय संकट बन चुका है। मिट्टी की बिगड़ती सेहत चुपचाप कृषि उत्पादन को खोखला कर रही है। जलवायु परिवर्तन इस समस्या को और भयावह बना रहा है। भारत आज अनाज में आत्मनिर्भर है, लेकिन अगर मिट्टी की गुणवत्ता इसी तरह घटती रही, तो आने वाले दशकों में हमें फिर से अनाज आयात करना पड़ सकता है। यदि अभी मिट्टी की सेहत सुधारने के ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो खाद्य सुरक्षा पर संकट के साथ-साथ लाखों किसानों की आजीविका भी दांव पर लग जाएगी।

अंबिका कुशवाहा
लेखिका

मिट्टी की खराब गुणवत्ता का असर सिर्फ फसल पर नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, खाद्य सुरक्षा और सबसे बड़ी बात कि मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। आज देश की अधिकांश कृषि योग्य भूमि किसी-न-किसी रूप में मृदा प्रदूषण की चपेट में है और यह जहर अब हमारी थाली तक पहुंच चुका है। चावल में आर्सेनिक, गेहूं में कैडमियम, सब्जियों में सीसा (लेड) और कीटनाशकों के अवशेष लगातार बढ़ रहे हैं। इन्हें खाकर लोग बीमार हो रहे हैं, बच्चे कुपोषित पैदा हो रहे हैं और कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

मृदा प्रदूषण केवल पर्यावरण की समस्या नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य पर सीधा हमला है। अगर यही स्थिति रही तो एक दिन हमारी खेती की जमीन इतनी जहरीली हो जाएगी कि उसमें कुछ भी उगाना असंभव हो जाएगा। पंजाब का मालवा क्षेत्र (बठिंडा, फरीदकोट, संगरूर, मुक्तसर आदि) इसका जीता-जागता उदाहरण है। इसे 'भारत की कैंसर बेल्ट' कहा जाता है। यहां कैंसर के मामले राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक हैं। हर दूसरे-तीसरे घर में कोई न कोई कैंसर से जूझ रहा है। इसका मुख्य कारण जहरीली मिट्टी में उगा अनाज और सब्जियां हैं, जो रोज लोगों की थाली में परोसे जा रहे हैं।

सरकार जैविक खाद को बढ़ावा दे रही है, लेकिन आज भी लाखों किसान अधिक पैदावार के लालच में यूरिया और खतरनाक कीटनाशकों का अंधाधुंध प्रयोग कर रहे हैं। लंबे समय तक इनका इस्तेमाल मिट्टी को बंजर बना रहा है। फैक्ट्रियां रात के अंधेरे में जहरीला पानी नदियों-नालों में छोड़ रही हैं, जो सीधे खेतों में पहुंच जाता है। शहरों में प्लास्टिक कचरा जलाने से निकलने वाला डाइऑक्सिन हवा के रास्ते मिट्टी में समा रहा है। सरकार ने 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना' शुरू की है, जिसका उद्देश्य हर खेत की मिट्टी की जांच कर किसानों को उसकी सही स्थिति और सुधार के उपाय बताना है, लेकिन दुखद अधिकांश किसान इस योजना से अनजान हैं।

मृदा प्रदूषण रोकने के लिए अब कड़े और त्वरित कदम उठाने होंगे। रासायनिक उर्वरकों की जगह जैविक खाद और जैविक खेती को बड़े पैमाने पर अपनाना होगा। पेड़-पौधे लगाकर मिट्टी का कटाव रोका जाए साथ ही हर किसान अपनी मिट्टी का नियमित परीक्षण करवाए और उर्वरकों का संतुलित प्रयोग करे। कचरे के सही निपटान और प्लास्टिक जलाने पर सख्ती हो। वर्षा जल संचयन और जल संरक्षण के उपाय अपनाए जाएं। घरेलू जैविक कचरे से कंपोस्ट बनाकर खाद के रूप में इस्तेमाल किया जाए। हर नागरिक को मिट्टी बचाने के लिए प्रेरित किया जाए। अगर हम आज मिट्टी नहीं बचाएंगे, तो कल हमारी थाली में सिर्फ जहर ही होगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

लंदन में 30 साल बाद फिर दिखा

DDLJ का जादू

साल 1995 में रिलीज हुई शाहरुख खान और काजोल की 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' आज भी बॉलीवुड की सबसे प्यारी और यादगार फिल्मों में गिनी जाती है। भारत ही नहीं, दुनियाभर के दर्शकों ने इस फिल्म को दिल से अपनाया। इसी जुड़ाव को सम्मान देते हुए फिल्म के 30 साल पूरे होने पर एक बेहद खास पल रचा गया। 4 दिसंबर को लंदन के लेस्टर स्क्वायर में राज और सिमरन की ब्रॉन्ज प्रतिमा का अनावरण किया गया, जिसे देखकर फैन्स पुरानी यादों में खो गए। यह मूर्ति Heart of London Business Alliance की "Scenes in the Square" पब्लिक आर्ट ट्रेल का हिस्सा है और खास बात यह है कि इस प्रतिष्ठित परियोजना में जगह पाने वाली DDLJ पहली भारतीय फिल्म बन गई है। प्रतिमा में शाहरुख और काजोल को फिल्म के एक लोकप्रिय पोज में दिखाया गया है, जो उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री का प्रतीक बन चुका है। इस मौके ने न केवल बॉलीवुड की आइकॉनिक लव स्टोरी को फिर से जीवंत कर दिया, बल्कि भारतीय सिनेमाई संस्कृति को वैश्विक मंच पर एक बार फिर चमकाया। यह मूर्ति आने वाली पीढ़ियों को भी याद दिलाती रहेगी कि DDLJ सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि भावनाओं, प्यार और यादों का एक अनमोल सफर है।

बड़े-बड़े देशों में ऐसी छोटी-छोटी बातें होती रहती हैं

मूर्ति के अनावरण के साथ ही लंदन के लेस्टर स्क्वायर में एक यादगार पल बन गया, जब शाहरुख खान और काजोल ने अपने किरदार राज और सिमरन के आइकॉनिक पोज को फिर से दोहराया। काजोल हल्के नीले रंग की साड़ी में बिल्कुल फिल्म वाली सादगी और मोहकता लिए नजर आईं, जबकि शाहरुख एक स्टाइलिश ओवरकोट में राज के क्लासिक लुक को फिर से जीवंत कर रहे थे। दोनों को इस रूप में देख फैन्स एक बार फिर DDLJ के सुनहरे दौर में पहुंच गए। शाहरुख ने इस खास अवसर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए अपने सदाबहार डायलॉग का जिक्र किया- "बड़े-बड़े देशों में ऐसी छोटी-छोटी बातें होती रहती हैं, सेनोरिटा।" उन्होंने लिखा कि DDLJ के 30 साल पूरे होने पर राज और सिमरन की मूर्ति का अनावरण करना उनके लिए सम्मान की बात है। यह भी खास है कि दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे पहली भारतीय फिल्म बन गई है, जिसे Heart of London Business Alliance की "Scenes in the Square" ट्रेल में शामिल किया गया है। यह उपलब्धि न सिर्फ फिल्म की लोकप्रियता को दर्शाती है, बल्कि भारतीय सिनेमा की वैश्विक पहचान का भी प्रमाण है। तीन दशक बाद भी DDLJ का जादू उसी तरह बरकरार है और यह ब्रॉन्ज मूर्ति उस अमर प्रेम कहानी को अगली पीढ़ियों तक पहुंचाने का खूबसूरत माध्यम बन गई है।

लंबे समय तक चलने वाली फिल्म

यह ब्रॉन्ज स्टैच्यू लंदन के लीसेस्टर स्क्वायर में स्टैच्यू से सम्मानित होने वाली पहली भारतीय फिल्म बन गई है और हैरी पॉटर, मैरी पॉपिंस, पैडिंगटन और सिंगिन इन द रेन जैसी ऐतिहासिक फिल्मों के मशहूर किरदारों के साथ-साथ बैटमैन और वंडर वुमन जैसे हीरो के साथ जुड़ गई है। इस फिल्म का डायरेक्शन आदित्य चोपड़ा ने किया था और ये हिंदी सिनेमा की थिएटर्स में सबसे लंबे समय तक चलने वाली फिल्म है। अभी भी मुंबई के मराठा मंदिर सिनेमाघर में ये फिल्म चलती है। शाहरुख ने इस पिक्चर में राज और काजोल ने सिमरन का किरदार निभाया था। दोनों की जोड़ी और प्रेम कहानी फैंस को काफी पसंद आई थी।

फिल्म की कमाई

DDLJ के लिए शाहरुख खान और काजोल को भारत के बाहर दूसरे देशों में भी जाना जाता है। इसमें इन दोनों के अलावा अमरीश पुरी, अनुपम खेर, फरीदा जलाल, मंदिरा बेदी और करण जौहर भी नजर आए थे। न सिर्फ लोगों के दिलों में बल्कि इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी राज किया था और ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। सैकनिल्क के अनुसार इस पिक्चर का बजट सिर्फ 4 करोड़ रुपये था और वर्ल्डवाइड फिल्म ने 102.50 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया था।

ओटीटी प्लेटफार्म

बीस्ट इन मी

"बीस्ट इन मी" एक अमेरिकन अपराध फिल्म है, जिसमें मानव मनोविज्ञान के बहुत क्लिष्ट पहलुओं को छुआ गया है। क्या वो आदमी अपराधी है, जो यह जानता या मानता ही नहीं कि उसका किया गया कर्म अपराध है? कोई कर्म समाज या किसी नियम के अंतर्गत ही तो अपराध होता है। यदि किसी को लगे ही नहीं कि उसके द्वारा किया गया कर्म अपराध होगा, तो उसका कितना दोष होगा? यदि कोई प्रेम वश आपको दुख मुक्त करने लिए कुछ करे, तो क्या उस अपराध में आप दोषमुक्त रह जाएंगे?

एक लेखिका अपने पड़ोस में रहने आए एक व्यक्ति, जिसको सारा शहर उसकी पत्नी का हत्यारा मानता है, परंतु पत्नी की लाश न मिलने के कारण उसे कानूनन हत्यारा नहीं माना जा सका है, के बारे में एक पुस्तक लिखने का कॉन्ट्रैक्ट लेती है, जो उस आदमी से लिए गए इंटरव्यूज पर आधारित होगी। वह व्यक्ति सोचता है कि वह अपनी बातों और व्यक्तित्व से लेखिका को प्रभावित करके स्वयं को निर्दोष सिद्ध करवा लेगा। लेखिका सोचती है इस प्रकार सभी संबंधित लोगों और पुलिस/एफबीआई से बात करके उसे वास्तविकता का पता चल ही जाएगा। कहानी के और भी कई पात्र हैं, जैसे उस व्यक्ति का भाई, पिता, दूसरी जीवित पत्नी, लेखिका की महिला पत्नी, FBI के एजेंट्स इत्यादि और सबकी अपनी-अपनी कहानियां हैं, जो उस व्यक्ति की कहानी से कहीं न कहीं जुड़ती हैं। वह व्यक्ति कातिल है या नहीं और कहानी किस तरह चलती है, इसके लिए आपको आठ एपिसोड्स देखने पड़ेंगे। अंत में लेखिका का प्रतिवेदन, जिसकी एकाध लाइन मैंने ऊपर उद्धृत की है, मनोविज्ञान का पाठ है।

पात्रों में मुख्य पात्र यानी संभावित कातिल व्यक्ति के चरित्र को बहुत अच्छी तरह जिया है मैथ्यू रिस ने,लेखिका के रोल में क्लेयर डेंस ने अच्छा अभिनय किया है, परंतु उसके हाव-भाव भारतीयों से मेल नहीं खाते इसलिए कई बार समझ में नहीं आते।

कहानी लेटस्टार्ट होती है, पर फिर गति पकड़ लेती है, संगीत बहुत सहायक है, हिंदी डबिंग अच्छी हुई है। कुछ भी हो पर साधारण परिस्थितियों का मनोवैज्ञानिक पक्ष दुरूह हो सकता है, यह बात "बीस्ट इन मी" बड़ी स्टाइल से कहती है।

समीक्षकः
ब्रज राज नारायण सक्सेना

जिंदगी का सफर

'ड्रीम गर्ल' हेमा मालिनी

फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी, जिन्हें अक्सर 'ड्रीम गर्ल' के खूबसूरत नाम से भी जाना जाता है, भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक बहुमुखी और स्थायी हस्ती हैं। वह सिर्फ एक अभिनेत्री नहीं, बल्कि एक निपुण भरतनाट्यम नृत्यांगना, फिल्म निर्माता, निर्देशक और एक सक्रिय राजनीतिज्ञ भी हैं। उनका जीवन कला, सुंदरता, दृढ़ संकल्प और सार्वजनिक सेवा का एक उत्कृष्ट मिश्रण है। हेमा मालिनी का जन्म 16 अक्टूबर 1948 को तमिलनाडु के अम्मानकुडी में हुआ था। उनकी मां, जया चक्रवर्ती फिल्म निर्माता थीं और पिता वीएसआर चक्रवर्ती थे।

माता-पिता के मार्गदर्शन ने उनके करियर को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हेमा ने बहुत कम उम्र से ही शास्त्रीय नृत्य, विशेषकर भरतनाट्यम, सीखना शुरू कर दिया था और जल्द ही एक कुशल नृत्यांगना बन गईं।

एक तमिल फिल्म में अस्वीकार किए जाने के शुरुआती असफलताओं के बावजूद, हेमा ने हार नहीं मानी। उन्होंने 1968 में राज कपूर के साथ हिंदी फिल्म 'सपनों का सौदागर' से मुख्य अभिनेत्री के रूप में अपनी शुरुआत की। उनकी सफलता 'जॉनी मेरा नाम' (1970) जैसी फिल्मों से शुरू हुई और 1970 का दशक, उनके स्टारडम का गवाह बना। उन्होंने 'सीता और गीता' (1972) जैसी फिल्मों में दोहरी भूमिकाओं के साथ साबित किया कि उनकी अभिनय की रेंज कितनी ज्यादा है। इसके लिए उन्होंने अपना पहला फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता।

रमेश सिप्पी की क्लासिक कल्ट 'शोले' (1975) में 'बसंती' के रूप में उनका किरदार आज भी भारतीय सिनेमा के यादगार किरदारों में से एक माना जाता है। उन्होंने धर्मेंद्र, राजेश खन्ना और अमिताभ बच्चन सहित उस समय के सभी प्रमुख अभिनेताओं के साथ काम किया। फिल्मों में अपने सह-कलाकार धर्मेंद्र के साथ उनका रिश्ता परवान चढ़ा। कई चुनौतियों के बावजूद, उन्होंने 1980 में शादी की। उनकी दो बेटियां, ईशा देओल और आहना देओल हैं। हेमा फिल्म निर्माता भी बनीं। उन्होंने शाहरुख खान की फिल्म 'दिल आशना है' (1992) का निर्देशन किया। 2000 के दशक में हेमा मालिनी ने सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया।

भारतीय सिनेमा में उनके अपार योगदान के लिए उन्हें 2000 में भारत सरकार द्वारा प्रतिष्ठित 'पद्म श्री' पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। सुंदरता, प्रतिभा और गरिमा के साथ, हेमा मालिनी भारतीय मनोरंजन जगत में एक सच्ची और स्थायी किंवदंती बनी हुई हैं।

मॉडल आफ द वीक

नाम: पद्मिनी शर्मा

टाउन: कानपुर

एजुकेशन: 12वीं की छात्रा

अचीवमेंट: मिस टैलेंटेड मिस कानपुर 2025

ड्रीम: नेशनल मॉडलिंग स्टेज पर UP का प्रतिनिधित्व करना

बीओएम ने खुदरा ऋण दरों में की कटौती

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने रविवार को रेपो से जुड़ी उधारी दर (आरएलएलआर) से जुड़े ऋणों में 0.25% की कटौती की घोषणा की है। रिजर्व बैंक के रेपो दर में 0.25% की कटौती के बाद यह फैसला लिया गया। बीओएम ने कहा कि संशोधन के साथ बैंक का आवास ऋण 7.10% ब्याज दर से और कार ऋण 7.45 प्रतिशत से शुरू होगा, जो बैंकिंग उद्योग में सबसे कम है।

अमृत विचार

लखनऊ, सोमवार, 8 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

नाल्को जल्द शुरू करेगा पोटांगी बॉक्साइट खदान

नई दिल्ली। नेशनल एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को) अगले साल जून तक ओडिशा में अपनी पोटांगी बॉक्साइट खदान शुरू करने की योजना बना रही है। इससे कंपनी को खनन क्षमता बढ़ाने और एकीकृत एल्यूमिनियम कारोबार के विस्तार का लक्ष्य पूरा करने में मदद मिलेगी। पोटांगी बॉक्साइट खदान के विकास और संचालन के लिए दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड एल-1 बोलीदाता चुनी गई है। नाल्को के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि अगले साल जून तक खदान शुरू हो जाएगी।

वित्तपोषण रोकने को कोई परामर्श नहीं हुआ जारी : एमएनआरई

नई दिल्ली। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने रविवार को साफ किया कि उसने वित्तीय संस्थानों को नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं या नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण निर्माण इकाइयों को ऋण देना रोकने के लिए कोई परामर्श जारी नहीं किया है। मंत्रालय ने रविवार को यह कहा। यह स्पष्टीकरण उन खबरों के बीच आया, जिनमें कहा जा रहा था कि एमएनआरई ने अत्यधिक क्षमता की चिंताओं के मद्देनजर ऋणदाताओं को नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए नई वित्त सहायता रोकने की सलाह जारी की है।

सीएट की वैश्विक बाजार पर नजर, बना रहा विशेष टायर

नई दिल्ली। टायर बनाने वाली कंपनी सीएट विभिन्न वैश्विक बाजारों के लिए खास तौर से टायर बना रही है, ताकि यूरोप और अमेरिका जैसे क्षेत्रों में निर्यात बढ़ाया और खुद को वैश्विक ब्रांड बनाया जा सके। आरपीजी समूह के वाइस चेयरमैन अनंत गोयनका ने यह बात कही। आरपीजी समूह की इस कंपनी की कुल आय में निर्यात की 20 प्रतिशत हिस्सेदारी है और आने वाले कुछ सालों में ये हिस्सा बढ़ने की उम्मीद है। गोयनका ने कहा कि हम अंतर्राष्ट्रीय वृद्धि पर बहुत ध्यान दे रहे हैं- अमेरिका में वृद्धि, यूरोप में वृद्धि। हमारा लक्ष्य वैश्विक ब्रांड बनना है।

एमएफ निवेशकों के लिए रेट कटौती से बड़ा मौका

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो दर में कटौती कर इसे 5.25% कर दिया है, फरवरी से अब तक रेपो रेट में 1.25% की कटौती हो चुकी है। इससे बाजार में ब्याज दरों की रूप रेखा बदलती दिख रही है, इसका सीधा असर म्यूचुअल फंड निवेशकों और खासतौर पर उन लोगों पर पड़ेगा जो डेट फंड, हाइब्रिड फंड या इक्विटी में निवेश कर रहे हैं। विश्लेषकों का मानना है कि मौजूदा रेट-कट साइकिल में 1 से 4 साल की अवधि वाले डेट फंड निवेशकों के लिए सबसे बेहतर विकल्प हैं।

ओला ने शुरू की भारत सेल की डिलीवरी

नई दिल्ली। भाविश अग्रवाल के मालिकाना हक वाली कंपनी ओला इलेक्ट्रिक ने अपने नए 4680 भारत सेल पावर व्हीकल की बड़े पैमाने पर डिलीवरी शुरू कर दी। कंपनी का दावा है कि वह भारत की पहली ऐसी कंपनी बन गई है, जो बैटरी सेल से लेकर बैटरी पैक और व्हीकल मैन्युफैक्चरिंग तक पूरी वैल्यू चेन की मालिक है। इसका पहला प्रोडक्ट एसएल प्रो प्लस अधिक रेंज, बेहतर परफॉर्मेंस और एडवांस्ड सेफ्टी फीचर्स के साथ पेश किया गया है।

फेड-एफआईआई डालेंगे बाजार पर असर

भारत के सीपीआई आंकड़ों पर और रुपये की चाल पर बारीकी से नजर रखेंगे निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी फेडरल रिजर्व का ब्याज दर संबंधी फैसला इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों के रूझान तय करने वाला प्रमुख कारक होगा। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा वैश्विक गतिविधियां और विदेशी निवेशकों का रुख भी बाजार की भावना को प्रभावित करेगा। पिछले सप्ताह शेयर बाजारों में सुस्ती रही, जहां प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बिना किसी खास बदलाव के बंद हुए।

रिलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (रिसर्च) अजीत मिश्रा ने कहा कि इस सप्ताह बाजार 12 दिसंबर को आने वाले भारत के सीपीआई आंकड़ों पर बारीकी से नजर रखेंगे। वैश्विक स्तर पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले पर ध्यान रहेगा, जो उभरते बाजारों की जोखिम धारणा को प्रभावित कर सकता है। निवेशक रुपये की चाल पर भी नजर रखेंगे, जो पिछले सप्ताह डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर से नीचे चली गई थी।

स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के वरिष्ठ शोध विश्लेषक प्रवेश गौर ने कहा कि निवेशकों का ध्यान अब पूरी तरह 9-10 दिसंबर 2025 को होने वाली अमेरिकन फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक पर है।

उन्होंने कहा कि एफओएमसी के फैसले के साथ ही प्रमुख अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। नौ दिसंबर को जारी होने वाले अमेरिकी रोजगार के आंकड़ों से अमेरिकी श्रम बाजार के बारे में पता चलेगा। पि

पहले हफ्ते में विदेशी निवेशकों ने 11,820 करोड़ निकाले

नई दिल्ली। पहले हफ्ते में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों से 11,820 करोड़ रुपये निकाले। इसका मुख्य कारण रुपये का तेज अवमूल्यन है। नवंबर में 3,765 करोड़ की निकासी के बाद ये तेज बिकवाली हुई है और इससे बाजार पर दबाव बढ़ा है। विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में 14,610 करोड़ की लिवाली की थी, जिससे तीन महीने की भारी बिकवाली का क्रम टूटा। सितंबर में 23,885 करोड़, अगस्त में 34,990 करोड़ और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये निकाले गए थे। एनएसडीएल के अनुसार इस महीने के पहले हफ्ते में एफपीआई ने इक्विटी से 11,820 करोड़ की शुद्ध निकासी की। इससे 2025 में कुल निकासी 1.55 लाख करोड़ हो गई। विश्लेषकों के अनुसार ताजा बिकवाली का मुख्य कारण मुद्रा संबंधी चिंताएं हैं। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि इस साल रुपया 5% कमजोर हुआ है, जिससे एफपीआई बिकवाली कर रहे हैं। एफपीआई की निकासी के बावजूद घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 19,783 करोड़ की खरीदारी की।

शीर्ष 10 में पांच कंपनियों का बाजार मूल्यांकन 72,285 करोड़ रुपये बढ़ा

नई दिल्ली। देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में पांच का कुल बाजार मूल्यांकन पिछले हफ्ते 72,284.74 करोड़ रुपये बढ़ गया। इसमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इंफोसिस को सबसे अधिक लाभ हुआ। इस दौरान भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस और बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन बढ़ा, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, लार्सन एंड टुब्रो और एलआईसी में गिरावट हुई।

आवास ऋण नौ लाख करोड़ के पार, ऋण वृद्धि 14% रहने की उम्मीद : एसबीआई

नई दिल्ली, एजेंसी

- खुदरा, कृषि तथा एमएसएमई में तेजी से कुल ऋण वृद्धि मजबूत

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने कहा कि बैंक का आवास ऋण पोर्टफोलियो पिछले महीने नौ लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है और उन्हें भरोसा है कि खुदरा, कृषि तथा एमएसएमई (आरएएम) क्षेत्र में जारी तेजी से चालू वित्त वर्ष में कुल ऋण वृद्धि 14 प्रतिशत रहेगी। आरएएम खंड सितंबर में ही 25 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुका है।

आर्थिक वृद्धि में सुधार को देखते हुए एसबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए ऋण वृद्धि लक्ष्य को पहले के 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 14 प्रतिशत कर दिया है। शेट्टी ने कहा कि हमने ऋण वृद्धि के अनुमान को बढ़ाया है। अब यह 12 प्रतिशत से 14 प्रतिशत है। हमें मजबूत ऋण वृद्धि दिख रही है, खासकर आरएएम खंड में। एमएसएमई क्षेत्र में 17-18 प्रतिशत और कृषि तथा खुदरा में करीब 14 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है। उन्होंने बताया कि स्वर्ण ऋण में भी अच्छी वृद्धि दर्ज की जा रही है, जबकि असुरक्षित व्यक्तिगत ऋण में दो अंकों की वृद्धि होगी। कुछ समय से सुस्त चल रहा कॉर्पोरेट ऋण खंड भी दूसरी तिमाही में पुनः गति पकड़ता दिखा और 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। शेट्टी ने कहा कि कॉर्पोरेट ऋण के लिए हमारा अनुमान निचले दो अंकों में है। इस तरह कुल मिलाकर 12-14 प्रतिशत ऋण वृद्धि हासिल करना पूरी तरह संभव है। रिजर्व बैंक द्वारा नीतिगत ब्याज दर में 25 आधार अंक की और कटौती से ऋण सस्ते होंगे और नई मांग को बल मिलेगा।

शीतकालीन पुनर्भंडारण के कारण कोकिंग कोयले का आयात बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

अक्टूबर में कोयला आयात में मिश्रित रुझान देखा गया, जिसमें सामान्य कोयले के आयात में गिरावट आई जबकि कोकिंग कोयले के आयात में वृद्धि हुई। कुल कोयला आयात में गिरावट का मुख्य कारण घरेलू बाजार में कोयले की अधिक उपलब्धता रही। वहीं, कोकिंग कोयले के आयात में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह अक्टूबर में 45 लाख टन से बढ़कर पांच लाख टन हो गया। यह बढ़ोतरी मुख्यतः इस्पात उद्योग द्वारा सर्दियों में भंडारण बढ़ाने की गतिविधियों के कारण हुई।

कोकिंग कोयला इस्पात उत्पादन के लिए एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है। एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में कुल कोयला आयात 3.9 प्रतिशत घटकर 2.09 करोड़ टन रह गया, जो एक साल पहले इसी महीने में 2.18 करोड़ टन था। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, इस्पात निर्माता आमतौर पर सर्दियों से पहले कोकिंग कोयले की खरीद बढ़ाते हैं, ताकि सर्दियों में उत्पादन निर्बाध रूप से जारी रह सके, जब परिवहन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में संभावित बाधाएं रहती हैं। इसी मौसमी मांग के कारण, सामान्य कोयले के आयात में धीमापन के बावजूद कोकिंग कोयले के आयात में वृद्धि देखी गई। कुल कोयला आयात में गिरावट का मुख्य कारण घरेलू बाजार में कोयले की अधिक उपलब्धता रहा। कोकिंग कोयले के आयात में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह अक्टूबर में 45 करोड़ टन से बढ़कर 50.4 लाख टन हो गया। इस वृद्धि का मुख्य कारण इस्पात मिलों द्वारा सर्दियों में भंडारण करने की गतिविधियां रही।

- बाजार में अधिक उपलब्धता बनी कुल कोयला में गिरावट का मुख्य कारण

सोने की चमक बरकरार, इस साल दिया 67% रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी

सुरक्षित निवेश परिसंपत्ति के रूप में सोने की चमक बरकरार है और इस साल घरेलू बाजार में इसने अबतक लगभग 67 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपये-डॉलर की दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो 2026 में सोने की कीमत पांच प्रतिशत से 16 प्रतिशत प्रति 10 ग्राम और चढ़ सकती हैं। उनका यह भी कहना है कि चूंकि सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब हैं, इसलिए अनुशासित और सोच-विचार कर निवेश करना जरूरी है।

दिल्ली सर्राफा संघ के आंकड़ों अनुसार, इस साल एक जनवरी को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम थी जो बीते शुक्रवार पांच दिसंबर को 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गयी। मेहता इक्विटीज लि. के उपाध्यक्ष (जिंस) राहुल कलंत्री ने कहा कि चालू वर्ष में सोने ने असाधारण रूप से मजबूत रिटर्न दिए हैं। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें इस साल अब तक 60 प्रतिशत (लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन) तक चढ़ चुकी हैं। इसका मुख्य कारण सुरक्षित निवेश की मांग, भू-राजनीतिक तनाव और दुनिया के बड़े केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर घटाने की उम्मीद है। वहीं भारत में रिटर्न इससे भी ज्यादा है। घरेलू बाजार में सोने की कीमत इस साल अब तक करीब 67 प्रतिशत चढ़ चुकी है। इसका अन्य कारण डॉलर के मुकाबले रुपये का कमजोर होना और मजबूत वैश्विक संकेत है। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर, 2025 में सोने ने अधिकांश निवेश उत्पादों (इक्विटी शेयर और बॉण्ड) की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन किया है और साबित किया है कि अनिश्चितता और अस्थिर समय में यह सबसे भरोसेमंद साधन है। अगर इक्विटी शेयर पर रिटर्न देखा जाए तो निफ्टी 50 टीआरआई (कुल रिटर्न सूचकांक) और निफ्टी 500 टीआरआई ने तीन दिसंबर तक क्रमशः 6.7 प्रतिशत और 5.1 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

- रुपया कमजोर हुआ तो 2026 में सोने की कीमत पांच से 16% चढ़ सकती हैं

रुपये की कमजोरी ने सोने की कीमतों में और इजाफा किया

सोने की कीमत में आई तेजी के कारणों पर कलंत्री ने कहा कि वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितता, डॉलर सूचकांक में कमजोर रुख, मुद्रास्फीति की चिंता और इसके खिलाफ सुरक्षा की आवश्यकता ने निवेशकों के लिए सोने में निवेश को आकर्षक विकल्प बनाया है। वैश्विक केंद्रीय बैंकों और संस्थागत निवेशकों द्वारा बड़े पैमाने पर खरीद के अलावा अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और अनुकूल मौद्रिक नीति की संभावनाएं भी सोने की बढ़ती कीमतों का महत्वपूर्ण कारक रही हैं। साथ ही, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी ने भारत में सोने की कीमतों में और इजाफा किया है। अगले साल के परिदृश्य के बारे में कलंत्री ने कहा कि यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपये-डॉलर दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो भारत में सोने की कीमत 1.45 लाख से 1.55 लाख रुपये को पार कर सकती है।

आरईईआर : मुद्रा की यथास्थिति का विशेष मापक

आरईईआर -रीर (रियल इफेक्टिव एक्सचेंज रेट- वास्तविक प्रभावी विनिमय दर) वह सूचकांक है जो किसी देश की मुद्रा की वास्तविक मजबूती या कमजोरी को मापता है। यह ,एनईईआर (नीर) की तरह सिर्फ विनिमय दरों को नहीं देखता, बल्कि मुद्रास्फीति को शामिल करके बताता है कि हमारी मुद्रा की खरीदने की क्षमता दुनिया के मुकाबले बढ़ी है या घटी है। जब रीर बढ़ता है, तो यह संकेत होता है कि हमारी मुद्रा वास्तविक रूप से महंगी हो रही है, जिससे निर्यात महंगा पड़ सकता है। वहीं रीर कम होने पर मुद्रा कमजोर मानी जाती है और निर्यात को लाभ मिल सकता है। रीर नीति-निर्माताओं और अर्थशास्त्रियों को यह समझने में मदद करता है कि वैश्विक व्यापार में हमारी प्रतिस्पर्धा कैसी है।

बढ़ने का अर्थ

जब रीर बढ़ता है, तो हमारी मुद्रा वास्तविक रूप से महंगी मानी जाती है।

- निर्यात महंगा हो जाता है
- विदेशी खरीदार भारतीय उत्पाद कम खरीद सकते हैं
- आयात थोड़ा सस्ता होता है। व्यापार संतुलन पर दबाव पड़ सकता है।

घटने का अर्थ

रीर घटने पर मुद्रा वास्तविक रूप से कमजोर होती है।

- निर्यात सस्ता और प्रतिस्पर्धी बनता है
- विदेशी बाजार में भारतीय उत्पादों की मांग बढ़ती है
- आयात महंगा हो जाता है। यह स्थिति निर्यात-केंद्रित उद्योगों के लिए सकारात्मक मानी जाती है।

क्या है रीर

रीर किसी देश की मुद्रा का मूल्य अन्य देशों की मुद्राओं के मुकाबले मुद्रास्फीति को समायोजित करके मापता है। इसका उद्देश्य यह समझना है कि वैश्विक बाजार में हमारी मुद्रा असल में कितनी मजबूत या कमजोर है। नीर केवल विनिमय दरों की तुलना करता है, लेकिन रीर उसमें वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों के अंतर को भी शामिल करता है। इसलिए रीर को मुद्रा की असली स्थिति बताने वाला मानक माना जाता है।

कैसे करता है काम

- रीर की गणना कई देशों की मुद्राओं के साथ हमारी मुद्रा के विनिमय दरों और उन देशों की मुद्रास्फीति दरों को मिलाकर की जाती है।
- यदि भारत में महंगाई अधिक और विदेशी देशों में कम है, तो रीर बढ़ सकता है।
- यदि महंगाई कम है और मुद्रा सस्ती है, तो रीर घट सकता है।

अर्थव्यवस्था में महत्व

रीर नीति-निर्माताओं, आरबीआई और सरकार को यह समझने में मदद करता है कि भारत की मुद्रा कहां खड़ी है। निर्यात को समर्थन देने के लिए क्या नीतियां बनाई जाएं। व्यापार घाटा नियंत्रित करने के लिए क्या कदम जरूरी हैं।

आधार-आधारित सत्यापन के लिए यूआईडीएआई लाएगा नया नियम

नई दिल्ली, एजेंसी

होटल, इवेंट ऑर्गेनाइजर आदि संस्थाओं द्वारा ग्राहकों के आधार कार्ड की फोटोकॉपी लेकर उसे रखने की प्रथा को रोकने के लिए जल्द नया नियम जारी होगा। यह प्रथा वर्तमान आधार अधिनियम का उल्लंघन है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के सीईओ भुवनेश कुमार ने बताया कि प्राधिकरण के नए नियम के तहत होटल, इवेंट ऑर्गेनाइजर आदि संस्थाओं को आधार-आधारित सत्यापन के लिए पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा।

उन्होंने बताया कि पंजीकृत संस्थाओं को नई प्रौद्योगिकी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे वे क्यूआर कोड स्कैन करके या आधार के नए एप से सत्यापित कर सकेंगी। इस नियम को बहुत जल्द अधिसूचित किया जाएगा। इसका उद्देश्य कागजी आधार सत्यापन को पूरी तरह रोकना है। ऑफलाइन सत्यापन करने वाली संस्थाओं को एपीआई (एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस) उपलब्ध कराया जाएगा, जिसके जरिए वे अपने सिस्टम को आधार सत्यापन के लिए अपडेट कर सकेंगी।

- होटल, इवेंट ऑर्गेनाइजर आदि को आधार-आधारित सत्यापन को पंजीकरण कराना अनिवार्य

यूआईडीएआई एक नए एप का बीटा-परीक्षण कर रहा है, जो प्रत्येक आधार सत्यापन के लिए केंद्रीय डेटाबेस से जुड़े बिना सीधे ऐप से ऐप तक पहचान की जांच करने की सुविधा देगा। बीटा-परीक्षण एक ऐसा परीक्षण होता है जिसमें किसी नये सॉफ्टवेयर, ऐप या तकनीक का सामान्य उपयोगकर्ताओं के लिए पूरी तरह से पेश करने से पहले सीमित लोगों के बीच इस्तेमाल किया जाता है। इसका उद्देश्य यह देखना होता है कि ऐप या सॉफ्टवेयर वास्तविक परिस्थितियों में सही काम कर रहा है या नहीं और इसमें कोई त्रुटि तो नहीं है।

नए एप का इस्तेमाल हवाई अड्डों, उम्र-प्रतिबंधित उत्पाद बेचने वाली दुकानों आदि जगहों पर भी किया जा सकेगा। कुमार ने कहा कि सत्यापन में यह सुगमता ऑफलाइन सत्यापन को कागज-रहित बनाएगी, साथ ही उपभोक्ताओं की गोपनीयता पूरी तरह सुरक्षित रहेगी और आधार की जानकारी के लीक होकर दुरुपयोग होने का कोई जोखिम नहीं रहेगा।

जिंक बाजार | बड़ी मिलों के पास सरसों का पर्याप्त स्टॉक होने और दाम ऊंचा होने की वजह से इसकी लिवाली प्रभावित

सरसों, मूंगफली में गिरावट, सोयाबीन तेल-तिलहन, पाम-पामोलीन में सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में जाड़े तथा शादी विवाह के मौसम की मांग से सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चे पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम सुधार के साथ बंद हुए। दूसरी ओर ऊंचे दाम के कारण मांग प्रभावित रहने से सरसों तथा लिवाली कमजोर रहने से मूंगफली तेल-तिलहन के दाम गिरावट दर्शाते बंद हुए।

बड़ी मिलों के पास सरसों का पर्याप्त स्टॉक है और वे विभिन्न रास्तों से सरसों के दाम में तेजी लाने पर जोर दे रहे हैं। लेकिन सरसों के दाम ऊंचा होने की वजह से इसकी लिवाली प्रभावित है जिसके कारण बीते सप्ताह अपने पूर्व सप्ताहांत के मुकाबले सरसों तेल-तिलहन के दाम में गिरावट आई। उन्होंने कहा कि कई तेल समीक्षकों को सरसों के भाव की तेजी को लेकर चिंता जताते पाया जा सकता है लेकिन उन्हें सोयाबीन डीगम तेल के लागत से कम दाम पर बिकवाली की चिंता व्यक्त करते नहीं पाया जाता है जिसकी वजह से तेल-तिलहन उद्योग की पूरी कारोबारी धारणा प्रभावित हो रही है।

सूत्रों ने कहा कि इन समीक्षकों को सोयाबीन का आयात घटने की तो चिंता हो रही है लेकिन आयात क्यों घटा है, इस बात की जानकारी सामने नहीं आती। उन्होंने कहा कि कुछ आयातकों के द्वारा बैंकों का कर्ज लौटाने की जल्दबाजी और बैंकों में अपना ऋण साखपत्र (एलसी) प्रचलन में रखने के लिए काफी लंबे समय से लागत से 6-7 प्रतिशत नीचे दाम पर सोयाबीन डीगम तेल की बिक्री की जा रही है। लंबे समय से जारी घाटे के इस कारोबार की स्थिति को देखते हुए बाकी आयातकों ने आयात की मात्रा को घटाना शुरू कर दिया है। सोयाबीन का हाजिर दाम एमएसपी से लगभग 15-16 प्रतिशत नीचे चल रहा है। आयात कम होने के साथ सस्ता होने और शादी विवाह के मौसम की मांग बढ़ने से सोयाबीन तेल-तिलहन में बीते सप्ताह सुधार आया है।

सूत्रों ने कहा कि मलेशिया में सट्टेबाजी के कारण बीते सप्ताह पाम-पामोलीन के दाम में भी सुधार दिखा। सट्टेबाज पाम-पामोलीन का दाम कभी घटाते हैं कभी बढ़ाते हैं। इन अनिश्चितता को देखते हुए देश में तेल-तिलहन उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता का महत्व समझ में आता है।

- बीते सप्ताह अपने पूर्व सप्ताहांत के मुकाबले सरसों तेल-तिलहन के दाम में आई गिरावट

बिनौला तेल के दाम में भी मामूली सुधार

भाव ऊंचा जरूर बोले जा रहे हैं पर मांग कमजोर बनी हुई है। सूत्रों ने कहा कि नमकीन बनाने वाली कंपनियों की औद्योगिक मांग बढ़ने से बीते सप्ताह बिनौला तेल के दाम में भी मामूली सुधार आया। बीते सप्ताह सरसों दाना 10 रुपये की गिरावट के साथ 7,100-7,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल 75 रुपये की गिरावट के साथ 14,650 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 10-10 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,460-2,560 रुपये और 2,460-2,595 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 50-50 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 4,600-4,650 रुपये और 4,300-4,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

एफटीए पर गोयल से मिलेगा यूरोपीय संघ का प्रतिनिधिमंडल

नई दिल्ली। भारत आए यूरोपीय संघ (ईयू) का प्रतिनिधि मंडल सोमवार को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हुई वार्ता की प्रगति पर चर्चा करेगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

यह बैठक महत्वपूर्ण है क्योंकि दोनों पक्ष यथाशीघ्र वार्ता को मुकाम पर पहुंचाने के इच्छुक हैं। यूरोपीय संघ व्यापार महानिदेशालय की महानिदेशक सबाइन वेयंड के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल वस्तुओं और सेवाओं से संबंधित मुद्दों पर मतभेदों को दूर करने के लिए यहां आया है। दोनों पक्षों ने वार्ता को साल के अंत तक नतीजे पर पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। अधिकारी ने बताया कि यूरोपीय संघ का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री मिलेगा।

अप्राप्त नवीकरणीय ऊर्जा को एफडीआरई में बदलेगी सरकार

पुडुचेरी, एजेंसी

- प्रेषणीय ऊर्जा में सौर, पवन और ऊर्जा भंडारण प्रणाली बैटरी का किया जाता है संयोजन

सुजलॉन समूह के उपाध्यक्ष गिरीश तांती का अनुमान है कि सरकार 40 गीगावॉट से अधिक बिना अनुबंध वाली नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को स्थिर और प्रेषणीय नवीकरणीय ऊर्जा (एफडीआरई) विकल्प में परिवर्तित कर सकती है क्योंकि यह विकल्प साधारण सौर और पवन परियोजनाओं की तुलना में अधिक भरोसेमंद है। स्थिर और प्रेषणीय नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना में सौर, पवन और ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बैटरी) का संयोजन किया जाता है, जिससे पीक मांग के समय विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होती है।

सरकारी दस्तावेज़ों के अनुसार, 45.34 गीगावॉट क्षमता के लिए विद्युत खरीद समझौते (पीपीए) पर अब तक हस्ताक्षर नहीं हुए हैं। सरकार इन परियोजनाओं को समाधान खोजने में सक्रिय है। निविदा के विजेता वितरण कंपनियों के साथ समझौता करने का प्रयास कर रहे हैं। साथ ही, चार नवीकरणीय ऊर्जा कार्यान्वयन निकाय सेसी, एनटीपीसी, एनएचपीसी और एसजेवीएन ने प्रस्ताव दिया कि स्वीकृत विद्युत क्षमता की नीलामी के माध्यम से समस्या का समाधान किया जाए। तांती ने कहा कि इस समय यह क्षमता भारत सरकार द्वारा पुनर्मूल्यांकन के अधीन है। इसे स्थिर और प्रेषणीय नवीकरणीय ऊर्जा में परिवर्तित किया जाएगा। उनके बयान इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि भारत का लक्ष्य 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता हासिल करना है।

वर्ल्ड ब्रीफ

हवाई के किलाउआ ज्वालामुखी से निकले लावा के तीन फव्वारे

होनोलुलु। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने रविवार को कहा कि हवाई के किलाउआ ज्वालामुखी में 38वें विस्फोट के दौरान लावे के तीन फव्वारे फूटे हैं जिनमें से एक फव्वारा 1,200 फीट की ऊंचाई तक जा रहा है। मौजूदा विस्फोट के दौरान पहली बार लगभग बराबर आकार के तीन फव्वारे फूट निकले हैं। यूएसजीएस ने कहा, वर्तमान में तीनों छिद्रों से फव्वारे निकल रहे हैं। दक्षिणी फव्वारा लगभग 1200 फीट ऊंचा है जबकि दो फव्वारे 500 फीट के आस पास हैं। इन फव्वारों में से दो उत्तरी छिद्र से और एक दक्षिणी छिद्र से है। यह तिहरा फव्वारा एक अत्यंत दुर्लभ घटना है और इस विस्फोट के दौरान ऐसा पहली बार देखा गया है। किलाउआ विश्व के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक है। यह हवाई द्वीप के दक्षिण-पूर्वी तट पर स्थित है।

अमेरिका का नशीले पदार्थों के विरुद्ध अभियान ढोंग: क्यूबा

हवाना। क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिगेज ने कहा कि होंडुरास के पूर्व राष्ट्रपति जुआन ऑरलैंडो हर्नांडेज को दी गई माफी यह दर्शाती है कि अमेरिकी सरकार की ओर से घोषित नशीले पदार्थों के विरुद्ध युद्ध एक ढोंग है। नशीले पदार्थों की तस्करी और अन्य आरोपों में संयुक्त राज्य अमेरिका में 45 साल जेल की सजा पाने वाले हर्नांडेज को ट्रंप प्रशासन से आधिकारिक माफ़ी मिलने के बाद सोमवार को रिहा कर दिया गया था। रोड्रिगेज ने शनिवार को कहा कि अमेरिका का तथाकथित ड्रग-विरोधी अभियान वेनेजुएला की वैध सरकार को उखाड़ फेंकने का एक बहाना है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यह माफी अमेरिकी सरकार और उसकी एजेंसियों की नशीले पदार्थों के एक विशाल बाजार के साथ मिलीभगत को उजागर करती है, जो उनके ही अपने ही देश में लाखों लोगों की जान ले रहा है।

अमेरिका से 32 एफ-35 लाइटनिंग-2 खरीदेगा रोमानिया

चिसिनाउ। रोमानिया अमेरिका से 6.5 अरब डॉलर में 32 एफ-35 लाइटनिंग-2 विमान खरीदने जा रहा है। रोमानियाई रक्षा मंत्रालय की डिफेंस रोमानिया न्यूज़ वेबसाइट ने एक रिपोर्ट में कहा कि यह देश के इतिहास का सबसे महंगा समझौता होगा। एफ-35 खरीद कार्यक्रम को पूरी तरह रक्षा मंत्रालय के बजट से फंड दिया जाएगा। इसे पहले ही राष्ट्रीय रक्षा की सर्वोच्च परिषद से मंज़ूरी मिल चुकी है। अनुबंध पर हस्ताक्षर होने के बाद यह सौदा दस्तावेज़ीकरण के आखिरी चरण में है। इससे पूर्व, रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि रोमानियाई सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण दो चरणों में किया जाएगा।

भारत हमास को आतंकी संगठन घोषित करे तो पड़ेगा बड़ा प्रभाव

यरुशलम, एजेंसी

- इजराइली विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने कहा- दोनों देशों के बीच सहयोग के अनंत अवसर

इजराइली अधिकारी ने भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) परियोजना को बेहतरीन करार दिया और कहा कि इजराइल और भारत के बीच संबंध बेहद मजबूत हैं तथा दोनों देशों के बीच सहयोग के अनंत अवसर मौजूद हैं।

इजराइली विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यहां भारतीय पत्रकारों के एक समूह से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा, इजराइल भारत के साथ-साथ बाकी दुनिया पर भी हमास को आतंकवादी संगठन घोषित करने के लिए दबाव डाल रहा है। अधिकारी ने कहा कि भारत अगर हमास को सूचीबद्ध करता है तो इसका एक मजबूत वैश्विक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा, इजराइल और भारत के बीच संबंध बहुत मजबूत है और ये और भी मजबूत होते जा रहे हैं, नागरिक के साथ ही सैन्य और रक्षा सहयोग के संदर्भ में भी।

विदेश मंत्रालय के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि दोनों देशों के पास साथ मिलकर काम करने के अनंत अवसर हैं। आईएमईसी परियोजना के बारे में अधिकारी ने कहा, इजराइल के लिए यह एक बहुत ही अच्छी पहल। हम इस पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। फिलहाल, दो देश ऐसे हैं जो हस्ताक्षरकर्ता नहीं हैं - जॉर्डन और इजराइल।

इंडिगो संकट के कौन जिम्मेदार

भारतीय विमानन क्षेत्र के इतिहास में 2 दिसंबर 2025 का दिन काले अध्याय के रूप में जुड़ गया। इसी दिन से देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो की उड़ानें रद्द होनी शुरू हुईं और यह सिलसिला अब तक बरकरार है। इस बीच हर दिन सैकड़ों उड़ानें रद्द होने से देश-विदेश के हजारों यात्री देश के अलग-अलग हवाई अड्डों पर फंस गए। कुछ यात्रियों को जो नुकसान हुआ, उसकी भरपाई असंभव थी। इस पूरे घटनाक्रम से पूरी दुनिया में भारतीय विमानन की साख धराशायी हो गई, हैरतअंगेज यह भी रहा कि कोई जिम्मेदारी लेने आगे नहीं आया। इस घटनाक्रम ने भारत में हवाई यात्रा के नए जोखिमों की ओर भी इशारा किया है। सरकार ने अपने कुछ उन फैसलों को रद्द किया है जिन्हें संकट का प्रमुख कारण कहा गया, लेकिन इसे भविष्य में दोबारा ऐसा संकट खड़ा न होने की गारंटी नहीं माना जा रहा है।

हवाई यात्रा के नए जोखिम

संकट के प्रमुख कारण

- डीजीसीए की ओर से पायलटों के आराम के घंटे बढ़ाने और उड़ान के घंटों को सीमित करने के सख्त नियमों से एयरलाइन के रोस्टर पर प्रभाव पड़ा।
- इंडिगो ने महीनों बाद भी पर्याप्त पायलटों और चालक दल की भर्ती नहीं की, जिसके चलते नियमों के लागू होते ही कर्मचारियों की भारी कमी हो गई।
- एयरलाइन ने लागत कम करने के लिए अतिरिक्त कर्मचारी रखने में रुचि नहीं दिखाई और नए नियमों के अनुसार परिचालन में विफल हो गई।

जिम्मेदारी और सवाल

- डीजीसीए ने सीधे तौर पर इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को योजना, निरीक्षण और संसाधन प्रबंधन में महत्वपूर्ण चूक के लिए जिम्मेदार ठहराया है।
- एयरलाइन अपने मौजूदा नेटवर्क के लिए नए मानदंडों के तहत जरूरी चालक दल की संख्या का सही अनुमान लगाने और प्रबंधन करने में विफल रही।
- विशेषज्ञों का यह भी तर्क है कि डीजीसीए को नियमों को चरणबद्ध तरीके से लागू करते समय एयरलाइंस की तैयारियों पर बेहतर निगरानी रखनी चाहिए थी।
- भारतीय विमानन बाजार में गहरी संरचनात्मक विफलता, जहां तीव्र विकास के साथ बुनियादी ढांचे और मानव संसाधन में निवेश तालमेल नहीं बैठा पाए हैं।

भविष्य के जोखिम

- भारत के घरेलू यात्री यातायात में इंडिगो की 60% से अधिक हिस्सेदारी है, इस एयरलाइन में कोई भी व्यवधान बड़े प्रभाव छोड़ सकता है।
- यह एकाधिकार और प्रणालीगत विफलता का उदाहरण है, एक एयरलाइन पर अत्यधिक निर्भरता भविष्य में फिर संकट खड़ा कर सकती है।
- ताजा संकट के दौरान छोटे मार्गों पर भी टिकट की कीमतें 1.5 लाख रुपये से अधिक हो गईं, इससे यात्रियों के शोषण की मंशा उजागर हुई।
- पायलट यूनियनों और पूर्व नियामकों ने आरोप लगाया है कि एयरलाइन प्रबंधन ने परिचालन व्यवस्था की कीमत पर स्टाफ के हित की अनदेखी की।

अंतर्राष्ट्रीय छवि पर प्रभाव

- हवाई अड्डों पर फंसे यात्रियों और अव्यवस्था के वीडियो सोशल मीडिया के जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वायरल हुए।
- भारतीय विमानन पारिस्थितिकी तंत्र की कमजोरी उजागर हुई जिसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए किस्म की चिंताएं पैदा हुईं।
- विदेशी यात्रियों और एयरलाइनों के बीच भारतीय घरेलू बाजार की विश्वसनीयता पर सवाल उठने की आशंका भी पैदा हुई।

बेनिन में सैनिक विद्रोह, तख्तापलट करने की कोशिश विफल, गोलीबारी

सरकारी टीवी पर राष्ट्रपति को हटाने का एलान, सशस्त्र बलों ने पाया नियंत्रण

कॉन्टोनू, एजेंसी

पश्चिमी अफ्रीकी राष्ट्र बेनिन में रविवार को घोषित तख्तापलट को विफल कर दिया गया है। सैनिकों के एक समूह ने इससे पहले विद्रोह शुरू करते हुए सरकारी टीवी पर आकर राष्ट्रपति और सभी सरकारी संस्थाओं को बर्खास्त करने का एलान किया। इस बीच राष्ट्रपति आवास के पास गोलीबारी भी हुई लेकिन बाद में गृहमंत्री ने घोषणा की कि तख्तापलट की कोशिशों को नाकाम कर दिया गया है।

गृह मंत्री अलास्साने सेइदोउ ने कहा, रविवार, सात दिसंबर, 2025 की सुबह, सैनिकों के एक छोटे समूह ने देश और उसकी संस्थाओं को अस्थिर करने के उद्देश्य से विद्रोह शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, बेनिनी के सशस्त्र बल और उनका नेतृत्व गणतंत्र के प्रति प्रतिबद्ध रहे और इस स्थिति का सामना किया। उन्होंने तख्तापलट की कोशिशों को विफल कर दिया है। पश्चिम अफ्रीकी देशों में सिलसिलेवार तरीके से तख्तापलट होते रहे हैं। इस सिलसिले में यह सबसे ताजा मामला है।

इससे पहले बेनिन में सैनिकों के एक समूह ने सरकारी टीवी पर संबोधन के जरिए सरकार के तख्तापलट की घोषणा की थी। खुद को 'मिलिट्री कमेटी फॉर रीफाउंडेशन' कहने वाले सैनिकों के समूह ने राष्ट्रपति और सभी सरकारी संस्थाओं को हटाए जाने की घोषणा की। समूह ने कहा कि लेफ्टिनेंट कर्नल पास्कल तिगरी को सैन्य समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

सरकारी टीवी पर तख्तापलट का एलान करते बेनिन की सेना के अधिकारी।

आजादी मिलने के बाद कई बार हो चुके हैं तख्तापलट

वर्ष 1960 में फ्रांस से आजादी मिलने के बाद पश्चिमी अफ्रीकी राष्ट्र बेनिन ने तख्तापलट की कई घटनाओं को देखा है। ताजा घटनाक्रम में राष्ट्रपति पैट्रिस टैलोन 2016 से सत्ता में थे और अगले साल अप्रैल में राष्ट्रपति चुनाव के बाद उन्हें पद छोड़ना था। टैलोन की ही पार्टी के उम्मीदवार, पूर्व वित्त मंत्री रोमुआल्ड वडाग्नि को चुनाव जीतने की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा है। देश में तेज होती राजनीतिक सरगर्मियों के बीच विपक्षी उम्मीदवार रेनॉड अगबोडजो की उम्मीदवारी को निर्वाचन आयोग ने इस आधार पर खारिज कर दिया कि उनके पास पर्याप्त प्रायोजक नहीं थे। इस घटना के बाद से बेनिन में राजनीतिक उथलपुथल बढ़ने लगी थी। पिछले महीने देश की विधायिका ने राष्ट्रपति का कार्यकाल पांच वर्ष से बढ़ाकर सात वर्ष कर दिया था तथा कार्यकाल सीमा दो ही रखी थी। इससे राजनीतिक उथलपुथल ने और जोर पकड़ा। इसी के बाद नतीजा अचानक तख्तापलट की कोशिशों के रूप में सामने आया।

- अंतरराष्ट्रीय समुदाय, विशेष रूप से पश्चिमी अफ्रीकी राज्यों का आर्थिक समुदाय और अफ्रीकी संघ, इस घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रहा है। यह प्रयास ऐसे समय में हुआ है जब राष्ट्रपति टैलोन अगले साल अप्रैल में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के बाद पद छोड़ने वाले थे। इस घटना से बेनिन में लोकतांत्रिक व्यवस्था की बहाली पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है।

राष्ट्रपति आवास पर तड़के हमला, राष्ट्रीय चैनल पर किया कब्जा

तख्तापलट के प्रयास की शुरुआत राजधानी पोर्टो-नोवो में राष्ट्रपति तालोन के आधिकारिक आवास पर तड़के हुए हमले से हुई। इसके तुरंत बाद, खुद को 'पुनर्निर्माण के लिए सैन्य समिति' कहने वाले सैनिकों ने राष्ट्रीय टेलीविजन पर कब्जा कर लिया और राष्ट्रपति तालोन को सत्ता से बेदखल करने की घोषणा कर दी। साल 2016 से सत्ता में शीर्ष पर रहे राष्ट्रपति तालोन के बारे में जानकारी नहीं मिल सकी है। इससे देश के शासक की वास्तविक स्थिति को लेकर भ्रम बना हुआ है। हालांकि, इन्हीं खबरों के बीच राष्ट्रपति पैट्रिस तालोन के कार्यालय की ओर से एक बयान में रविवार को दावा किया गया कि वे सुरक्षित हैं और सरकारी बलों ने स्थिति पर काबू पाने के साथ तख्तापलट की कोशिशों को नाकाम कर दिया है। बेनिन के गृह मंत्रालय ने कहा कि देश में तख्तापलट का प्रयास किया गया था लेकिन सेना की मदद से इसे नाकाम कर दिया गया। इस बीच, राजधानी में सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। कुछ खबरों में कहा गया है कि राष्ट्रपति आवास के पास स्थित 'कैंप गेज़ो' में गोलीबारी हुई है। पूरे दिन स्थिति साफ नहीं हो सकी। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की ओर से इस स्थिति पर चिंता जताई गई है।

शंघाई में अत्याधुनिक भवन में पहुंचा भारत का वाणिज्य दूतावास

बीजिंग। भारत ने शंघाई स्थित अपने वाणिज्य दूतावास के नए अत्याधुनिक भवन का रविवार को उद्घाटन किया। भारत ने चीन के मुख्य व्यापारिक केंद्र स्थित अपने वाणिज्य दूतावास को 32 साल में पहली बार दूसरे भवन में स्थानांतरित किया है।

शंघाई वाणिज्य दूतावास चीन के पूर्वी क्षेत्र में भारत के तेजी से बढ़ते व्यापारिक समुदाय की सेवा करता है, जहां यिवू जैसे शीर्ष व्यापार और व्यवसाय केंद्र है, जहां बड़ी संख्या में भारतीय व्यवसाय मौजूद हैं। चांगनिंग जिले के प्रमुख डॉनिंग सेंटर में 1,436.63 वर्ग मीटर में फैले विशाल नए वाणिज्य दूतावास भवन का उद्घाटन चीन में भारतीय राजदूत प्रदीप कुमार रावत ने किया। यह भवन पिछले भवन के आकार की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। वाणिज्य दूतावास 8 दिसंबर को नए परिसर से काम शुरू कर देगा। रावत ने 1992 के बाद पहली बार वाणिज्य दूतावास के उद्घाटन के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह वर्ष विशेष है क्योंकि भारत और चीन राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

चीनी सैन्य विमान ने जापानी लड़ाकू विमानों को निशाने पर लिया, तनाव और बढ़ा

टोक्यो, एजेंसी

- जापान ने चीन के समक्ष जताया विरोध, खतरनाक कृत्य बताया

चीनी विमानवाहक पोत लिया ओनिंग से उड़ान भरने वाले सैन्य विमान ने जापान के ओकिनावा के पास जापानी लड़ाकू विमानों पर अपना 'रडार लॉक' कर दिया, इस पर जापान ने चीन के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है। इस घटना से दोनों देशों के बीच पहले से चल रहा तनाव और गहराता दिखने लगा है।

रडार लॉक का मतलब है कि किसी सैन्य विमान का अपने रडार को दूसरे विमान या लक्ष्य पर इस तरह केंद्रित करना कि वह उसकी सटीक स्थिति, गति और दिशा पर लगातार नजर रख सके। जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि चीन के सैन्य विमान जे-15 ने शनिवार को दो अलग-अलग समय में जापानी एफ-15 लड़ाकू विमानों पर अपना रडार लॉक किया। मंत्रालय ने कहा कि एक बार दोपहर में तीन मिनट के लिए और फिर शाम को लगभग 30 मिनट के लिए ऐसा किया गया।

मंत्रालय के अनुसार, चीनी विमान से उन जापानी लड़ाकू विमानों पर रडार लॉक किया जिन्होंने चीन की ओर से हवाई क्षेत्र के संभावित उल्लंघन के खिलाफ उड़ान भरी थी। मंत्रालय ने कहा कि जापानी हवाई क्षेत्र का कोई उल्लंघन नहीं हुआ और इस घटना से कोई नुकसान होने की भी सूचना नहीं मिली। यह स्पष्ट नहीं है कि रडार लॉक करने की घटना में दोनों बार वही चीनी जे-15 विमान शामिल था या नहीं।

जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने रविवार की सुबह पत्रकारों से कहा कि जापान ने चीन के समक्ष विरोध जताया है और इसे एक खतरनाक कृत्य करार देते हुए कहा कि यह सुरक्षित विमान संचालन के नियमों के खिलाफ है। उन्होंने कहा, ऐसी घटना का होना अत्यंत निंदनीय है। हमने चीनी पक्ष के समक्ष सख्त विरोध जताया है और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाने मांग की है।

अमूर्त विरासत संस्कृति की सबसे ज्यादा लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति : जयशंकर

लाल किला परिसर में यूनेस्को की बैठक में बोले विदेश मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कहा कि परंपराएं, भाषाएं, संगीत, शिल्प कौशल और अमूर्त विरासत के अन्य रूप कई मायनों में संस्कृति की सबसे लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति हैं, जो सभी की साझा संपत्ति होती हैं और कई लोग इसका संरक्षण करते हैं।

यहां लाल किला परिसर में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) के संरक्षण पर यूनेस्को की एक महत्वपूर्ण बैठक के उद्घाटन समारोह में अपने संबोधन के दौरान जयशंकर ने विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों से कहा कि शांति और समृद्धि की साझा खोज में विरासत को पोषित करना और उसे भावी पीढ़ियों तक पहुंचाना आवश्यक है। अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए अंतर-सरकारी समिति (आईसीएच) का 20वां सत्र आठ से 13 दिसंबर तक लाल किले में आयोजित होगा।

दिल्ली में यूनेस्को की ओर से आयोजित कार्यक्रम में विदेश मंत्री एस जयशंकर।

यह पहली बार है कि भारत यूनेस्को पैनल के किसी सत्र की मेजबानी कर रहा है। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के महानिदेशक खालिद अल-एनानी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और यूनेस्को में भारत के स्थायी प्रतिनिधि विशाल वी. शर्मा उपस्थित थे। मुगल सम्राट शाहजहां द्वारा निर्मित लाल किला यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल और एएसआई द्वारा संरक्षित एक स्मारक है।

शांति वार्ता के बीच रूस ने यूक्रेन की रोवनोये बस्ती पर भी किया कब्जा

मॉस्को, एजेंसी

रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि उसके त्सेन्ट्र बैटलग्रुप ने यूक्रेन की रोवनोये बस्ती पर कब्जा कर लिया है। यह समूह दिमित्रोव में यूक्रेनी सैनिकों के खिलाफ जोरदार कार्रवाई कर रहा है और डोनेट्स्क पीपल्स रिपब्लिक में ग्रिशिनो क्षेत्र को सैनिकों से मुक्त करा रहा है।

मंत्रालय ने कहा कि त्सेन्ट्र बैटलग्रुप की इकाइयों ने 'डोनेट्स्क पीपल्स रिपब्लिक की रोवनोये बस्ती को आजाद कराने का काम पूरा कर लिया है। रूसी सेना ने इस क्षेत्र के एक और गांव को घेर लिया है। बैटलग्रुप ने दावा किया है कि शनिवार को विभिन्न मोर्चों पर उसके अभियान में 480 यूक्रेनी सैन्यकर्मी मारे गए हैं। गौरतलब है कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी है, जबकि युद्ध खत्म करने के लिए शांति वार्ता तेज हो गई है, जिसमें मियामी में यूक्रेन-अमेरिका के बीच विस्तृत बातचीत भी शामिल है।

रूसी हमलों में एक की मौत: रविवार रात रूस के मिसाइल और ड्रोन हमलों में यूक्रेन में एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच तीसरे दिन की वार्ता समाप्त हो गई है।

बंकरों-चौकियों के निर्माण में सेना ने शुरू किया थ्री-डी कंक्रीट प्रिंटिंग प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल

गंगटोक, एजेंसी

- भूभाग डिजाइन ,उन्नत छलावरण जरूरतों के अनुरूप है ये तकनीक

भारतीय सेना ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) हैदराबाद के सहयोग से सिक्किम के अग्रिम इलाकों में बंकरों, संतरी चौकियों और सुरक्षात्मक संरचनाओं के त्वरित निर्माण के लिए 'ऑन-साइट थ्री-डी कंक्रीट प्रिंटिंग' प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। रक्षा विभाग की ओर से यह जानकारी दी गई।

रक्षा मंत्रालय के एक बयान में कहा गया कि यह क्षमता पहले ही अन्य अभियानगत क्षेत्रों में अपनी उपयोगिता साबित कर चुकी है और अब सिक्किम के 'त्रिशक्ति कोर' ने इसका प्रभावी उपयोग शुरू किया है। बयान में कहा गया, स्वदेशी 'रोबोटिक थ्री-डी कंक्रीट प्रिंटर' रोबोटिक आर्म, सर्कुलर मिक्सर, पिस्टन पंप और जनरेटर से लैस है। इसे वाहनों से पहाड़ी इलाकों में तीव्र गति से लाया-ले जाया जा सकता है।

बयान में कहा गया है कि थ्री-डी कंक्रीट प्रिंटिंग अनुकूलित डिजाइन, विस्फोट और बैलिस्टिक प्रतिरोध में वृद्धि, अधिक दाब-सहनशीलता, बेहतर गुणवत्ता नियंत्रण, स्थानीय सामग्री के प्रभावी उपयोग और सामरिक रूप से स्वीकार्य समय-सीमा के भीतर तेज निर्माण सहित कई परिचालन लाभ प्रदान करती है। यह भू-भाग-विशिष्ट डिजाइन और उन्नत छलावरण आवश्यकताओं के भी अनुरूप है।

कहा गया है कि चुनौतीपूर्ण इलाकों में तेज, टिकाऊ और मिशन-केंद्रित आधारभूत संरचना विकसित करने में सक्षम 'ऑन-साइट 3डी प्रिंटिंग' का निरंतर उपयोग सेना की इंजीनियरिंग और परिचालन क्षमता में एक महत्वपूर्ण प्रगति दर्शाता है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 8 दिसंबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, चतुर्थी 16.03 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

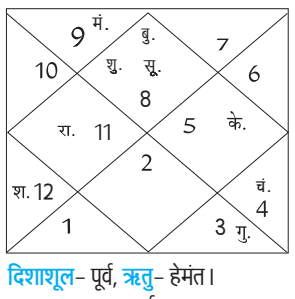

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पुष्य 09 दिसंबर 02.52 तक तत्पश्चात अश्लेशा।

मेष — आज दूसरों की सहायता करके आपको आत्मसंतुष्टि महसूस होगी। आप जिस काम को आसान मान रहे थे, वो आपको काफी परेशान कर सकता है। रिश्तेदारों के कारण कुछ तनाव हो सकता है। अपशब्दों का बिल्कुल प्रयोग न करें।

वृष — आज घर में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। दोपहर के बाद आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। भौतिक भोग-विलास का भरपूर आनंद लेंगे। व्यवसाय में सहयोगियों का साथ मिलेगा।

मिथुन — आज आर्थिक मामलों में भाग्यशाली रहेंगे। अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। विरोधियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। आपको बड़े व प्रभावशाली लोगों से मिलना पड़ सकता है। भविष्य को ध्यान में रखते हुए नए कार्यों की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं।

कर्क — आज प्रेम संबंधों को विवाह का स्वरूप दे सकते हैं। दांपत्य संबंधों में आपसी समझ और सामंजस्य में वृद्धि होगी। पुराने रुके हुए कार्य प्रारंभ हो सकते हैं। नए व्यापारिक अनुबंध कर सकते हैं। पिता के साथ चर्चा व उनका आशीर्वाद लेना उत्तम होगा।

सिंह — आज आपके ऊपर कार्यभार की अधिकता रहेगी। एक ही काम को बार-बार करना पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों को एक-दो दिन के लिए टालना हितकर होगा। महिलाओं को अपनी सुरक्षा को लेकर थोड़ा ध्यान रखना पड़ेगा।

कन्या — आज फाइनेंस से जुड़े मामलों के लिए दिन बहुत अच्छा है। आपके खर्चों में कमी आएगी। व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ मिलने से काफी अच्छा व सहज महसूस करेंगे। विवादित मामलों में आपकी विजय हो सकती है।

तुला — आज सहकर्मियों के साथ आपकी दोस्ती बढ़ सकती है। रुचि पूर्ण कार्य करने के अवसर मिलेंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य से कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। सभी कार्य आपके अनुसार होने से मन प्रसन्न रहेगा। राजनीति में आप विशेष रुचि ले सकते हैं।

वृश्चिक — आज आपको सकारात्मक बने रहना चाहिए। दोस्तों के साथ बिजनेस पार्टनरशिप को लेकर चर्चा हो सकती है। धीमी गति से आपके काम बनते प्रतीत होंगे। बच्चे पढ़ाई के बजाय दूसरे कार्यों में समय अधिक व्यर्थ करेंगे।

धनु — आज आप कोई नया कार्य आरंभ करने से बचें। आपकी अच्छी सलाह भी लोगों को समझ नहीं आएगी, इसीलिए बिना मांगे किसी को सलाह न दें। पुराने विवाद दोबारा उठ खड़े हो सकते हैं। किसी की गारंटी न लें वरना नुकसान हो सकता है।

मकर — आज तनाव के बावजूद कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन काफी अच्छा रहेगा। आप कई लोगों का मार्गदर्शन कर सकते हैं। आवश्यक कार्य समय से पहले पूर्ण हो जाएंगे। आपके प्रेम संबंध अत्यंत मधुर रहने वाले हैं। सामाजिक संपर्क में वृद्धि होगी।

कुंभ — आज आपका दिन अत्यंत व्यस्त रहेगा। एक साथ अनेक कार्य संभालने पड़ेंगे। वकालत की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को नया कुछ सीखने को मिलेगा। पैतृक संपत्ति के मामलों के उलझने की संभावना बन रही है। गुप्त शत्रु आपके विरुद्ध सक्रिय हो सकते हैं।

मीन — आज प्रेमी जन को मूल्यवान उपहार दे सकते हैं। इससे आपके संबंध और भी घनिष्ट व मधुर होंगे। अपनी रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए खानपान और योग पर ध्यान दें। मित्रों के भरोसे अपने महत्वपूर्ण काम न छोड़ें।

सुडोकू-184

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1			3	4				
4			1					
				9				
2								
				2				
	1							
		5	8					

सुडोकू - 183 का हल

1	9	2	3	7	4	5	6	8
7	8	4	6	2	5	1	9	3
5	6	3	1	8	9	7	4	2
4	7	1	2	6	8	9	3	5
8	2	9	7	5	3	4	1	6
3	5	6	4	9	1	2	8	7
9	4	5	8	3	7	6	2	1
2	3	7	9	1	6	8	5	4
6	1	8	5	4	2	3	7	9

जरूरत से ज्यादा अभ्यास करना इंग्लैंड को भारी पड़ा। टीम के लिए एशेज की ऐतिहासिक ट्रॉफी को हासिल करने के लिए सीरीज के बचे हुए तीनों टेस्ट मैचों को जीतना जरूरी है।

–ब्रेंडन मैकुलम, इंग्लैंड के मुख्य कोच

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

लखनऊ, सोमवार, 8 दिसंबर 2025

हाईलाइट

निशानेबाजी विश्व कप में सिमरनप्रीत ने जीता स्वर्ण पदक

दोहा। युवा सिमरनप्रीत कौर बरार ने रविवार को यहां मुश्किल मुकाबले में जीत हासिल करके महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता जबकि भारत के 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन चैंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में अपने पदार्पण में रजत पदक अपने नाम किया। ऐश्वर्य ने इस तरह इस खेल में सभी संभावित विश्व और महाद्वीपीय चैंपियनशिप में पदकों का सेट पूरा कर लिया। इस साल की शुरुआत में लीमा में विश्व कप में रजत पदक जीतने वाली सिमरनप्रीत के पिता ने अपनी बेटी के लिए सरकारी नौकरी छोड़ दी थी। इस निशानेबाज ने फाइनल में 41 का शानदार स्कोर बनाकर अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की और अपने माता-पिता को फक्र महसूस कराया।

टेनिस से संन्यास लेंगी सोराना सिर्स्टिया

बुखारेस्ट (रोमानिया)। रोमानिया की महिला टेनिस खिलाड़ी सोराना सिर्स्टिया ने सोशल मीडिया मंच पर कहा है कि वह 2026 सीजन के बाद टेनिस से संन्यास लेगी। 35 साल की रोमानियाई खिलाड़ी ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा कि डब्लयूटीए टूर पर उनका 20वां सीजन का आखिरी साल होगा। सिर्स्टिया ने लिखा मुझे टेनिस बहुत पसंद है। मुझे इसका अनुशासन, रूटीन, कड़ी मेहनत पसंद है। मुकाबला और एड्रेनालाईन मेरी आत्मा को एनर्जी देते हैं। लेकिन जिंदगी में हर चीज की तरह, इसका भी अंत होना है।

मुंबई ने आईपीबीएल खिताब जीता

नई दिल्ली। मुंबई स्मैशर्स ने हैदराबाद रॉयल्स को 5-1 से हराकर पहले इंडियन पिकलबॉल लीग खिताब जीत लिया। मुंबई ने खिताबी मुकाबले में दोनों में से मजबूत शुरुआत की जिसमें क्वांग डुओंग ने तेजस गुलाटी को 15-4 से मात दी। बाद में डुओंग ने अपने पुरुष युगल जोड़ीदार अमोल रामचंदानी के साथ मिलकर हैदराबाद की जोड़ी बेन न्यूवेल और दिव्यांशु कटारिया को 15-10 से हराकर मुंबई को 2-0 से आगे कर दिया। हैदराबाद के लिए मेगान फज ने सिंदूर मित्तल को 15-5 से हराकर एक अंक जुटाया। मुंबई ने महिला युगल में वापसी करते हुए इसे 15-10 से जीत लिया।

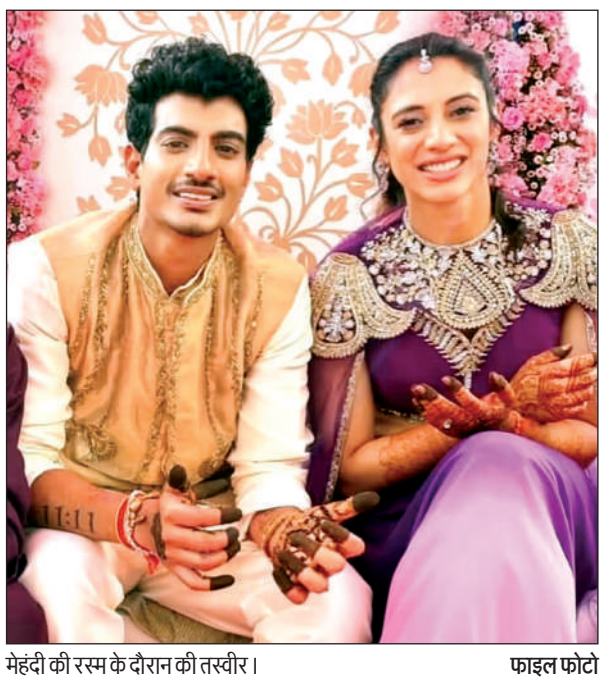

मेहंदी की रस्म के दौरान की तस्वीर। फाइल फोटो

मंधाना और पलाश ने रिश्ता खत्म करने की घोषणा की

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने रविवार को घोषणा की कि उनकी शादी रद्द कर दी गई है। उन्होंने प्रशंसकों और मीडिया से अटकलों पर विराम लगाने का आग्रह किया, जबकि संगीतकार पलाश मुच्छल ने पुष्टि की कि उन्होंने रिश्ते से आगे बढ़ने का फैसला किया है। मुच्छल ने अपमानजनक अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की भी चेतावनी दी।

भारत की सबसे प्रमुख महिला क्रिकेटरों में से एक मंधाना ने पिछले महीने अपनी निजी जिंदगी को लेकर अफवाहें तेज होने के बाद सोशल मीडिया पर अपना पहला सार्वजनिक बयान जारी किया। मंधाना ने लिखा मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि शादी रद्द कर दी गई है। मैं इस मामले को यहीं समाप्त करना चाहती हूं और आप सभी से भी ऐसा करने का अनुरोध करती हूं।

- निजता बनाए रखने की अपील की, 23 नवंबर को होनी थी शादी

मैंने आगे बढ़ने का फैसला किया है : मुच्छल

मंधाना की पोस्ट के तुरंत बाद पलाश मुच्छल ने भी बयान जारी किया, जिसमें पुष्टि की गई कि उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रही चर्चा को आधारहीन करार देते हुए इस पर दुख भी व्यक्त किया। मुच्छल ने कहा मैंने अपने जीवन में आगे बढ़ने का फैसला किया है। मेरे लिए यह देखना बहुत मुश्किल रहा है कि जो चीज मेरे लिए सबसे पवित्र है उसको लेकर लोग निराधार अफवाहों पर इतनी सहजता से प्रतिक्रिया दे रहे हैं। उन्होंने लिखा यह मेरे जीवन का सबसे मुश्किल दौर है और मैं अपने विश्वास पर कायम रहते हुए इसका सामना करूंगा। मुछाल ने लोगों से आग्रह किया कि वे असत्यापित दावों को बढ़ावा देने से पहले विचार करें।

मंधाना की 23 नवंबर को मुच्छल से शादी होने वाली थी, लेकिन इस स्टार क्रिकेटर के पिता श्रीनिवास को दिल से जुड़ी बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था जिसके कारण शादी स्थगित कर दी गई थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कहा पिछले कुछ सप्ताह से मेरी निजी जिंदगी को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं और मुझे लगता है कि इस समय मेरे लिए खुलकर अपनी बात रखना महत्वपूर्ण है। खुद को एक बेहद निजी इंसान करार देते हुए मंधाना ने कहा कि चीजों को स्पष्ट करने की जरूरत के कारण उन्हें अपना पक्ष रखने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने प्रशंसकों और जनता से अनुरोध किया कि वे दोनों परिवारों की निजता का सम्मान करें और उन्हें इससे निपटने और आगे बढ़ने के लिए जगह दें। भारत के आगामी अंतर्राष्ट्रीय सत्र की तैयारी कर रही मंधाना ने कहा कि उनका ध्यान पूरी तरह से क्रिकेट पर है।

उन्होंने कहा मेरा मानना है कि हम सभी का (जीवन में) एक बड़ा उद्देश्य होता है और मेरे लिए वह उद्देश्य हमेशा अपने देश का सर्वोच्च स्तर पर प्रतिनिधित्व करना रहा है। मुझे उम्मीद है मैं लंबे समय तक भारत के लिए खेलती रहूंगी।

युवा खिलाड़ियों का प्रदर्शन अविश्वसनीय

मुख्य कोच गौतम गंभीर बोले- सीनियर खिलाड़ियों के अलावा अन्य की भी प्रशंसा जरूरी

विशाखापत्तनम, एजेंसी

भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने विराट कोहली और रोहित शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन दोनों सीनियर खिलाड़ियों का अनुभव टीम के लिए काफी मायने रखता है, लेकिन इसके साथ ही युवा खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी अविश्वसनीय रहा है। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई एकदिवसीय श्रृंखला में दो शतक और एक अर्धशतक लगाया जबकि रोहित में दो अर्धशतक जमाकर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

गंभीर ने उम्मीद जताई कि दोनों दिग्गज खिलाड़ी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखेंगे। उन्होंने तीसरे और अंतिम वनडे में भारत की नौ विकेट से जीत के बाद पत्रकारों से कहा वे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। मैंने कई बार कहा है कि वे विश्वस्तरीय खिलाड़ी हैं। वे इस प्रारूप के बेहतरीन खिलाड़ी हैं और ड्रेसिंग रूम में उनका अनुभव वास्तव में बहुत मायने रखता है। उन्होंने कहा वे वही कर रहे हैं जो वे करते रहे हैं। वे भारतीय क्रिकेट के लिए इतने लंबे समय से ऐसा प्रदर्शन करते आ रहे हैं। उम्मीद है कि वे आगे भी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखेंगे। सीनियर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को विश्राम दिए जाने तथा शुभमन गिल और हार्दिक पंड्या की चोट के कारण अनुपस्थिति ने भारत को कुछ युवा खिलाड़ियों के कौशल को परखने का मौका दिया।

गंभीर हर्षित राणा के गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में उभरने से विशेष रूप से प्रसन्न थे। उन्होंने कहा हम हर्षित जैसे खिलाड़ी को इस तरह से तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं जो वास्तव में नंबर आठ पर बल्लेबाजी करते हुए अपना योगदान दे सके। हमें इसी तरह संतुलन बनाना होगा, क्योंकि दो साल बाद (2027 वनडे विश्व कप के लिए) दक्षिण अफ्रीका दौरे पर हमें तीन अच्छे तेज गेंदबाजों की भी ज़रूरत होगी। अगर वह एक गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में खुद को स्थापित करता है तो यह हमारे लिए अच्छा होगा। गंभीर भी तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा के प्रदर्शन से प्रभावित दिखे। उन्होंने कहा इस श्रृंखला में अर्शदीप, प्रसिद्ध और हर्षित का प्रदर्शन अविश्वसनीय रहा।

टी-20 क्रिकेट मैच से पहले भुवनेश्वर एयरपोर्ट पहुंचे कोच गौतम गंभीर। एजेंसी

रोहित और कोहली के साथ अलग तरह से व्यवहार करना होगा : बांगड़

विशाखापत्तनम : भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा का पिछले कुछ वर्षों में प्रदर्शन को देखते हुए उनके साथ अलग तरह का व्यवहार किया जाना चाहिए और वनडे टीम में उनकी जगह को लेकर कभी भी बहस नहीं होनी चाहिए। राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य और मुख्य कोच गौतम गंभीर इस सीनियर जोड़ी के 2027 विश्व कप तक फॉर्म और फिटनेस बरकरार रखने को लेकर भले ही संशय में हो सकते हैं, लेकिन दोनों बल्लेबाजों ने पिछले छह वनडे मैचों में तीन शतक (कोहली के दो) और पांच अर्धशतक (रोहित के तीन) लगाकर बतला दिया है कि उनका कोई सानी नहीं है।

रोहित से मजाकिया बातचीत के बाद कुलदीप ने कहा, 'डीआरएस लेने में गलत रहता हूं'

विशाखापत्तनम : बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने स्वीकार किया कि निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) के मामले में उनका आकलन सही नहीं होता है। उन्होंने यह बात दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां खेले गए तीसरे वनडे के दौरान सीनियर खिलाड़ी रोहित शर्मा के साथ डीआरएस को लेकर मजाकिया बातचीत के संदर्भ में कही जिसकी काफी चर्चा हो रही थी। पहली स्लिप में क्षेत्ररक्षण करते हुए रोहित ने कुलदीप को अपील करने और कप्तान केएल राहुल पर डीआरएस लेने का दबाव बनाने से रोकने के लिए कम से कम तीन बार हस्तक्षेप किया और इस दौरान वह मुस्कुरा रहे थे। कुलदीप ने बीसीसीआई के वीडियो में कहा साफ जाहिर है कि डीआरएस लेने के मामले में मेरा आकलन सही नहीं रहता। मुझे लगता है कि एक डीआरएस मेरे लिए आरक्षित रहता है। उन्होंने कहा एक गेंदबाज होने के कारण आपको हमेशा यह लगता है कि यह आपका विकेट है, यह आउट है। लेकिन रोहित भाई, केएल भाई, वे विकेट के पीछे खड़े होते हैं इसलिए उन्हें बेहतर अंदाजा होता है कि गेंद स्टंप्स को छोड़कर जा रही है या नहीं। गेंद की ऊंचाई और प्रभाव के बारे में उन्हें बेहतर जानकारी होती है।

मेसी ने इंटर मियामी को पहला एमएलएस कप खिताब दिलाया

ट्रॉफी के साथ इंटर मियामी की टीम। एजेंसी

फोर्ट लॉडरडेल, एजेंसी

- थॉमस मुलर के साथ प्रतिद्वंद्विता में लियोनेल ने बाजी मारी

थॉमस मुलर ने लियोनेल मेसी के साथ लंबे समय से चली आ रही अपनी प्रतिद्वंद्विता में अक्सर बाजी मारी है, लेकिन मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) कप फुटबॉल प्रतियोगिता के शनिवार को खेले गए फाइनल में अर्जेंटीना की स्टार की तूती बोली।

मुलर और मेसी के बीच हुए 10 मुकाबलों में से जर्मनी के स्टार ने सात में जीत हासिल की है। मुलर की मौजूदगी में जर्मन टीम ने विश्व कप में दो बार मेस्सी और अर्जेंटीना को बाहर किया है। लेकिन शनिवार को अर्जेंन्टीना के सुपर स्टार ने इंटर मियामी को एमएलएस कप फाइनल में मुलर की वैंकूवर व्हाइटकैप्स पर 3-1 से जीत दिलाई। इस तरह से मेसी ने अपने करियर की 47वीं ट्रॉफी के साथ अपने तीसरे मेजर लीग सॉकर सत्र का समापन किया।

मेसी ने मैच के बाद कहा तीन साल पहले मैंने एमएलएस में आने का फैसला किया और आज हम एमएलएस चैंपियन हैं। पिछले साल हम लीग में जल्दी बाहर हो गए थे लेकिन इस साल एमएलएस जीतना हमारा मुख्य लक्ष्य था।

मेसी ने 72वें मिनट में रोड्रिगो डी पॉल को गेंद देकर गोल करने में मदद की। इसके बाद उन्होंने स्टॉपेज टाइम में एक और गोल करने में योगदान देकर इंटर मियामी को फ्रैंचाइजी इतिहास में पहली बार चैंपियनशिप दिलाई।

हॉकी जूनियर विश्व कप: भारत की चुनौती सेमीफाइनल में टूटी

जर्मनी के नाहर क्विरिन से मुकाबला करते भारत के मनमीत सिंह (बाएं)। एजेंसी

चेन्नई, एजेंसी

- चैंपियन जर्मनी ने 5-1 से धराशायी किया
- कांस्य पदक के लिए अर्जेंटीना से होगा मुकाबला

पहली बार फाइनल में पहुंचा स्पेन बुधवार को जर्मनी को खिताबी टक्कर देगा

चेन्नई : प्रतियोगिता के 14वें संस्करण में जर्मनी अब बुधवार (10 दिसंबर) को अपने आठवें खिताब के लिए स्पेन से खेलेगा, जिसने कड़े सेमीफाइनल में दो बार के पूर्व चैंपियन अर्जेंटीना पर 2-1 की रोमांचक जीत से पहली बार फाइनल में जगह बनाई। वहीं, खिताबी मुकाबले से पहले भारत कांस्य पदके के लिए अर्जेंटीना का सामना करेगा। आज ही खेले गए अन्य वर्गीकरण मैचों में बेल्जियम ने गत उपजेता फ्रांस को 3-2 से हराकर पांचवें-छठे स्थान के लिए होने वाले क्लासिफिकेशन मैच में जगह बनाई। बेल्जियम अब 10 दिसम्बर को नीदरलैंड्स से खेलेगा, जिसने न्यूजीलैंड को 6-3 से परास्त किया। न्यूजीलैंड सातवें-आठवें स्थान के लिए क्लासिफिकेशन मैच में फ्रांस से भिड़ेगा।

एफआईएच हॉकी जूनियर पुरुष विश्व कप में रविवार को मेजबान भारत की चुनौती टूट गई, जब एकतरफा सेमीफाइनल में मौजूदा चैंपियन जर्मनी ने 5-1 की बड़ी जीत से 10वीं बार फाइनल में जगह सुरक्षित कर की।

दो वर्ष पूर्व कुआलालंपुर में फ्रांस को हराकर सातवीं बार चैम्पियन बने जर्मनी ने यहां मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में दो बार के पूर्व विजेताओं के, जिन्होंने अंतिम बार 2016 में घरेलू टर्फ (लखनऊ) पर खिताब जीता था, खिलाफ शुरुआत से ही हमलों की बौछार कर दी और तीसरे क्वार्टर की समाप्ति तक उसके खाते में 4-0 की लीड दर्ज हो चुकी थी। भारत का इकलौता गोल अनमोल एक्का ने अंतिम क्वार्टर में किया।

जर्मनी के लिए दो गोल करने वाले लुकास कोसेल ने 14वें मिनट में पेनाल्टी स्ट्रोक भुनाया तो मध्यांतर से ठीक पहले शॉर्ट कॉर्नर पर निशाना साधा।

उनके अलावा टिटस वेक्स (15वां मिनट), योनास जेर्सम वोन (40वां मिनट) व बेन हैसबाक (49वां मिनट) ने एक-एक गोल किया। वहीं अंतिम क्वार्टर में 50वें मिनट में लगातार दो शॉर्ट कॉर्नर अर्जित कर तनिक जोर दिखा सके भारत की तरफ से इकलौता गोल दूसरे पेनाल्टी कॉर्नर पर अनमोल एक्का ने किया।

बड़े मैच का दबाव हावी हो गया था टीम पर : श्रीजेश

चेन्नई : भारतीय जूनियर हॉकी टीम के मुख्य कोच पी आर श्रीजेश ने कहा कि खिलाड़ी बड़े मैच का दबाव नहीं झेल सके। हम अपेक्षा के अनुरूप नहीं खेल पाये। जूनियर विश्व कप के सेमीफाइनल जैसे मैच में आसान मौके गंवाने से काम नहीं चलता। उन्होंने कहा हमें काफी मौके मिले, लेकिन हम उन्हें भुना नहीं सके। हम मैच में एक ही पेनल्टी कॉर्नर बना सके जिस पर गोल भी हुआ लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। यह पूछने पर कि क्या टीम पर मानसिक दबाव था, कोच ने कहाऐसा नहीं था लेकिन कई बार माहौल और बड़े मैच का दबाव युवा खिलाड़ियों पर आ जाता है। विरोधी टीम अच्छा खेलती है तो हम बेसिक्स भूल जाते हैं। ये अनुभव से सीखेंगे और मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में बेहतर प्रदर्शन होगा।

ऑस्ट्रेलिया की दूसरे टेस्ट में भी शानदार जीत

ब्रिस्बेन टेस्ट

ब्रिस्बेन, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को यहां दूसरे टेस्ट के चौथे दिन जीत के लिए 65 रन का लक्ष्य महज 10 ओवर में हासिल करते हुए इंग्लैंड को आठ विकेट से हराकर एशेज श्रृंखला में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली।

चौथा दिन दोनों टीम के कप्तान के इर्द गिर्द रहा। इंग्लैंड ने जहां बेन स्टोक्स (50 रन) के अर्धशतक से दूसरी पारी में 241 रन बनाए। वहीं ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ ने एक शानदार कैच लेकर मैच का रुख बदला और फिर विजयी रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को श्रृंखला में आगे किया। ऑस्ट्रेलिया ने 10 ओवर में दो विकेट पर 69 रन बनाकर जीत दर्ज की जिसमें स्मिथ ने जोफ्रा आर्चर के एक बाउंसर से बचने के बाद उन्हें और तेज गेंदबाजी करने को कहा। फिर उन्होंने बाउंड्री लगाकर अगली गेंद पर छक्का जड़ा और गाबा में 1,000 टेस्ट रन पूरे किए। ऑस्ट्रेलियाई टीम को तब जीतने के लिए सिर्फ दो रन चाहिए थे तो स्मिथ ने छक्का लगाकर मैच खत्म किया।

बिस्बेन टेस्ट मैच जीतने के बाद जश्न मनाते ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी। एजेंसी

- एशेज श्रृंखला में इंग्लैंड के खिलाफ 2-0 की बढ़त हासिल की

हम दबाव का सामना नहीं कर पाए हैं: स्टोक्स

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली आठ विकेट से करारी हार पर कहा कि हम दबाव का सामना नहीं कर पाए। उन्होंने कहा कि हम कमजोर नहीं है और वापसी के लिए जरूरत पड़ने पर जोश दिखाना होगा।

साक्षात्कार | एफआईएच अध्यक्ष बोले- ओलंपिक की मेजबानी दूर की बात नहीं

भारत सरकार का फोकस खेलों पर : तैयब इकराम

चेन्नई , एजेंसी

भारत की मेजबानी में होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2030 में हॉकी की मजबूती से वापसी का दावा करते हुए अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ के अध्यक्ष तैयब इकराम ने कहा कि खेलों पर भारत सरकार के फोकस को देखते हुए ओलंपिक की मेजबानी अब दूर की बात नहीं है । भारत को दो दशक बाद राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिली है जो 2030 में अहमदाबाद में आयोजित होंगे जिसे 2036 ओलंपिक की भारत की दावेदारी पुख्ता करने के लिये एक अहम कदम माना जा रहा है। यहां जूनियर हॉकी विश्व कप से इतर भाषा को दिये विशेष इंटरव्यू में भारत की ओलंपिक की मेजबानी की दावेदारी के बारे में पूछने पर इकराम ने कहा ,'' हमें इस तरह की उम्मीदवारी पसंद है और यह अच्छा भी है क्योंकि इसमे अलग हितधारक और प्रतिस्पर्धी होंगे । राष्ट्रमंडल खेल 2030 भी भारत में हो रहे है।

उन्होंने कहा इस समय भारत सरकार का फोकस खेलों और खेलों की मेजबानी पर है लिहाजा ओलंपिक की मेजबानी बहुत दूर की बात नहीं है। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में बजट में कटौती के लिये कई खेलों को रोस्टर से हटाया गया है जिनमे हॉकी भी शामिल है लेकिन एफआईएच अध्यक्ष ने विश्वास जताया कि 2030 में हॉकी की मजबूती से वापसी होगी। उन्होंने कहा अगले साल होने वाले खेल राष्ट्रमंडल खेल के लिये काफी कठिन और चुनौतीपूर्ण हैं । लेकिन हॉकी राष्ट्रमंडल का हिस्सा रही है और हमेशा रहेगी । हमारी राष्ट्रमंडल खेल से लगातार अच्छी बातचीत हो रही है और 2030 में हॉकी की और मजबूती से वापसी होगी। व्यावसायिक दृष्टि से भारत को वैश्विक हॉकी का महत्वपूर्ण साझेदार बताते हुए एफआईएच अध्यक्ष ने कहा कि खेल को क्रिकेट या बाकी खेलों की तरह लोकप्रिय बनाने के लिये भारत बड़ा मंच है और यही वजह है कि यहां पिछले एक दशक में काफी वैश्विक हॉकी टूर्नामेंट आयोजित किये गए हैं। भारत में 2016 पुरुष जूनियर विश्व कप (लखनऊ), 2014 चैम्पियंस ट्रॉफी (भुवनेश्वर), 2018 सीनियर पुरूष विश्व कप (भुवनेश्वर), 2023 सीनियर पुरुष विश्व कप (भुवनेश्वर और राउरकेला) के अलावा महिला और पुरूष एशिया कप और एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी का भी आयोजन किया गया है।

इकराम ने कहा यह भारत ही नहीं बल्कि विश्व हॉकी के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा एफआईएच समानता, विविधता और समावेशिता का पक्षधर रहा है । यह हमारा प्रोजेक्ट और थीम है जो सिर्फ समान संख्या में अधिकारियों या खिलाड़ियों को लेकर नहीं है बल्कि सामर्थ्य निर्माण के बारे में भी है ताकि भविष्य में मजबूत महिला अधिकारी , खिलाड़ी और नायक निकल सके । यह एफआईएच की सशक्तिकरण और जुड़ाव की नीति के काफी करीब है।

भारत हॉकी का घर , यहां लोग खेलों से करते हैं प्यार

अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ के अध्यक्ष तैयब इकराम ने कहा भारत हॉकी का घर हैं और यहां लोग खेलों से प्यार करते हैं। क्रिकेट यहां काफी लोकप्रिय है लेकिन भारत में एफआईएच और अन्य एशियाई टूर्नामेंटों की मेजबानी से दर्शक हॉकी की ओर भी आ रहे हैं। मेरे लिये यह बहुत अहम है कि हॉकी उस स्तर पर पहुंचे जहां क्रिकेट जैसे दूसरे खेल हैं। उन्होंने कहा भारत यह साबित करने के लिये सबसे बड़ा मंच है और यह हो रहा है । हमे सबसे ज्यादा दर्शक संख्या भारत से मिल रही है जो यह अपने आप में सब कुछ कहता है। जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में पहली बार महिला अंपायरों की नियुक्ति की गई है और इकराम ने इसे लैंगिक समानता की एफआईएच की मुहिम का अहम कदम बताया। उन्होंने कहा यह खेलों में महिला सशक्तिकरण की अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति और संयुक्त राष्ट्र की मुहिम का हिस्सा है ।